

PUBLISHER BY AUTHORITY

सं 0 14] नई बिल्ली, शनिचार, अप्रैल 4, 1987 (चैत्र 14, 1909)

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 4, 1987 (CHAITRA 14, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш....वण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियत्वक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और मारत सरकाराको संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ क सेवा श्रायोग

- नई विल्ली-110011, दिनांक <u>19</u> दिसम्बर, 1986

सं० ए-: 2014/1/86-प्रशा०-8--- राष्ट्रपति, द्वारा संध लोक से त ध्रायांग के के० स० से० संवर्ग क निन्नलिखित नियमित अनुभाग श्रधिकारियों को, हर एक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ श्राधार पर डेस्क श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:---

ऋम सं०	नाम (सर्वेश्री)	श्रवधि
1	2	3
1.	एन० के० ढींगरा	25-11-86 से 14-1-87 तक
2.	बाई० पी० डब्बास	26-11-86 से 9-1-87 तक
3.	ग्रनिल कुमार	26-11-86 से 9-1-87 तक
4.	ओ० पी० कोटिया	26-11-86 से 9 -1-87 तक
5.	हुकम चन्द	26-11-86 से 9-1-87 तक
	पूरतचन्द (म्र० जा०)	26-11-86 से 9-1-87 तक
7-	टी० लुगुन (ग्र० ज० जा	o) 26-11-86 से 9-1-97 स न

1	2	3
		_ ·

8. श्रीमती पी० कौटिया (म्र० जा०) 11-10-86 से 31-12-86 तक

9. के० बी० मैथ्यू 10-11-86 से 31-12-87 तक 10. कृष्ण लाल-1 26-11-86 से 31-12-86 तक 11. एस० के० भरोड़ा 10-11-86 से 31-12-86 तक

सं० ए०-32014/1/86-प्रशा०-III (1)--राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ध्रायोग के के० सं० मं० संवर्ग की नियमित सहायक श्रीमती भारती श्रीधर तथा तथा श्री जरनैल सिह को 22-1-87 मे 45 दिनों की ध्रवधि ग्रथवा भ्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ भ्राधार पर ग्रनुभाग भ्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न २५ से कार्थ करने के लिए नियक्त किया जाता है।

विनांक 6 फरवरी 1987

सं० ए०-12025/ (ii)/1/85-प्रशा०-III-राष्ट्रपति द्वारा विस मंत्रालय राजस्व विभाग के ग्रेड "ख"
श्राशुलिपिक श्री सुरेन्द्र कुमार (रेंक-49) का कार्मिक एवं

प्रशिक्षण विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/8/86—सी० एस० (1) दिनांक 28 अक्तूबर 1986 के अन्तर्गत सिम्मिलिस सिमिति विभागीय प्रतियोगी परीक्षा 1985 के आधार पर अनुभाग अधिकारी के रूप में संघ लोक सेवा आयोग में नामांकन किये जाने के फलस्बरूप उन्हें 30—1—87 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कि० सं० से० संवर्ग में अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापश्च रूप से कार्य करने हेतु नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति केन्द्रीय न्यायाधिकरण, नई दिल्ली के सक्षम विचाराधीन न्यायिक मामला महेश कुमार बनाम भारत संघ टी० सं०-420/85 पर दिये गये निर्णय के प्रध्यधीन होगी।

> एन० पी० जेन, श्रवर सचिव का० प्रणा० संघ लोक सेवा भ्रायोग

गृह मंद्रालय केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, केन्द्रीय न्याय वंधक विज्ञान प्रयोगणाला

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 मार्च 1987

सं०-ए-31914/13/86-प्रणा०-1 (वि० प्रोमस)-राष्ट्रपति, डा० एस० के० लहरी वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक
केन्द्रीय न्याय वैधक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय ग्रन्वेषण
क्यूरो नई दिल्ली, को 700-4 -900-६० रो-11001300 ६० के वेतमान में वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रिधिकारी
(ग्रेड-II) के पद पर केन्द्रीय न्याय वंधक विज्ञान प्रयोगशाला
केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली में दिनांक 28-1-87
से नियमित ग्राधार पर सहख नियुक्त करते हैं।

धर्मपाल भल्ला, प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० 11/5/84-प्रशा०-I--इस कार्यालय की तारीख 29-7-1986 की समसंख्यक प्रिध्सूचना के प्रमुक्तम में राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेशक, जनगणना कार्य/सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को उनके नाम के सामने दिए गए कार्यालयों में 1 मार्च 1987 से चार माह प्रथवा जब तक यह पद नियमित ब्राधार पर नहीं भरे जाते, की और अवधि के लिए, जो भी पहले हो, के लिए विद्यामन गर्नों पर पूर्णत: ग्रस्थायी और तदर्थ ग्राधार

पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नति द्वारा नियुक्त करते हैं:---

 - 本。 せ。	ग्रधिकारी का नाम	जिस कार्यालय में कार्यरत <i>हैं</i> /मुख्यालय
1.	श्री सी० डी ०भट्ट, सहायक निदेशक जनगणना कार्य	जनगणना निदेशालय, संघ राज्यक्षेत्र चण्डीगढ़।
2.	श्री एस० एल० बहल स द्धा यक निवेशक जनगणना कार्य	जनगणना निवेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़ ।
3.	श्री डी ०एन० महेश सङ्गयक निवेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)	जनगणना निदेशालय, बिहार, पटना ।
4.	श्री एम० नगप्पन, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (सकनीकी)	जनगणना निदेशालय, तामिलनाडु, मद्रास ।
5.	श्री डो०पी० खोबरगड़े सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी)	जनगणना निदेशालय, मेघालय, शिलांग ।

दिनांक 12 मार्च 1987

सं० 11/91/79-प्रशा-1--राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के संघ राज्य क्षेत्र संवर्ग के ग्रधिकारी श्री जनदीश सागर, जो इस समय संघ राज्यक्षेत्र लक्षद्वीण के प्रशासक के पद पर कार्यरत हैं, को 9 जुलाई, 1985 के ग्रपराह्न से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक के लिए निदेशक जनगणना कार्य, लक्षद्वीप के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सागर का मुख्यालय कोचीन में होगा। वी० एस० वर्मा, भारत के महारजिस्ट्रार

> वित्त मंत्रालय श्राधिक कार्य विभाग प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 4 मार्च 1987

कः : 7 (67)—8769—इस कार्यालय की ग्रंधिसूचना कम ए० डी० /8/1808/ दि० 2-6-86 के ता तम्य में श्री एन० एस० पिल्लई को रू० 2375-75-3200—द०रो०—100-3500 के वेतनमान में प्रणासनिक ग्रंधिकारी के रूप में तद्यं नियुक्ति को 2-12-86 से 6 माह की ग्रंबिध ग्रंथिवा पद के नियमित रूप से भरे जाने तक उनमें से जो भी पहले हो, के लिए बढ़ाया जाता है।

श०रा० पाठक, महात्रवन्धक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I. नई दिल्ली, दिनांक 19 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-1/का०ग्रा०सं०-289—नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय पत्न सं० 1568—जी० ई०-1/37-84 दिनांक 20-11-84 में वर्णित तथा निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-I, नई दिल्ली ग्रपने पत्न 35 एन, III-5-7-84 दिनांक 29-1-87 द्वारा स्पष्ट किये गये निर्णय के ग्रनुसार इस कार्यालय के ग्रनुभाग ग्रधिकारी श्री बी० पी० गुप्ता, ग्रार० पी० पराशर के एन० बी० ग्रार० के ग्रधीन सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी (ग्रुप-ख राजपितत) को 650-30-740-35-800-द० रो०-40-1040 के समय वेतनमान में 1-3-1984 पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेश तक सहर्ष उपचारात पदोन्नति के ग्रादेश करते हैं।

ह० अपठनीय, उपनिदेशक लेखापरीक्षा (प्रशा०)

कार्यालय महालखाकार (लेखा परीक्षा) --प्रथम-पश्चिम बंगाल कलकत्ता-70001, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० प्रशासन प्रथम/पदोन्नति-95/सं०ले० ग्र०/3444-महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-प्रथम पश्चिम बंगाल
निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों (लेखापरीक्षा) को
दिनांक 5-3-1987 के पूर्वाह्न से ग्रस्थायी ग्रौर स्थानापन्न
रूप से (वर्ग "ख"-राजपत्नित) 2000-60-2300प्रदक्षता निष्पादन-75-3200 रुपये वेतनमान पर सहायक
लिखा परीक्षा ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करने की
P कृपा की है:--

- 1. श्री कल्याण दास
- 2. श्री भुपाल चन्द्र चौधरी

ये पदोन्नतियां माननीय केन्द्रीय प्रशासनिक टिब्यूनल कलकता में लम्बित रिट याचिका के ग्रन्तिम निर्णय के ग्राधीन है।

ग्रधिकारियों को ग्रनुच्छेद 2ख के शर्त ग्रनुसार भारत सरकार गृह मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 से एक माह के भीतर ग्रपना 22(क)(1) के ग्रन्तगंत पदोन्नति के तारीख के दिन से फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के ग्रन्तगंत नीचे के पद पर ग्रागामी वेतन वृद्धि के तारीख के दिन से या सीधे पदोन्नति के तारीख के दिन से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं।

> सनत कुमार मिश्र, वरिष्ठ महालेखाकार (प्रणासन) पश्चिम बंगाल

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 5 मार्च, 1987

सं० प्रशा०/1/1150/1/जिल्द-VII—संघ लोक सेवा गद्वारा भ्रायोजित सिबिल सेवा (मुख्य) परीता 1985 रिणाम के भ्राधार ५र राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षार्थियों के रूप में उनके नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, सहर्ष नियुक्त करते हैं:-

क०सं० नाम	नियुक्ति की तारीख
1. कु० रसिका भार्गव	25-08-86 (पूर्वाह्न)
2. श्री संजीव कुमार	02-01-87 (पूर्वाह्न)
 श्री रबी नारायण दास 	25-08-86 (पूर्वाह्न)
4. श्री शिव मूरारी सहाय	29-12-86 (ग्रपराह्न)
5. श्री जगजीत सिंह ग्रार्य	08-09-86 (पूर्वाह्न)
6. श्री ग्रविनाश दीक्षित	29-12-86 (पूर्वाह्न)
 कु० ग्रनुराधा श्रीवास्तव 	22-12-86 (पूर्वाह्न)
श्री एस० श्रीनिवास प्रसाद	05-01-87 (पूर्वाह्न)
🧀 श्री राकेश सहगल	29-12-86 (पूर्वाह्न)
10 श्री संजीव पी० एन० सिंह	29-12-86 (पूर्वाह्न)
11. श्री सरोज कुमार	15-12-86 (अपराह्न)
12. श्री मल सिंह	18-12-86 (पूर्वाह्न)

सं० प्रशा०/1/1173/जिल्द-III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेका सेवा के एक अधिकारी के० राधाकृष्णन जो संप्रति आर्थिक मामलों के विभाग विक्त मंत्रालय नई दिल्ली में सहायता लेखा परीक्षा नियंत्रक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को सेवा के कनिष्ट प्रशासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड-मान रु० 2000-125-2-2250) (संशोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए "ग्रनुक्रम नियम के अधीन" 1 जनवरी 1986 से ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० प्रशा/1/1173/2/जिल्द- —राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा निम्नलिखित कनिष्ठ प्रशासिनक ग्रेड ग्रिधकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासिनक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (मान रुपये 2000-125/2/2250) (संशोधन पूर्व) स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के ग्रागे दर्शायी गई गयी तारीखों से तथा ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

ऋसं० ग्रधिकारी का नाम	तारीख
सर्व/श्री	
1. पी० ग्रार० शिवसुत्रमणियन	01-01-86
	(पूर्वाह्म)
2. एम० एम० श्रीवास्तव	01-02-86
	(पूर्वाह्न)
3. वी० के० भंडारकर	25-02-86
	(पूर्वाह्न)
4. नटराजन गोपालन	09-05-86
	(पूर्वाह्न)

डी० के० चेतिसग, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन

भारत का प्रधान कौंसलावास

न्युयार्क, दिनांक 23 दिसम्बर 1986

सं० एन वाई० सी०/एडम/586 (7)/86—भारत का प्रधान कौंसलावास, शिकागो से स्थानान्तरण हान पर श्री पी० ए० नजरथ ने 25 ग्रगस्त 1986 से के ग्रपराह्न से शिकागों में भारत के कौंसल प्रमुख का पदभार छोड़ दिया ग्रौर 2 सितम्बर 1986 के ग्रपराह्न से न्यूयार्क में भारत के कौंसल प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया।

ए० ब्यूरिया चांसरी, प्रमुख ग्रौर कौंसल

रक्षा मंत्रालय

भ्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 3 फरवरी 1987

सं० 6/87/ए/ई-1 (एनजी)—महानिदेशक आयुध निर्माणी महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्तमान रिक्तियों में वरिष्ठता पर बिना प्रभाव के प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाई गई तारीखों से, उन पदों पर पदोन्नत करते हैं :--

1. श्री शिव पद चौधरी स्थानापन्न दिनांक 4-2-87 सहायक (पूर्वाह्न) से ग्रागामी स्टाफ ग्रिध- ग्रादेश होने तक कारी

2. श्री सिसिर कुमार सूर --वही-- --वही--

- 2. उपरोक्त पदोन्नतियां वरिष्ठता सूची को ग्रप्रभावित रखते हुए की गई हैं इस सम्बन्ध में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई ग्रपील के निर्णयानुसार पालन किया जाएगा।
- 3. उक्त स्रधिकारीगण दिनाक 4-2-87 से दो वर्षों पर्यन्त परिवीक्षाधीन रहेंगे।
- 4. श्री सिसिर कुमार सूर ने सहायक स्टाफ ग्रिधिकारी के उच्च पद का कार्यभार 4-2-87 से तथा श्री शिवापद चौधरी ने सहायक स्टाफ ग्रिधिकारी के रूप में उच्च पद का कार्यभार दिनांक 5-2-87 से संभाल लिया है।
- 5. श्री सिसिर कुमार सूर की पदोन्नति पूर्णतःस्थानापन्न क्षमता में है।

सं० 4/87/ए/ई-1 (एनजी) — वाधिक्य निवृति श्रायू प्राप्त कर निम्नलिखिति श्रधिकारी दिनाँक 28-2-87 (श्रपराह) से निवृत हुए:—

1. श्री एन० के० चक्रवर्ती, स्थानापन सहायक ग्रिधकारी (मौलिक एवं स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक)

- श्री शंकर लाल मंडल, स्थानापन सहायक स्टाफ़ अधिकरी (मौलिक एंच स्थाई सहायक)
- श्री रिवन्दर लाल चौधरी, स्थानापन सहायक स्टाफ अधिकारी (मौलिक एवं स्थार्ट सहायक)

एस० दास गुप्ता उपमहानिशदेक प्रशासन कृते नहानिदेशक श्रायूध निर्मा

दिनांक 3 मार्च, 1987

सं० 5/जी/87—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58वर्ष) श्री जी० चटार्जी, डी० डी० जी०, श्री० ए५० लेटेल-1 (मीलिक एवं स्थायी ए० डि० जि०/महाप्रबन्धक/उप-महाप्रन्धक), दिनांक 28 फरवरी, 1987 (श्रपराह्न) छुट्टी का दिन से सेवा निवृत्त हुए। उनका नाम उसी दिन से भारतीय श्रार्डनेन्स फक्टरी सेवा से हटाया जाता है।

दिनांक 4 मार्च, 1987

सं० 6/जी/87—वार्धन्य स्रायु प्राप्त कर श्री पी० के० गुप्ता, स्थानापन्न संयुक्त निदेश क (मौलिक एवं स्थायी उप-निदेशक) दिनांक 28 फरवरी, 1987 (स्रपराह्न) छुट्टी का दिन से सेवा दिवृत्त, हुए ।

एम० ए० म्रलहन संयुक्त निदेशक/जी

उद्योग मंत्रालय

ग्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० ए-19018(768)/84-प्रशा०(राज०)—राष्ट्रपति लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के श्री सी० वी० शास्त्री, लघु उद्योग संवर्द्धन, श्रधिकारी (श्रौद्योगिक प्रबन्ध प्रशिक्षण) को ग्रगले श्रादेशों तक दिनांक 27-1-1987 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोग्रा में सहायक निदेशक, ग्रेड-I, (श्रौद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 मार्च, 1987

सं० 12 (484)/65-प्रशा० (राज०): खन्ड-III—-राष्ट्र-पति, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय, नई दिल्ली के श्री कमल कपूर, उप निदेशक, (ग्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) की नियुक्ति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, करनाल में निदेश ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर, दिनांक 3-2-8 (ग्रप०) से ग्रगले ग्रादेश जारी होने तक तदर्थ ग्राधार प करते हैं।

-प्रशा० (राज०)—सेवा र श्री एन० के० भटनागर गंक), विकास स्रायुक्त रुली, को दिनांक 31-1-87 निवृत्त किया जाता है।

_ मार्च 1987

दिनांक 10 गांव सं० 12 (623)/69-अशां० (राज०) .वृत्ति की ब्राय प्राप्त कर लेने पर, लेखे उद्य .वृत्ति की ब्राय प्राप्त कर लेने पर, लेखें उद्य .वृत्ति के सहायक निदेशक ग्रेड-1 .शिक्षण) श्री बीं० एम० शर्मा को 31-1-से सेवा निवृत्त कर दिया गया है।

राज०) खण्ड-II—सेवा ष्ट्रु उद्योग सेवा संस्थान, (म्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं 31-1-1987 (ग्रप०)

> सी० सी० राय निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेश लय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० ए-1/1(1043)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में स्थाई कनिष्ठ प्रगति ग्रिधिकारी ग्रीर सहायक निदेश के पूर्ति (ग्रेड-II) के पद परस्थानापन्न रूप से कार्य कर रहें। श्री साधुराम को, मूल नियमावली के नियम 56 के खंड (जा) के प्रावधान, के अन्तर्गत दिनांक 26 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

वी० साखरे उप निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग ए-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक मार्च 1987

सं० ए-17011/20/71-ए-6—राष्ट्रपति, उप निदेशक (इंजी०), (भारतीय निरीक्षण लेखा समूह "ए" की इंजीनियरी शाखा के ग्रेड-II) श्री एम० गंगाराजू, को 28 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक 1500-60-1800-100-2000 ह० के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा समूह "ए" के ग्रेड 1) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एम० गंगा राजू की निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा, समूह "ए" के ग्रेड-1) के रूप में नियुक्ति, भारतीय संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गई तीन एल० पी० ए० संख्या 67/83, 68/83 ग्रीर 69/83 ग्रीर श्री एस० सी० ग्रानन्द, उप निरीक्षण निदेशक, द्वारा, बम्बई उच्च न्यायालय में दायर की गई ग्रीर दिल्ली उच्च न्यायालय में स्थानान्तरित रिट याचिका सं० 3001/83 ग्रीर 35/83 जो दिल्ली उच्च न्यायालय में ग्रभी तक ग्रनिणींत है, के ग्रधीन होगी।

3. श्री एम० गंगाराजू, ने जो तिमलनाडु लघु उद्योग विकास निगम लि० मद्रास, में प्रति नियुक्ति पर थे, उस कार्यालय, में 19 दिसम्बर, 1986 (ग्रपराह्न) को ग्रपर प्रबन्धक (विपणन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रौर 28 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्न से पूर्ति तथा निपटान नई दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण निदेशक, के पद का कार्यभार संभाल लिया है। वह दिनांक 22-12-1986 से 23-10-87 तक ग्रजित ग्रवकाश पर थे।

दिनांक 10 मार्च 1987

सं० ए-17011/312/86-प्र-6—संघ लोक सेवा म्रायोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति, श्री म्रार० के० म्रम्भवाल, को दिनांक 2-2-1987 के पूर्वाह्म से म्रागामी म्रादेशों तक भारतीय निरीक्षण सेवा मुप "ए" के इंजीनियरिंग शाखा में सहायक निदेशक, निरीक्षण/निरीक्षण म्रधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

- 2. श्री स्रार० कें ० स्रप्रवाल ने इस कार्यालय के मुख्यालय में दिनांक 2-2-1987 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक/मिरीक्षण— निरीक्षण स्रधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।
- 3. श्री अग्रवाल दो वर्ष की ग्रवधि के लिए परीवीक्षाधीन रहेंगे ।

ग्रार० पी० शाही उप निदेशक, (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 मार्च 1987

सं 1624 बी/ए-19011 (2-डी॰बी॰)/84-19बी— राष्ट्रपति जी श्री देवानूरी भानूमूर्ति को भूभौतिकीविद् (वरिष्ठ) (उपकरण) के पद पर नियमानुसार 1100-50-1600 रु॰ वे वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 1-1-87 (पूर्वाह्म) से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 9 मार्च 1987

सं० 1745 बी/ए-19012(2 ए०के०जी०)/86-19 बी— राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकी-विद् (उपकरण) श्री अनूप कुमार घोष को भूभौतिकीविद् (किनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर उसी विक्राग में नियमान सार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ह० के वेतन-मान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 26-11-86 (पूर्वाह्न) से नियुक्त कर रहे हैं।

ग्रामत कुमारी निदेशके (कार्मिक)

कलकता-700016, दिनांक 4 मार्च 1987

सं॰ 1656 बी/ए-32013/1-व०उ०म० नि०(प्रा०)/86-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप-महानिदेशक (भूविज्ञान) श्री बी० एम० हुक्कू को वरिष्ठ उप-महानिदेशक (प्रचालन) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 2500-125/2-2750 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक 29 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

> एन० के० मुखर्जी वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० ए-19011/58/86-स्था० ए०/पीपी—निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर श्री एस० एन० चट्टोपाध्याय, मुख्य अयस्क प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 1 मार्च, 1987 के पूर्वीह्न से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है और तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया है।

दिनांक 5 मार्च 1987

सं० ए-19012(17)/85-स्था० ए० खण्ड- — विभागीय पदोन्नित समिति की सिफारिश पर श्रीमती एम० एन० गायकवाड, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अ०प्र०) की भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में सहायक अयस्क साधन अधिकारी के पद पर दिनांक 20 फरवरी, 1987 के अपराह्म से पदोन्नित की गई।

दिनांक 6 मार्च 1987

सं० ए 19011(352)/स्था०-ए---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर श्री श्रलोक बीहारी पाणीग्रही को भारतीय खान ब्यूरों में सहायक खान नियन्त्रक के पद पर स्थानापन रूप में दिनांक 19-2-1987 के पूर्वह्न से श्रागामी श्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जी० हो। गर्मा सहायक पुश्रासन ग्रधिकारी

नागपुर, दिनांक, 4 मार्च 1987

सं० ए-19012(217)/86-स्था०-ए संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री अरूप कुमार घोषाल, वरिमठ, तकनीकी सहायक (भू०), भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 30-1-1987 के पूर्वीह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 मार्च 1987

सं० ए-19012 (218)/85-स्था०-ए---महानियन्त्रक, भारतीय खान ब्यूरो, कैप्टन राधा ऋष्य भट्ट, सहायह प्रधासन ग्रधिकारी, भारतीय खान ब्यूरो 1987 के ग्रपराह्न से सहर्ष स्व राधा कृष्ण भट्ट का नाम इस से दिनांक 21-2-1987 (पूर्वाक्ष

का पदत्याग दिनांक 20 फरवरी;
कृत करते हैं। तदनुसा कैंप्ट विभाग की प्रभावी स्थापना तें) से काट दिया जाता है।

पी० पी० वादी प्रशासन स्रधिकारी हते महानियन्त्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महामर्वे अकका कार्यालय

देहरादून-2480 01, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० स्था० 1-15/पी० एफ०—फारेस्ट रेंजरकालेज, वालाघाट (वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून की एक शाखा) में इंजीनियरी और सर्वेक्षण में सहायक प्रवक्ता के पद का कार्यभार ग्रहण करने के उद्देश्य से श्री सुधीर कुमार शर्मा द्वारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग में ग्रधिकारी सर्वेक्षक के पद से दिया गया त्यागपत्न दिनांक 31-10-1980 (ग्रपराह्न) से स्वीकृत किया जाता है।

गिरीश चन्द्र ग्रग्नवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 मार्च 1987

र्सं० ए-38019/11/83-ई०-I—श्वी एस० राघवेन्द्रन, निदेशक, मौसम विज्ञान के महा निदेशक, का कार्यालय नई दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग, सेवा निवृत्ति की स्रायु प्राप्त कर 31-1-1987 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस० के० साहा निदेशक स्थापना **इ**ते मौतम विज्ञात के मलि**हादेशक**

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० ए-12039/3/86-स्था०-1—राष्ट्रपति, निम्नलिखित को भारत मौसम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर उनके नामों के सामने दर्शाए गए दिनांक पूर्वाह्न से स्रागामी स्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

1. श्री एम० के० गुप्ता

24-9-1986

2. श्री सतीश भाटिया

24-9-1986

3. श्री डी० पी० मिश्रा

25-9-1986

ऋम

मं॰ ए-12039/3/86-स्था॰ I----राष्ट्रपति, निम्नलिखित को भारत मासम विज्ञान विभाग में मौसम विज्ञानी श्रेणी-2 के पद पर उनके नामों के सामने दर्शाए गए दिनांक पूर्वाह्म से श्रागामी आदेशों तक के लिए श्रम्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:---

24-9-1986 24-9-1986
24-9-1986
24-9-1986
25-9-1986
24-9-1986
25-9-1986
25-9-1986
24-9-1986
26-9-1986

एस० डी० एस० मब्बी मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक प्रशासन तथा भंडार

प्रशासन प्रधिकारी प्रशासन प्रधि-

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

सं० 1/2/86-एस-2—महानिदेशक, आकाशवाणी निम्न लिखित हेड क्लकौ/लेखाकारों/वरिष्ठ स्टोरकीपरों को 2000-60-2300-द रो०-75-3200 स्पर्य के वेतनमान में प्रत्येक के आगे लिखी तारीख से नियमित आधार पर आकाण वाणी में प्रणासन ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

सं०	के रूप में नियुक्ति काकेन्द्र	कारी के रूप में नियुक्ति की तारीख
1. श्री ए० एन० मजूभदार	र म्राकाश वा णी, नागपुर	18-11-86 (भ्रपराह्न)
2. श्री बी० के० विश्वास	स्राकाशवाणी, कुर्सियांग	30-9-86 (पूर्वा ह्य)
3. श्रीभ्रार एम रस्तोर्भ	ो श्राकाणवाणी, वाराणसी, (मृख्यालय से	14-8-86 (अपराह्म) दूर)

उपर्युक्त अधिकारियों ने कालम 4 में दी गई तारीखों को प्रशासन अधिकारी का कार्यभार संभाल लिया।

श्रामुतोष कुरी प्रमासन उप निवेशक कृते महानिवेशक

मूचना श्रीर प्रसारण मंस्रालय

फिल्म प्रभाग

ध-धई-400 026, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० 2/4/68-ई-1--सेवा निवृत्ति की समय पूरी होने के फलस्वरूप श्री एस०पी० चन्द्रमोहन ने 28 फरवरी, 1987 के

श्रपराह्म में फिल्म प्रभाग के उत्पादन प्रबन्धक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

> बी० म्रार० पेसवानी सहायक प्रशासकीय म्रधिकारी **इ**ते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान कसौकी

नई दिल्ली, बिनांक 11 मार्च 1987

सं० 25-22/68-प्रशासन—ग्रधिवर्षिता की ग्रायु प्राप्त करने पर श्री प्रीतम सिंह, स्थाई भण्डार ग्रधिकारी, केन्द्रीय प्रनुसंधान संस्थान, कसौली 28 फरवरी, 1987 ग्रपराह्म से सेवा निवृत हो गए हैं।

> एस एन० सक्सेना निदेशक

कृषि भ्रौर सहकारिता विभाग

केन्द्रीय मत्स्यकी तटवर्ती इंजिनियरी संस्थान

बैगलूर, 560052, दिमांक 4 मार्च 1987

सं० एं० 19(15)/2/87 साईफ-- श्री च० सु० श्री पावा राव, स्थायी अनुभाग ग्रिधिकारी महालेखाकार कायिलय बैंगलूर को इस संस्थान के नियुक्ति ज्ञापन कमांक ए 35 (17)/87-सोईफ दिनांक 27-1-1987 के श्रन्तर्गत निर्धारित नियुक्ति शतौं के श्रनुसार 4-3-1987 पूर्वीह्न से श्रगले श्रादेण जारी होने तक वेतन रु 2000-60-2300-इबि-75-3200 (परिशोधित) लोक सेवा संघ श्रायोग की सिफारिश के श्रनुसार केन्द्रीय मत्स्यकी तटवर्ती इंजिनियरी संस्थान में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर प्रशासन श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

ना० प्र० भक्ता निदेशक

परमाणु उर्जा विभाग

ऋय भ्रौर भंडार निदेशालय

वम्बई,-400085, दिनांक 6 मार्च 1987

सं कभिन/41/2/85-प्रणा०/9932--परमाणु ऊर्जा विभाग, कय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी, श्री श्रीकांत भिकाजी सांवत को इसी निदेशालय में दिनांक 27-01-1987 (पूर्वाह्म) से 27-2-1987 (प्रपराह्म) तक 2000-60-2300-द०रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ माधार पर स्थानापम रूप से नियुक्त किया है। यह

निशुवित श्री एम० राज्, सहायक मंडार श्रधिकारी के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त श्रविध के लिए छुट्टी प्रदान की है। बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1987

मं० ए-32013/6/86-स्था-[--राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के सर्वश्री एफ मी शर्मी श्रीर बी० के० जोशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारियों को, जो इस समय 1500-1800 रुपए के वेतनमान में उपनिदेशक (श्रनुसंधान श्रीर विकास) के पब पर कार्य कर रहे हैं, विनांक 30-1-1987 (ग्रपराह्म) से श्रगले श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

पी० एस० राधाकृष्ण उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, विनांक 12 जनवरी 1987

सं ए-19011/37/86-ई एच (ए)--राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत श्री जे० एस तुली, निदेशक प्रशासन (केन्द्रीय सचिवालय सेवा प्रवरण ग्रेड के श्रधिकारी) सेवा-निवृत की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-12-1986 से इस कार्यालय से सेवा-निवृत हो गए हैं।

एम० भट्टाचार्जी उप निदेशक प्रशासन

समाहतलिय केन्द्रीय उत्पाद मुल्क मध्य प्रदेश

इन्दौर, दिनांक 11 मार्च 1987

सं० 3/87—मध्यप्रदेश समाहतिलय इन्दौर के निम्निलिखित प्राधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' निवर्तन की भ्रायु प्राप्त करने पर उनके नाम के भ्रागे दर्शाई गई तिथियों को शासकीय सेवा से सेवा-निवृत हुए।

ক্ষ০	सं०	नाम	तिथी
1.	निरंजन सि	ह	28-2-1987 (श्रपराह्न)
2.	श्रार० एस	रील'	28-2-1987 (झपराह्न)

मं 4/87—समाहतिलय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, इन्दौर के श्री के० एम० ग्रन्नाहम, ग्रिधक्षक समूह 'ख' निवर्नन को ग्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-1-87 के ग्रपराह्न में शासकीय सेवा से निवृत्त हो गए।

> एस० वी० रामाक्रुष्णन समाहती

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1987

सं० 3-768/86-मुख्य जल मू० (स्था०) --श्री जनक राम वर्मा को विनांक 15-12-1986 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल में सहायक जलभूबिज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० (समूह ख) (राजपित्रत) मूल बेतन 2000/- रुपए, परिशोधित बेतनमान रुपये 2000-60-2300-द०रो०-75-3200-100-3500/- पर ग्रस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय राज्य एकक कार्यालय रायपुर में होगा।

सं० 3-766/86—मुख्य जलभू०(स्था०)—कुमारी अनुराधा भाटिया को दिनांक 20-1-1987 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में सहायक— लभूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह (ख)— (रा पिन्नत) मूल वेसन 2000/— रुपये परिभोधित वेसन-मान रुपये 2000-60-2300— दरो -75-3200-100-3500/— पर अस्थाई तौर पर नियुक्त, किया जाता है उनका मुख्यालय उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल में होगा।

बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

निर्माण महानिवेशासय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० 32/3/85-ई० सी०-2---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, केन्द्रीय विद्युत एवं यांत्रिक इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी-क, के निम्निचित्रत ग्रीधकारी निवर्तन की ग्रायु (58)

वर्ष पूरे होने पर सरकारी सेवा से उनके सामने दी गई तारीखों से सेवा निवृत्त किए जाते हैं:			
ऋम श्रधिकारीका सं०	नाम निवृत्ति की तारीख	पदनाम एवं ग्रंतिम तैनाती का स्थान	
1 2	3	4	
सर्वश्री : 1. टी० एन० कर 2. पी० डी० चौध	(भ्रंपराह्न)	नई दिल्ली । कार्ये इंजी० (वि०)	
3. के० बालाकृष्णनन	30-11-86 (श्र्यराह्म)	कार्य इंजी० (वि०) त्रिवेन्द्रम, के० वि० मंडल, स्नि वे न्द्रम ।	
4. ए० जी० चटर्जी	30-11-86 (भ्रपराह्र)	कार्य इंजी० (वि०) कलकत्ता के० वि० मंडल-3, कलकत्ता।	

सं० 32/3/85-ई० सी०-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा के श्रेणी-क के निम्नलिखित ग्रिधिकारी निवर्तन की ग्रायु (58) वर्ष पूरे होने पर सरकारी सेवा से उनके सामने दी गई तारीखों में सेवा निवृत्त किए जाते हैं:---

कम ग्रिधिकारी सं०	_	पदनाम एवं श्रंतिम तैनाती का स्थान
1 2	3	4
सर्वश्री :		
1. के० जी० गुप्त	ा 30-9-86 (श्रपराह्म)	नि० सर्वो० (खाद्य) नई दिरुली ।
2. ए० मी० मल्हो	न्ना 31-10-86 (श्रपराह्न)	कार्य० इंजी० दि०के० परि०-1
3. एस ० एल० गुप्त	ता 31-1-87 (श्रपराङ्ग)	कार्यं० इंजी० लो० नि० वि• सं०-3 (दि०प्र०), नईदिल्ली
4. पी० एल० एन्टे	ानी 31-1-87 (श्रपरा ह्न)	भायकर भ्रधिकारी कोचीन ।
5. ए ० के० बनर्जी	28-2-87 (ग्र पराह्न)	भा यकर श्रधिकारी कलकत्ता ।

2-6 GI/87

1 1	3	4
6. डी० बर्मन		नि सर्वे० श्रासाम के० परि० गुाहाटी ।
7 बलदेव सूरी		कार्य० इंजी० (प्रशि- क्षण) नई दिल्ली ।

ऊषा निगम उप निदेशक (प्रशासन) कृते निर्माण महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी स्रधिनियम, 1956 ग्राँर मै० रसनेह इन्टरनेशनल प्राइवेट निमिटेड के विषय में

नई विल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1987

मं 0 11931/5547—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैं मर्स रसनेह् इन्टरनेणनल प्राइवेट लिमिटेड, का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

टी ती० शम्मी सहायक रजिस्ट्रार भ्राफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर मैं० भाई मैडिकल रिहैबिलिटेशन हाऊस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1987

मं० 14729/2442—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर में ० भाई में डिकल रिहै बिलिट्रेशन हाऊस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से बाट विया जाएगा और उकत कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे के जोली महायक रिजस्ट्रार ग्राफ कम्पनी देहली एवं हरियाणा कम्पनी मधिलियम 1956, श्रौर मैसर्स श्रपना सेवियस लोन कारपेरियन प्राईवेट लिमिटेड लिविवर्डेशन के विषय में कोचिन, दिनांक 6 मार्च, 1987

सं० लिक/560(4)/334/87—अपना सेविंगम लोन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (विविवडेशन में) जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय कुन्नमकुलम है का समापन किया जा रहा है। शौर यत: श्रधोहस्ताक्षरी यह विश्वाम करने का युक्ति युक्त हे तुक रहता है कि शौर यह की स्टेटमेन्ट्स श्राफ एका उन्द्स समापक द्वारा विये जाने के लिए श्रपेक्षित है जो कमवर्ती मास के लिए नहीं दी गई है। श्रत: श्रब कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा (4) उपधारा के श्रनुसरण में एतंद्र द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रपना सेविंग्स लोन में कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (लिक्विडेशन में) का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिश्यत नहीं किया जाता है तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

वि० ए० विजयन मेनन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

प्रकृष बाड् . टी. एस. एस.

नाधकर वीधीनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन स्वसः

भारत संस्कार

कार्यास्य, सहायक नायक र अध्यक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 2 मार्च1987

निदेश सं प्राई० ए० सी०/ए सी क्यू/3/17/86-87-मुझे ए० के० जैन

न्युत ए० नार अस नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार निस् 1,00,000/- रा. से निधक हैं

स्रौर जिसकी सं० उत्तरी भाग फील्ड नं० 227/1 डिमांड नं 18/8 डिटी नं 8 हैं तथा जो मिबिल लाईन नागपुर में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)सक्षम प्राधिकारी नि० स० श्रा० ग्रायुक्त के कार्यालय नागपुर डाक्यूमेंट सं० 43/25 86-87 श्रायकर श्रिधिनियम 269 ए बी तारीख 28-7-1986

को पूर्वोवल सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रिपिए के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्वोंकल सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) मन्तरण ये हुई किसी याय की वावतः, उक्त विविध्य के स्थीन कर धने के बंदारक के वावित्य में कमी करने वा उच्च वेशने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन यो अन्य अस्तियों को, धिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धव-कर विधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वे सिय;

जितः जम, स्वतः जिभिनियम की भारा 269-ए के अमृतरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) (1) श्रीमती बिमलावती जी खन्ना
 - (2) डा० सुरेन्द्र खन्ना
 - (3) श्री ग्रहण कुमार खन्ना
 - (4) स्वर्गीय परवेश कुमार खन्ना द्वारा श्रीमती विमला वती जी० खन्ना सभी सिविल लाईन्स, नागपुर के निवासी

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती शकुंतला जी० पेंढारकर
 - (2) श्रीमती सुभदा वाय० पेंढारकर
 - (3) श्रीमती उमा जंयती पेंढारकर
 - (4) मुनालीनी एस० पेंढारकर
 - (5) चारुणीला ए पेंडारकर सभी निवासी प्लाट नं० सी-20, एम० प्राय० डी० एरिया डोंबी वाली मबई (थाना जिल्हा) ग्रभी निवासी प्लाट नं० 78, फार्मलड, रामदासमेठ, नागपुर∫

(भ्रन्तरिती)

को वह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्बीत के अर्थन के लिथ कार्यशाहियां सूक करता हूं।

उक्क सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध है कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वतः के राजपत्र में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की जनभि, जो शी जनभि काम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुनाका;
- (क) इस सुचना के राजवन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्यूप किसी न्युनियं ब्वारा. अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयानत शब्दों और पवीं का, जो उक्त विधिनियम के विध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा की जन कथाय वी विका गया है।

अन्स्ची

उत्तरी भाग मालिक मकबूजा फिल्ड नं० 227/1 डिमांड नं० 18/8 स्थित डिविजन नं० 8 में सी० एस० एस० एरिया नागपुर सुधार प्रत्यास, नागपुर महालनगर पालिका मौजा सिताबार्धी जो 36000 वर्ग फीट है। ए० के० जैन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

नारीख: 2-3-1987

इष्प नार्ं ⊵ टॉ ्र एम ्र एक्. अ ॰

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्वना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जायकर काब्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 28 जनवरी, 1987 न्नार**े ये० सी० नं० 19/86-87--न्नतः मुझे** टी० गोरखनाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- स्त. से अधिक ह

ग्रीर जिसकी सं० भूमि हैजो ब्रेंलपुरम ग्रादोनी में स्थित है (ग्रॅं)र इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रादोनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1808 (1908 का 16) के मधीन तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त तंपीत का उचित बाजार मृल्य, उसके इच्यमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट्र प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिली (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निष्निलिबित उद्वेषस्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की शावत, उपक मिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (**च) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों** का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तरिती इवाया प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिनाने हैं सुविधा से लिए;

अतः नव, उनतः अभिनियम की भारत 269-ग के मनुसरभ में, में, उन्त लिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

> (1) मेसर्स ब्रादोनी टीन इन्डस्ट्रीज, बाई मनेष्ट्रांग पार्टनर, टी० जी० सूर्यनारायण पिता टी० जी० प्रल्हाद सेटटी, एम० नं० 19/419, मुनिमीपल मेनरोड, श्रादोनी, जिल्ला करनाल

(2) मैंसर्स टी० जी० एल० वबीक फूडस लि० रीप्रें जेटेंड बाई दी मेर्नेजिंग डायरेंक्टर श्री टी० लक्ष्मीनाथन पिता टी० जी० वंसत गुप्ता डी० 19/439/1, विन्टवेरिया पेट, श्रावोनी, जिला करनाल

(अन्तरिती)

(3) मैसर्से ग्रादानी टीन इन्डस्ट्रीज, रिप्रेजेटिड बाई दी मेनेजिंग पार्टनर श्री टी जी० सूर्यनारायण पिता श्री टी० जी० प्रल्हाद सेटटी केयर श्राफ एम० नं० 19/419, मुनिसपल मेन रोड, म्रादोनी जिला करनाल

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पती है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित्त के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपल सम्मत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🖫 —

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी तामील से 30 दिन्की अवधि, जो भी ू अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जासकोंगे।

स्पट्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त मीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया 🐉 🗀

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 2.01 एकड याने 0.8134 हेक्टरर्स (9755, 34 ची० गज याने 8160 ची० मी०) 5.65 एकड ग्रीर 2.29 हेक्टर में से सर्वे नं० 139, वेंगलापुरम तालुक 1 म्रादोनी जिला करनाल उपरांज लिखित भूमि पर चार मीटी के घर बनाया गया है उनका वर्णन निम्नलिखित है :---

- 1 भूमि विस्तीर्ण 2.01 एकड़ सर्वे नं० 139, वेंगलापूरम, तालुका म्राटोनी जिला करनाल
- 2. एक मीटी का घर विस्तीर्ण 240.73 चौ० फुट
- 3 एक मीटी का घर विस्तीर्ण 301.56 चौ० फुट
- 4 एक मीटी का धर विस्तीर्ण 269.31 चौ०
- 5. एक मीटी का घर विस्तीर्ण 387 उपरांत सभी घर सर्वे नं० 139, ग्रीर डोर मेन गेट पर सूचित है वार्ड नं० 19, डोर नं० 63, भीर वर्तमान वार्ड 61 भीर डोर नं० 59, रजीस्ट्रीकृत विलेख नं 2071/86, रजीस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी भ्रादोनी

टी० गोरखनाथ सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-1-1987

मोहर:

(अन्तरक)

वर्षण चार्च . टी . हेथ . हिंड . -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च, 1987

निदेश सं० 20/86-87--धतः मझे टी० गोरखनायन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पर्पात् 'उक्त विभिनियम' कहा नवा 🜓 , की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित वाकार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं भ्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो डी० नं० 750, विणा-खापटनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपान्य मनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय विणाखापटटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रक्रिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 1 जुलाई 1986 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एेसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलं, निम्नेलिकित उद्देवदेयं से उक्ते अन्तरणं लिकित में रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिमीने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बी, बी उपत अधिनियमं की धारा 269-म की उपधास (1) के अधीन, निकासिचित स्थितस्यों, अधीत :— (1) श्रीमती एम० कमलाकुमारी पति श्री एम० विष्णु मुर्ती डी० नं० 16-1-12, माहारानीपेटा विष्णखापटनम 530002

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स अमर कन्स्ट्रकश्चन बाई मनेजिंग पार्टनर श्री जें० एल० तातीया पिता लेट मुरलीधर डीं० नं० 18-1-65/8 कें० जीं० यय० डाउन रोड महारानीपेय, विशाखापटनम-530002

(भ्रन्तरिती)

(3) मेसर्स ध्रमर कन्स्ट्रकथन ए रीयल इस्टेट खीलिंग इन नेसीडिसीयल फ्लेट्स विशाखापटटनम बाह श्री ग्रमर सिंह श्रीर अन्य 9

(वह न्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

को नह बुचना चारी करने पूना कर सम्मास्त के नर्चन के सिए कार्च-नाहियां शुरू करता हैं।

उक्त संपर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के शक्ष निवित में किए या सकने।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्यों मौर पर्यों का, जो उक्त मायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वा उस मध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

खुजनी मीन, विस्तिर्व 1306.66 चौ० गज म्लाक नं० 39, टी एस० नं० 1009, पाछ्रगापुरम, लेम्राउट ष्ठी० नं० 7-5-6 वाल्टीयर वार्ड रामा कृष्णा बिच रोड, विभाषापटनम, रजीस्ट्रीकृत विलेखश नं० 5795/86 रजीस्ट्री-कर्ती प्रिधिकारी विशाखापटनम

> टी० गोरखनाथन सक्षम प्राधिकारी स**हामक भ्रायक**र <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 10-3-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुभियाना विनांक 19 फरवरी, 1987

निवेश सं० चंडी/21/86-87--श्रतः मुझे, एम० एन० ए० जीधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान नं 307, सेक्टर 35 ए हैं तथा जो खंडीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण भ्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख भगस्त, 86

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल धा पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भाररतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्री बी० के० कोशल सुपूत श्री एन० ग्रार० कौशल तथा श्रीमती राज कौशल पत्नी श्री बी० के० कौशल निवासी मकान न० 340, सेक्टर 35ए चंडीगढ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरि सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह निवासी मकान नं० 3133, सेक्टर 21 डी० चंडीगढ। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं -अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

मकान नं 307. सेक्टर 35 ए चंडीगढ (ग्रथित वह जायदाद ओ कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चंडीगढ़ के विलेख सं 712 माह श्रगस्त 1986 के तहत दर्ज है)

एम० एन० ए० चौधरी सक्षम प्राधिकारी सहायक **भ्राय**कर **मायु**क्त (निरीक्षण) **मर्जन रेंज**, लुभ्रियाना

तारीख: 19-2-1987

प्रकथ बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुल्लम कोच्चिन-16 दिनाँक 24-सितम्बर, 1987

निदेश सं० एल० सी० 804 एच/86-87--- प्रतः मझे एच० वी० उपाध्याय

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/-रु. से निधक है

श्रौर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है जो इडपालली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इडपाली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 5-7-1986

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री श्रानसीस मानजूरान ग्रौर पत्नी, श्रीमती ग्रालीस मुक्तीयार श्री जोरज पुलिकक्ल, 12/1398, पनमापडली, कोचीन-5

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ पीहर जोन और पन्नी आन्नी जोन, पो बा॰ 2267, आराम को सीटि अरेबिया (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितडदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

इडपल्ली उपरिजस्ट्री कार्यालय के तारीख 5-7-86 के दस्तावेज सं० 2482/86 के प्रनुसार इडपल्ली विलेज में 33.188 सेन्ट भूमि ग्रीर एक मकान

एच० वी० उपाध्याय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 24-9-1887

प्रकार कार्यों है की है देश है वह जा सम्मान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के नभीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जावकर जावुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

को चिनन-16 दिनांक 24 सितम्तर,1986

निदेश सं० एल मी०805/86-87—-श्रतः मु**झ**े एच० बी० उपाध्याय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपक्ति जिसका उचित बाजार मृख्य

1,00,000/- स. से अधिक ह⁴

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो रोरन्नलें में स्थित है (भौर इससे जपाबद अनुसूची में और पूर्ण स्प से विणित है)रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-7-1986

की पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाधार बूल्य से कम के अवंदान अविकास के सिए अन्तरित की गई है और सुके वह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उनके अवमान प्रतिफल से एसे अवमान प्रतिकास का पन्यह प्रतिशत से अधिक हो और यह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए वस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कलारण ते हुई किसी बाव की बावर, अवस्य विभिनियम के अभीन कर देने के अलारक के वायित्व में कमी करने या उतसे वचने में सुविधा वी लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्यं आस्तियों को जिन्हों भारतीय वावकार अभिनित्रमा, 1922 (1922 का 11) वा उ में अभिनियम, वा भव-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा वे विकर:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) श्री भजय कुमार मोरारक्का, 28/333 पनमपर्लिल नगर, कोचीन-16
- (2) श्री पी के० जोसेफ माना कोकनट कोमफक्स पड़ार केंकगाव, मुहन्मा, मालव्यी

(ब्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्व असः सम्परित के वर्षत छै। तिग्र कार्यवादियां करता हूं।

ह कर हजारिए के कर्मन के इंक्स को कोई भी भाषांत ह—

- (क) इक्षं जूपना के राज्यम में प्रकासन की तारींच ते 45 विन की जनभि या तत्स्यक्ष्मी व्यवस्थारे कर स्वात की सामीर ते 30 विन को अवधि, यो भी नवीं वाद र समान्त होती हो, से भीतर पूर्वीवय व्यविद्यों में से किसी स्थापन द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाबन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितककृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्साक्षरी के पास सिकित में किए का सकींगे।

स्वष्टिकरण:--इसमें प्रयूक्त शंक्यों और पर्वो का, जी उमत विभिनियम, के कथ्याक 20-क में परिभातित ही, वहीं वर्ष होगा, जो कम कथ्याव में विका गया है।

अस संची

श्रालम्पी उपरिजस्ट्री के तारीख 2-7-1986 के दस्तावे सं 4146/86 के श्रनुसार शेरत्तालै विले में 2.3 एकड भूमि।

एच० वी० उपाड्याय सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 24-9-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 फरवरी 1987

निदेश सं ए सी /रेंज-1/कल/1987—ग्रतः मुझे, ग्राई० के० गायेन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 16/1 है तथा जो इ० य० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908(1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 2-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—च 3—6GI/87 (1) दिलरंजन जोस, चितरंजन जोस मनोरंजन जोस एवं श्रीमती कल्यानी देवी जोस ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स डी एन्ड डी कोग्रापरेटिव हाऊर्सिग सोसायटी लिमिटेड

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

16/2, ड० यू० एन० ब्रहमचारी स्ट्रीट कलकत्ता में अव्यवस्थित एक विद्या चार काठा दो छिटांक जमीन तथा मकान जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-9, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सी० ए० 28 के अनुसार 2-7-86 में रिजस्ट्री हुआ। आई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 19-2-1987

प्ररूप आर्डं टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश सं० ए० सी०77/फ्रार-11/सी ए एल/86-87-भ्रतः मुझे, भ्राई० के० गायेन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इ.स.के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरूय 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स॰ 5 है तथा जो पेन रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इसते उपाबद्ध मनुभूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी,

कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-7-86

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिकत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आर्थया किसी धनया अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मेसर्स जर्डीन हेन्डरसन लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) मेससं नन्दनन इस्टेट प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

4, पेन रोड, कलकत्ता पर 12420 雪。 呀。 में स्थित है।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी महायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्नर्जन रेंज---II, कलकता

कतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 न के अनुसरण

तारीख: 27-2-87 मोहर:

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत 'सरकार

कार्गलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश सं० ए सी० 78/म्रार-॥/सी ए एल/86-87-भ्रतः मुझे, म्राई० के० गायेन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 32, ए है तथा जो न्यू श्रालिपुर कलकत्ता में स्थित है) श्रौर इससे उजाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी 37 EE/94/R-II/CAL/86-87 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) आर बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्च किसी आय की बाबत, उवंद अधिनियम के अधीन कर बंने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के रिच्छ; यरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आहिस्ट्रंगें का, जिन्हें भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्निप्प के लिए;

अतः मध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) ब्रिटीम एयरवेज लि॰।

(ग्रन्तरक)

(2) तेजपुर वाणिज्य लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त राम्परित के अर्जन के संबंध में करोड़ी भीआक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो और वविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर स्वित्यों में से किसी स्वनित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्यूभ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसर्के प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा को उस अध्याय में दिया एया है।

मन्त्रची

श्रविभक्त 1/4 श्रंग जमीन एंव मकान परिमापित 1 विभक्त 5 कः० 6 छः० 32 वर्गफुट→-32 ए० न्यू ग्रिलिपुर कलकता पर स्थित है।

> - ग्राई० के० गायेन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—II, कलकक्ता

तारीख: 27-2-87

प्रकल्प जार्च हो हो हो एत . प्रस्तानन----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जंन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश सं० ए सी $79/श्रार^{II}/सी ए एल/<math>86-87-$ भतः मुझे, भाई० के० गायेन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिता वाजार मृल्य 1,00,000/- रा ये अधिक है

मौर जिसकी सं० 8, है तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्य प्रनुसूची में भीर पूण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्रधिकारी कलकत्ता 37 EE/84/86/87 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके खरयमान प्रतिफल से एसे खरयमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकात से अभिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जितकल निम्नीलिका उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय जानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

वर्ग अव, उक्त विधिनियंत्र की भारा 269-व की अनुसरक भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अत: अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण (1) रेनोक्स कर्माशयल लि०।

(ग्रन्तर्भ)

(2) सुरेन्द्र नाथ सेन ।

(भ्रन्तरिती)

कोर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध याद में समाध्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

8, राजा सन्तोष रोड कलकत्ता पर 2264 व० फु० म[°]स्थित है।

> भाई० के गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज –1¹, कलकत्ता

तारी**ख**: 27—2—1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के संधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आधुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/41208/86-87--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-राभये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं युनिट नं 12, मारवाह हं डिस्ट्रियल हा उस मारवाह इस्टेट, माकी विहार रोज, वम्बई 72 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबज्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 1-7-86 को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उचत अन्तरण लिखित वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नानत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्सियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सुशील कृष्णलाल मारवाह।

(भ्रन्तरक)

(2) युनिवर्सल लगेज मैन्युफेक्चरिंग कम्पनी प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुज्यो

युनिट नं० 12, मारवाह इंडस्ट्रियल हाउस, मारवाह इस्टेट, साकी विहार रोड, बम्बई-72 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/41208/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारी**ख**: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई अम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेण सं० श्चई-3/37ईई/40620/86-87---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/-रा. से बिधक है

ग्रीर जिसकी सं जिसका जिसका सर्वे नं 95, एच ० एन ० २ (ग्रंग) वार्ड नं ० पी-2067 में 2069 गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-7-1986

को पूर्वीकत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्थों) और अन्तरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिबिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के तिए;
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की भारा 2.69-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 2.69-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——.

- (1) श्रीमती शकुन्तला जी० प्रभुवेसाई ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स एस० के० बिल्डर्स। (श्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 95, एच० नं० 2(भ्रंग), वार्ड नं० पी-2067 में 2069, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क्र० सं० श्रई-3/37ईई/40620/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

्र० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

काबलिय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्राजेन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निवेश सं० म्राई-3/37 ईई/40747/86-87--मतः मुझे, ए० प्रसाद,

धामकर कां भीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सी० टी० एस० नं० 396, 396/1 से 396/59 और सर्वे नं० 194(अंग) एच नं० 31, 31-ए, 31 बी, 31ए सी और 31 एडी, भांडूप, बम्बई में स्थित है (और इससे उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1987

को प्वेंक्ति सम्पिति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और मृझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रश्तिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बरि/मा
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री मनमोहन नरेन्द्र सिंह वालिया।

(म्रन्तरक)

(2) मैसर्स श्री जलाराम कन्स्ट्रक्शन कम्पनी । (धन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्लया है।

अनुसूची

जमीन जिसका हिस्सा सी० टी० एस० नं० 396, 395A/1 से 396/59 श्रीए सर्वे नं० 194 (अंग) एच० नं० 31, 31-ए, 31-बी, 31-एसी० और 31 एडी भांडूप, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-3/37 ईई/40747/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1987 निदेश सं० ग्रई-3/37ईई/40175/86-87--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कार्यालय नं 1, पह्ली मंजिल, वसंत विहार कर्माश्यल सेन्टर, वसंत टाकीज के पास, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर विने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अथित्:—

(1) वंसत विकास डेव्हलपर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) एल सी० बखर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

कार्यालय नं० 1, पहली मंजिल, वंसत विहार कर्माशयल सेन्टर, बसंत टाकीज के पास, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/40175/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, सम्बद्ध

विनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० घई-3/37ईई/40907/86-87---भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसकी प्रचाल 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अभीन सक्षक प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार स्ल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 518, पांचवीं मंजिल स्वास्तिक चेंबर्स, स्वस्तिक कमल कंपांउड, जम्बो ग्राईम फ्रीम के पास, मीं एस टी रोड और सायन ट्राम्बे रोड का जंक्शन, चेंब्र्र, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इससे उपाबद ग्रामुची में और पूर्ण रुप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख, के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्र्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ला उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भवः भवः, उक्त अभिनिषमं की भारा 269-ग के अनुसरभ में, में: उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 4—6GI/87 (1) मेसर्स लून्कर बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुसुमबेन ए० बडोदिरिया।

(ग्रन्ति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्णम् के संबंध में कोई भी माक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-ताक्षण के पास लिबिस में किए का सकेंगे।

स्वाचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उपन्त विभिन्नियम के अध्यास 20-क में परिकालक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में पिर्वा गया है।

अनुसूची

कार्यासय नं० 518, पांचवीं मंजिल, स्वास्तिक चेंबर्स, स्वस्तिक मिल कंगांडड, जंबो आईसक्रीम के पाम सी एस टी रोड और सायन ट्राम्बे रोड का जंक्शन, चेंब चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/40907/ 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर मागुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० म्रई-3/37ईई/41063/86-87---- प्रतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० टेनामेंट नं० ए-24/93, तलमाला, रजवाडी को-ध्रॉप० सोसायटी, विद्या विहार (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)और जिसका करारनामा भ्रायकर भ्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख, के भ्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है सारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के अभित बाबार मूल्य से कम के ददमंत्रान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूच्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे दृष्टयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से जीभक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निक्न-सिवित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक क्य के कथित नहीं किया गया है :——

- (का) अक्तरण से हुई किसी औय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निक्निलिखित अधिनयों, अर्थात्:-- (1) श्रीमती मागरिट मालिस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कल्पना रमेश दामानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या ग्येया है।

अन्सूची

टेनामेंट नं॰ ए-24/93, तल, माला, रजवाड़ी को-ध्राप सोसायटी, विद्याविहार(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/41063/86-87 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज∼3, बम्बई

विनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 33/2, सी टी एस गं० 65, 66, 67, 71, 82, 84, सर्वे नं० 35, सी टी एस नं० 86, मुलूंड बम्बई में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269,क ख, के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्लिपाने में सविधा के लिए।

अतः अवः, जक्त अधिनियमं की धारा 269-मं को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री दामोदर उर्फ छी० वी० पाटील। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स साक्षत डेव्हलोपर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में करेड़ी भीआक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस्
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पवों का, जी उक्त अधिनियंस के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीम का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 33/2, सी टी एस नं० 65, 66, 67, 71, 82, 84 श्रीर सर्वे नं० 35, सी टी एस नं० 86, जो पिट्हिय् हिंलेज, मुलुंड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० शर्ह-3/37ईई/41203/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बस्बई

दिनोक: 10-2-1987

भोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्राई-3/37ईई/41204/86-87--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 33/2, सी टी एस नं० 65, 66, 67, 71, 83, 84, सर्वे तं० 26/3(श्रंध) 26/6(श्रंध),सी टी एस नं० 135 मुलूंड, बम्बई में स्थित है(श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है)श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिषम्ट्री है। तारीख 1-7-1986

का प्यांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उध्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पें, मेंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिसिस न्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री ग्रार० एस० पाटील ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स साकेत डेव्हलोपर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोक्स से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिए हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 33/2, सी टी एस नं० 65, 66, 67, 71, 83, 84, सर्वे नं० 26/3 (ग्रंग), 26/6(ग्रंग), सी टी एम नं० 135, रेब्ह्न्यू विलेख, मुलूंड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/41204/ 86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1986 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—III, बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

प्ररूप आई.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

्रबम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं० ऋई-3/37ईई/41205/86-87--- ऋतः

मुझे, ए० प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 33/2 सी टी एस नं० 65, 66, 67, 71, 83 श्रीर 84 सर्वे नं० 34/5, 34/9, 34/12, सी टी एस नं० 72, 81, सर्वे नं० 37, सी टी एस नं० 87, मुलूंड बम्बई में स्थित है(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख, के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 1-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्श्यमान प्रतिफल से एसे द्श्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं निकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भरत ग्रार० पाटील ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स सकेत डेव्हलोपर्स । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 33/2, सी टी एस नं० 65, 66, 67, 71, 83, 84, सर्वे नं० 34/5 34/9, 34/12, 72, 81 ग्रीर सर्वे नं० 37 सी टी एस नं० 87, जो रेव्हन्य मुलुंड बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37ईई/41205/86-87 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज–III, बम्बई

दिनांक: 10-2-1987

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस .-----

शायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-न (1) के नभीन सुचना

मारत एरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1987

निदेश सं० 1/जुलाई/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,
आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का
गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० एस सं० 99/79 ग्रीर 230 करेंपूद्र है

जों कोयम्बट्टर में स्थित है (ग्रीर इसके ग्रनुबन्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,)रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय तिरुपुर (दस सं०812/86) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति को जियत बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए वय बाया गया प्रतिफल, निम्निसिख उद्योख्य से उच्च अन्तर्थ लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनिव्य से वधीन कड़ देने के अन्तरक के वासित्य से कभी करने या उससे क्चने से सविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, बिन्हें भारतीय बाब-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

मतः वयः, उयत विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री जी० ग्रार० सामुवेल ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० वी० गोविन्दराज। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप !!-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, वो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबइध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि-एस० एफ० सं० 99, 79 ग्रीर 230 करैपुदूर गांव, पल्लाडम तालूक (तिरुष्पुर डाकूमेंट सं० 1530/86)

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख: 27-2-1987

प्रस्त बार्ड ्टी एन एव .-----

बायकर बिधिनियम, 1(161 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास $-I_{I}$, दिनांक 27 फरवरी 1987

निदेश सं० 2/जुलाई/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० ग्रोल्ड सं० 25/614 नियु सं० 25/100 है, जो सुक्रवारपेट स्ट्रीट कोयम्बट्र में स्थित है(ग्रौर इससे ग्रनुबन्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बट्र में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908(1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा है लिए; डॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जी० थंगवेल।

(ग्रन्तरक)

(2)श्रीमती ग्रार० गीता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बनस सी

भूमि ग्रौर मकान——िनयु० सं० 25/110 ग्रौर 111 सुक्रवारपेट स्ट्रीट, कोयम्बटूर (कोयम्बटूर—दस सं० 3564/86)

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I1, मद्वास मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1987

ियेण सं० 3/जुलै/86—श्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि श्रार० एस० 256, 257, 270 है तथा जो कलैकानाईकनपालैयम, कोयम्बट्र में स्थित है (श्रौर इससे श्रनुबन्ध में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र दम सं० 3568/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1986 को पूर्वीकर सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृल्यू से कम के ट्रयमान

का प्वाक्त सम्पास के उप्ति बाजार मूल्य से क्षेम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० ए० राधवन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० कर्निवेल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकीगे।

स्पष्टिकरण :--ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

कृषि भूमि---कलैकोनाईकनपालैयम, कोयम्बट्टर (कोयम्बट्टर--दम मं० 3568/86)।

> ए० आर० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

नारीखा: 27-2-1987

मोहरः

प्रक्य बाइ', टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन स्थान

बार्व वरकार

कार्यावय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1987 निदेश सं० 6/जुलै/86—ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेडडी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 17, बिश्वप वालर्स श्रवेन्यू वेस्ट, मैलापुर है जो मद्रास-4 में स्थित है (श्रौर इससे श्रनुबन्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुर दस सं० 1089/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम से हुई किसी जान की बाबस, उक्क अधिनियम के बचीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, खिन्ह भारतीय आकतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एस० गणेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किस्ट्यन मेडिकल कालेज बेल्लूर एसोसेशियन-(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताअरी के वास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त बच्दों और पद्धों का, जो उक्त विभिन्नियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित गया है।

धनुसूची

भूमि ग्रौर मकान—सं० 17, विशप वालर्स एवेन्यू वेस्ट, मैलापुर मद्रास-4(मैलापुर—दस सं० 1089/86)

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तौरीख: 27-2-1987

प्ररूप आर<u>्ष.</u> टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मधास

मद्रास, वितांक 27 फरवरी 1987 तिवेश सं० 8/जुलैं/86—ज्ञतः सुझे ए० ग्रार० रेड्डी जायकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/⊢रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1, लाटरीस क्रिक्रजी रोड, मद्रास-20 है तथा जो मद्ररस में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रिडेयार-दस सं० 2110/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 1986

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह चिद्रधास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बंधित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/सा
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्तत अधिनियम क्री धारा 269-म की अधिभारा (1) को अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री प्रिन्सस तिरवातिरा तिरुनल लक्ष्मी बाई लेटिस बिज रोड, ग्रडयाट् मद्रास-20।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती देगा पुष्पा वेनम्मा ग्रीर श्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनां की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत विस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विज्ञ के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचर

भृमि श्रौर मकान—सं० 1, लाटरीस विडजी रोड, मक्रास—20, श्रडैयार (दस सं० 2110/86)

ए० ग्रार० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II मद्रास

तारीख: 27-2-1987

प्रारूप आर्द्द. टी. एन. एस.—---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी, 1987 निदेश सं० 9/जुलाई/86—अतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रह से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ए० सं० 128/3(8) ग्रौर 129/2, कर्पकम गांव है, तथा जो मद्रास-96 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रुउँयार दस सं० 2120/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमान श्रीतफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह श्रीतकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबसे अभिनियम के अभीन कर दोने के वितरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जोर्/मा
- (क्य) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया बा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

(1) भईयाप्पन पालि इन्डस्ट्रीज ।

(प्रस्तरक)

(2) डालमिन लमिनेर्टस लि॰।

(भ्रन्तरिती)

से यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षोप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के अतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिसरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

भूमि श्रौर मकान—एस० मं० 128/3(8) श्रौर 129/2, कारापाक्कम गांव (श्रुडेयार—दस सं० 2120/86)

ए० द्यार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर आयुक्ट (निरीक्षण) स्रर्जन रेंद्र-II, मद्रास-17

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-2-1987

प्रकृष् वार्षः टी । एन् ः प्रश्व , कार्यक्षका

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें वारा 269-व (1) वे वचीव व्यवा

भीरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश संव 11/जुलाई/86—स्त्रतः मुझे, एव स्नारं रेड्डी, बायकंट विधिन्सम, 1961 (1961 का 43) (विदे इसमें इसके परचात् 'उन्क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज 151/18, माउण्ट राष्ट्र, मदास-2 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसने उनाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्राम सेन्ट्रल दस संज 872/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त तभ्यत्ति के उचित वाजार मृत्य से कन के कायवान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का अभात बाजार मुन्न, असक इश्यमान प्रतिफल है, एंड क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रावसात स अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकों के दायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/सा
- (श) एंसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वा-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाय अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया प्राना शाहिए वा क्याने में सुविधा की निष्

जतः अज्ञ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) जेमिनी पिक्चर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० चि० एम० जमालदीन भ्रौर भ्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ स्चना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी बविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन ब्रिंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकृति।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्धों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

धनुस्ची

भूमि ग्रीर मकान--स० 151/18, भाउण्ट रोड, मद्रास-2 (मद्रास सेन्ट्रल दस सं० 872/86)

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, मद्रास-17

तारीख : 2*7*-2-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस....

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भोरा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-∏, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1987

निदेश सं० 12/जुलाई/86--श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० ए, 4थी मंजिल, श्रण्णा सालै, मब्रास-2 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के, कार्यलय, थाउसन्डलईस दस सं० 312/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ,श्रधीम तारीखन्जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गृल्य से कम केर स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उन्तर विधिनियम के बंभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/का
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था 'छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) ग्रालफड स्वामिनादन ग्रौर मुकुमार स्वामिनादन । (ग्रन्तरक)
- (2) द हिन्दुस्तान टाईम्स लि०। (श्रन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्व किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्तः भूरी के पास सिवित के किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान--प्लाट सं० ए 4थी मंजिल, पलोर, डी० सं० 705, श्रण्णा सालै, मद्रास-2

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-॥, मद्रास-17

नारीख: **27**-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ष (1) के अधीन स्**षना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1987

निदेण सं० 3/जुलाई/86—अतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफ़ें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्लि जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं उ डोर सं । 160, तम्बू चट्टी स्ट्रीट, जार्ज टाउन
मद्रास-1 में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास
नार्थ (दम सं ० 3267/86) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-7-86
को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्रयमान प्रतिफल सो, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिल्य मों कमी करने या उससे सचने मों सुविधा के लिए, और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियां, अर्थान्

- (1) श्रीमती जि० कॉमल्या ग्रम्माल ग्रौर ग्रन्थ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ ई॰ एच॰ हुमेन श्रीर ग्रन्य । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्णन के हिंसा कार्यनाहियां करता हुं।

सक्त सम्परित के वर्षन के सम्पन्ध में कोई भी सार्क्षण 🗆 🗝

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान--डोर सं० 160, तम्बू चेट्टी स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1 (दम मं० 2367/86)

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-II, मदास-17

नारीख: 2-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II भद्रास मद्रास, दिनांक 2 मार्च, 1987

निदेश सं० 4/जलाई/86--श्रतः मुझे, ए० श्रार० रेड्डी,

आवकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे देख्ये दुस्के प्रवाद 'जन्द अभिनिष्म' कहा गवा ही, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबाद मूस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं०, 7, बलया गार्डन लेन, मद्रास-3 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सौकार-पेट, (दस सं० 530/86) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 21-7-86

को वृजोंकत तम्मित के शिक्त वाजार मृष्य से कम् के अवनाम् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्गोंकत सम्मित का श्राचित वाजार मृष्य, असके व्यसमान प्रतिफल से, एसे अवमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाना गना प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबस, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कः अधिनियम, या धन-कः अधिनियम, या धन-कः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के स्विधा के

(1) हिम्मात्माल मार्डिया श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तेजराज गौतम चन्द भुराना ट्रस्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिय से 45 दिन की जनिथ या तत्स्विंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिथ, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 शित के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितवव्य कि सी बन्ध स्थावित इसारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकेंगे।

म्पेक्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा पदा हैं।

अन्सूची

भूमि भ्रौर मकान—इोर सं० 7, बलया गार्डन लेन, मद्रास-3 (दस सं० 530/86)

ए० श्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज-11, मद्रास-17

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ण की उपधारा (1)** को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीर: 2-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, बंगलौर

धंगलौर दिनांक 2 मार्च, 1987

निदेश सं० 1704/86-87—अत: मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 376/1 से 404, 472, और 32, 35, 37, 39/2, 40, 42, उडेवर और केसगुडि विलेज, सकलेशपुर तालुक में स्थित है (और इससे उपाबब भ्रमुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सकलेशपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7-7-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्सियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० एन० एस० पालमैयप्प, ग्रलियास एस० पालमैयप्प उद्देवर एस्टेट, मकलेशपुर तालुक, हासनी जिला ।

(श्रन्त रक 🗦

(2) श्रीमित क्यानिष्ठिडा एम० एन० रेबेल्लो मायला श्री ए० जे० बी० रेबेल्लो को पित्न फालिमिक्स, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अमुसुची

(यस्तातेज सं० 384/86-87, तारीख 7-7-86)। सब सम्पत्ति जिसकी सर्वे नं० 376/1 से 404 और 442 उडेवर बिलेज में और नं० 32, 35, 37, 39/2,/40,/42, केसगुडि बिलेज सकलेशपूर तालुक डासन जिला में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ,निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख: 2-3-1987

मोष्ठर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नावकर निभिनित्रम, 1961 (1961 क्या 43) की भारा 269-च (1) के श्रभीन सुभना

भारत सरकार

क्षार्शनम् , सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलूर दिनांक 20 जनवरी, 1987

निवेश सं० सी० म्रार०-62/50160/ 86-87-- म्रातः मुझे, श्रार० भारताज,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रज्ञात् 'ज्ञल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित आजार म्ह्य 1,00,000/- का पंजिति हैं

और जिसकी सं० 59 '(नया नं० 59 डी०3) यादविगरि I, मैन रोड, देवराज मौहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैसूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-7-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल की लिए बंद्वित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्विकान प्रतिफल से, एसे रूर्वमान प्रतिफल से पंद्रह प्रतिकात से जिमक है जोर अंतरक (जंतरकों) जोर अंतरिती (जंतरितयों) के बीच एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिनिधित उद्वोध्य से उक्त अंतरण जिक्कित में बास्तविक क्य से की भार नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अ/र/बा
- िए ऐसी किसी अस या किसी धन या अस्य आस्थियों को, किहाँ भारतीय आयन्त्र अधिनियम, 1922 (1922 कि 11) ए उन्ते नीपित्रम, जा नमकर अस्थिनिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजकार्य अस्थितिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजकार्य अस्थितिया, प्रयोज वहीं विभाग गया था या किया वास्य भारतीय था, विभाग में मुक्तित के दिन

ात: ाव. उक्त ाधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— 6—6GI/87 (1) श्री बी० कृष्णराज शेट्टी सुपुत्र बि० लब्सीनारायण शेट्टी, 59, नया नं० डी-3, यादविगिरि I, मैन-रोड, देवराज मोहल्ला, मैसूर ।

(भ्रन्तरक)

(2) के० राघवेन्द्र राव सुपुत्र श्री कृष्ण राव, नं० 348, पुराना बनडिकेरीभ्राईल मिल रोड, कृष्णराजा मोहल्ला, मैसूर ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करको प्याँकत सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहिनों करता हुं।

जयत संवित्त के अर्थन के सबस में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक श्राधिक श्राधिक में से दिन्दी स्थिक श्राधिक स्थानिक से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 1759 तारीख 28-7-1986) मब सम्पत्ति है जिसका सं० 59 (नया नं० 59 डी०3) यादव गिरि I, मैन रोड, देवराज मौहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-1-1987

प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 27 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० श्रार०-62/50174/ 86-87-- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' लहा गया है), की धारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य :,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 (पुगना सं० 273) राजमहल विलास, एक्सटेंशन, बंगलूर-560080 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रुजिस्ट्रीकर्प अधिकारी के कार्यालय, गांधी नगर सें रुजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-8-86

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुभी यह विष्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनारकों) और अन्त रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गण पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण जिल्वित अवस्वाविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-शिष्ठप की अधीन अन्य देने के अपनक की दाशिक में किमी करने या उससे बचने में सूरियधा की लिए; मीर, शे
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-किस अधिनियम, या धन-किस अधिनियम, १५५७ (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अंतरिक्ष द्वारा पकट नहीं किया गया का या किया भागा नाइए था, फियान भा पृक्षिण के क्या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण :, मी, उक्त पिर्धानयम को ारा ৪৫৮-ছ का उपधारा (1) - স্থীন নিমানিকভিত আফিলেট এখান্ :---- (1) 1. श्री मोहिन्द्र सिंह कोहली 2. श्री इन्द्र जीत सिंह कोहली तं 88/2, कोल्स रोड क्रास, फेज -टाउस, बंगलूर-36005, 3 निन्द्र सिंह कोहली नं 35, क्लैन रोड, क्क टाउस, बंगलूर-560005 (श्रन्त क्क)

(2) 1. श्री अशोक राय जगतानी नं ० 81, । फ्लोर, 9यां कास, राजमहल बिलास, एक्सटेंशन, बंगलूर 560080 2. राजकुमार राय जगनानी, लेकच्यू ।। फ्लोर, 86/33, राजमहल बिलास, एक्सटेंशन, बंगलौर-560080

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सभ्यत्ति के कर्चन के किए ंक्काहिस, स्थावनसा ह्या ।

दक्त मध्यक्ति को कर्ण के ध्रमण गा तेहाँ भी आधाय : --

- (क) इस भूयता के राज्यत्र मों एक कान की नारीम से 45 विक की अवधि या एक विशेषित के विकास मुख्या पर की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों मों में किसी स्थित द्यारा;
- (ज) इस स्वना है राज्यक्र माँ प्रकाशन की तारीख ये 45 हित के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति माँ हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित माँ किए जा मकोंगे।

स्पष्टिकरण - - १८ में प्रयक्त शब्दां और पदों का, जा उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होना जो उस झम्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 341 तारीख 25-8-1986) । सब सम्पत्ति है जिसका सं० 3 (पुराना नं० 273) पाजमहल विलास एक्सटेंशन, वंगलु -560080 में स्थित है ।

> ग्रार्० आरढाज सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धापुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज- बंगलौर

तारीख: 27-1-19**8**7

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगली

बंगलौं दिनांक 27 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० श्राए०-62/50215/86-87--- अतः मुझे, श्राप्त भारद्वाज,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्लि बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं० 5 और 6 (पुनाना नं० 12 और 12ए०)

मगन्त रोड, अशोक नगन, नं० 60, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाय ह अनुसूची में और पूर्णरंप से विणत है), जिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगन में जिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22-9-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान अतिकान से एसे एक्स्यमान प्रतिकान के पन्तर प्रतिकान से अधिक हैं और अन्तरण के लिए तय पाया ग्रांतकान, जिस्मा लिखन उद्युद्ध से उक्त अन्तरण नियास ग्रांतकान स्थास हो :—

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) स्वेटा एस्टेटस प्रा० लिं० 2 डायरेक्टर्स (1) सन्तोष कुमार अग्रवाल और (2) ओम प्रकाश सक्सेना, 10, सी०ए०एम०ए०सी० स्ट्रीट, कलकत्ता । (भ्रन्तिक)
- (2) 1. सैयद हुसेन 2. रौणा हुसेन 1 और 2 नं० 46, तन्दी दुर्ग रोड, जय महल एक्सटेंशन, बेंगलूर 3. सैयद एहमान म्राल (4) हैना रहमान (3) और (4) एट नं० एम०/11, 4थी मंजिल मैन, 6ठवां काम, जयमहल एक्सटेंशन, बंगलौर । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जनः के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगे।

रध्डिकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक्यम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

(दस्तावेज सं० 1666/86/87 तारीख 22-9-86)। सब सम्पत्ति है जिसका सं० 5 और 6 (पुलाना नं० 12 और 12-ए०) मगरत रोड, (ग्रणोक नगर) कारपोरेशन डिवी-जन नं० 60, बंगलौर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीमरेंज, बंगलौर

तारीख: 27-1-1987

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.~~---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (३) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आंयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 27 जनवरी 1987

निदेश सं० सी०-धार०62/50203/86-87--- श्रतः सुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4ए है तथा जो नं० 19-1, मैन रोड, जय महल एक्सटेंगन, बंगलौर में स्थित है (और इससे उपाब द अनुसूची में और पूर्णरुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-5-1986

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित्त बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से एोसे दत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोख से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के स्मिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथितु:—

(1) 1. विदयुत सिंह जी 2. डेविड सिंह जी 3. श्रषण सिंह जी 4. मीरा सिंह जी मार्फत जगत कुमारी 20, 1, मैन रोड, बंगलौर-560046 णिवम इण्डस्-ट्रीज पार्टनर श्री रमेश पटेल ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 जसवन्त मुख दुगार 2 संजय दुगार, नं० 19, राज वर्ड रोड, बंगलीर-560052 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ए) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जे उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

जन्सूची

(दस्तावेज सं० 1630/86-87 तारीख 26-5-86) मब सम्पत्ति है जिसका मं० 4ए, नं० 19, I मैंन रोड, जय-महल, एक्सटेंगन, बंगलीर-560046 में स्थित है।

> ग्रान्० भाग्द्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

तारीख : 27-1-1987

प्रकृत आहें, था, एन, एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्द्यार

कार्यालय, अहाथक बाय र कार्यक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीए, दिनांक 27 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० श्रार०-62/50165/86-87--- श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 150 है तथा जो इन्फेन्ट्री रोड, बंगलीर में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 31-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से काम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथात नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावरा, उक्ट बिधिनयश के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्थ मां कहा करने या उससे बचन यो सुविज्ञा अलिए: बोर्ड/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का १३) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अक्तिरती द्वारा प्रकट मही किया गढ़ा था या किया जाना अधिहर था खिपाने में सुविधः से सिष्धः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) एम०/एस० श्रान्को कन्स्ट्रक्शनस प्रा० लि०, नार्फत श्रानन्द लालचन्द संधवि, 16, पारेख वीरा चेम्बर्स 11, पलोर, 66, नगीन्दास मास्टर रोड, फोर्ट, मुम्बई-23 (श्रन्तरक)
- (2) 1. औरंगजेब 2. नेलूबर जैंब 3. जेनैंद जेब 4. श्रम्यरीन जेब 5. रिजया जेब 6. नाडिया जेब श्री औरंगजेब, नं2 1, क्लीवलैण्ड रेरोड, फ्रेजर टाऊन, बंगलौर-560005।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पन्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्टतावेज सं० 1093/86-87 तारीख 31-7-1986) सब सम्पत्ति है जिमका सं० 150, इन्फैन्ट्री रोड, कारपोरेशन डिवीजन नं० 72, सिविल स्टेशन, बंगलौर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रें**ज, बंगलौर

तारीखा: 27-1-1987

प्रकृष कार्डा, दी. एत्. गम . ---- ----

जायफर मीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुजना

भारत मुरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर अध्यक्त (निर्काम) म्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर दिनांक 19 जनवरी, 1987

निवेश सं० डी० ग्रार०/1775/86-87-- श्रतः मुझे, **प्रा**र० भारद्वाज,

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकै पक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार गुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 85 है तथा जो सेंट इनेज गांव, तलैगाओ, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रनमुची में और पूर्णन्य से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बंगलौ े में े जिस्ट्रीकः ण म्रश्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान परिशक्त के लिए अन्तरित की नई है जोर मुक्टे यह निज्यास धारपंत्राकाकारण है कि वभाष्**र्योक्त सम्परित का** खीवता बाजार ्ल्क, उराक्षेपस्थलान पतिकास से **पुरेश सम्बगान प्र**विकार क ा पुर प्रतिन्याल से को गांक को **कार भेजरक (अंगरक**ि) को र अ^{कार} को (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उवदेश्य से उवत अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्यारण से हुई किसी भाव की शावत, अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के बारियत्व में कमी करने या प्रवास कथने में सुनिभा वार/या
- (क) ए'ती फिक्की बाय वा किक्की वज वा अन्य व्यक्तिकवा को जिन्ह[ा] भारतीय **बायकर अधि**नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रमोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं कि मा गता ना या किया जाना चाहिए की, कियान से स्टिक्स नी सिय्।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अभिनियम की भएरा 269-ग की उपधारा (1) क्रे ब्रामीन, निम्नतिश्वित स्वीक्तवॉ, नवीत् :---

(1) 1. लोधिना मासकरीन्हास ई० पेरेरा, श्रल्यारो परेता 3. मोरिया परेता 4. डोमिगोस परेश सभी (क्रमांक 1 से 5) केशंट, का राँजोमलेम गोवा में निवासी ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 मेसर्स हलोना बिल्डर्स (उनके साझेदारों से प्रतिनिधित-- 1. स्टेलिन डिसोजा, सुपुत्र फासिस्को **डिसोजा, का राजालेम, गोवा । 2**. डा० लावरेन्स डिसोजा, सुपुत पीटर डिसोजा, सिन्लिम , मार-गोवा । 3. पाल कौदिन्हो सुपुत्र जोसफ कौदिन्हो, काराँजालेम, गोवा । 4. मेलनिन डिसोजा, सुपूत फांसिस्को, डिसोजा, का ांजालेम, गोबा ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता हां।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी अविकासी युचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित र्याक्तयों यों से किसी व्यक्ति बुबारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील मे 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षणी को पास लिखित में किए जा सकोगे।

१पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भागकर भावति प्रायोज्ञास्य । १०-सः सं प्रारक्षिति वस है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया यका 📽 ।

ननस्परि

(दस्तावेज सं० 1342/86 तारीख 2-7-86)। तालैगाओ के सेंट इनेज गांव में स्थित ((रोगलेम'' अथवा "क्युलेन मोरोड" के नाम वाले धान के खेत से युक्त संपत्ति का वह सभी प्लाट "डी" जो कि 2839 वर्ग मीटर नापता है और जो मेट्रिज प्रिडियल सं० 85 के ग्रन्द? पंज कृत है और जो दिनांक 3-5-1986 के करार के साथ संलग्न भ्रनुसूची-I, II, III, व IV, वे श्रधिक विस्तार से वर्णित है।

> ग्रार० भारवाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुणत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

सारीख: 19-1-1987 मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जाउकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 20 जनवरी, 1986

निदेश सं० डी० श्रार०/1776/37ईई/86-87— श्रतः मुझे, ए० सी०/क्यू० /बी-—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाप्त करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं ० 88/5 है तथा जो नावेलिम गांव, साल्मेत तालुका गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद प्रानुसूची में और पूर्णक्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 23-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशी) के बीच एसे अन्तरण हो लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उवत अन्तरण निस्ति बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एमी किमी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनिसम, 1922 (1972 का 11) या उदम अभिनियम, या धन-कर अधिनिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बिलिए था, निसम में सविधा जे निए;

अतः अवं, उत्या अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- (1) मेन्युल अंटानियो कूज कौटिन्हो, सुपुत्र स्वय कांस्टे -टिन्हो, कौटिन्हो, डार्जिलिय, पश्चिम बंगाल । (श्रन्तरक)
- (2) 1. शेक्त इदायत, मुपृत एस० ए० लतीफ, बेल्सोल प्रपार्टसेंटस, ए/2, अभ्वक्षुएम ब्राल्टो, मारगोवा, गोब्रा।
 3. दामोदर पादुरंग भटिकर, सुपृत पांदुरंग भाटिकर विल्ला महाबालेश्वर, मुरिडी, पटोर्डी, मारगोवा-403606 गोवा।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचरा जारी करके पूर्विक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त डांना हो, के भीनर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1776/86 तारीख 23-7-86)।
भूमि जोरोड श्रथवा जोरोडी का अंश जो सं० 88/5 के श्रन्दर
सर्वेशित है तथा जो नावेलिस साल्सेत, गोवा में स्थित है। और
जो करीब 5150 वर्ग मीटर नापता है और दिनांक 6-5-1986
के बिकी करार में श्रधिक विस्तार से वर्णित है।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगसौर

तारीख : 21-1-1987

शारूप नार्वं टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलीर दिनांक 20 जनवरी, 1987

निदेश सं० श्रार०-1/1789/86-87— श्रतः मुझे, श्रार० भारबाज,

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये. 1.00,000/- ग. से अधिक है

और जिसकी सं कि म्युनिसिपल-4 है तथा जो 4, मेईन, जय महल एक्सटेंगन, बंगली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्प से बाँगत है), जिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण धिकारी के प्रधीन सारीख 28-8-1986

कां पूर्वायक सम्मास के उचित जाजार मूल्य में कम के दश्यमाथ प्रितिज्ञल की लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य में उसत अन्तरण मिसित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं कया गया है है

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्थि में कभी अज्ञ या उससे बचने में सुविधा भेरिस्ट, बॉर/मा
- हिंगे एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कः (१) या उस्ते अधिनियम, का धन-कर आधिनियम, का धन-कर आधिनियम, का धन-कर आधिनियम, का धन-कर आधिनियम किन्यों में मुन्तियों स्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना भाहिए था, स्थिपादे में मुन्तियों के सिष्ट;

जत: १व. उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक्यों अर्थात् :---

- (1) श्रीमित के० एस० श्रलमेलु, सप्तिन श्री सुब्बा रायन्, सं० 4 मेईन जयमहल, एक्सटेंशन, बंगलौ ∺360052 (ग्रन्सरक)
- (2) मेसर्स बैटान वॉचस लि० 'सोना'' टावर्स'', सं० 71 मिल्लर रोड, बंगलौर-560052

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू अरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सें 45 विन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिरु-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरू कि पान विकित में किए जा सकेंग।

न्यच्छीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो सक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2326/86-87 तारीख 28-8-1986)
4 मेईन , जयमहल एक्सटेंशन, बंगलीर में स्थित म्युनिसपिल
सं० 4, (सिटी इम्पूर्वमेंट ट्रस्ट बोर्ड सं० 116 व 117 से मलग

किया गया और संगोधित सं० 64 और 65) वाली संपत्ति का वह मभी अंश व भाग जो भूमि तल्ला व पहला- तल्ला से युक्त भूमि व भवन है और जिसकी सीमाऐं हैं ——

पूरव से---मार्ग

पश्चिम में---खासगी संपत्ति

उत्तर में---मार्ग और

दक्षिण में--म्युनिसिपल सं० 3 वाली मंपत्ति जो श्री बी० ग्रार० कृष्ण मृति की है।

तथा पूरत में पश्चिम को 90 फीट तथा उत्तर से दक्षिण को 45 फीट है ।

> श्राय० भारद्वाज भक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, बंगलौर

नारी**ख** : 20-1-1987

मोधुर 🌣

प्ररूप आई टी. एनं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलीर, दिनांक 20 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० श्रार०-62/50164/86-87— श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000 /- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० म्युनिसिपल-3 है तथा जो प्रेम स्ट्रीट, रिचमूड टाउन, बंगलौर कारपोरेशन डिवीजन सं०-61 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्प में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, णियाजी नगर, बंगलौर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 31-7-1987

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझं यह विश्वास करेने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदह अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सविधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निलिखित व्यक्तिकैं अर्थात् :—-7—6GI/87

- (1) श्री पाँल डिसोजा, सुपुत्र श्री जान ही डिसोजा स० 3 प्रेम स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बंगलौर-560025 (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमित फण्हाना, पित्न श्री सैयद जब्बार, सं० 9 क्वी लाज, फ्लेट मॅ० 9, 11, तत्ला रेनाल्ड रोड, बम्बई-8 2. श्री पाल डिसोजा, मुपुत्र श्री जान डि सोजा, सं० 3, प्रेम स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बंगलौर-25

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तानेज सं2 1064/86-87 तारीख 31-7-1986 कारपोरेशन डिबीजन सं० 61 के ब्रन्दर म्युनिमिपल कार-पोरेशन सं० 3 वाली प्रेम स्ट्रीट, रिचमण्ड टाउन, बंगलौर-25 में स्थित है निवासी घर व ब्रन्य निर्माण सहित भूमि का वह अंश व भाग जिसकी सीमाएं है :---

उत्तर में--प्रैम स्ट्रीट दक्षिण में--खासगी संपत्ति पूरव में--खासगी संपत्ति

पश्चिम में——कर्नल सचदेव की संपत्ति व रेनियल स्ट्रीट । तथा दिनांक 31-7-1986 के बिकी पत्र में श्रिधिक विस्तार में विणित तथा पूरव में 109' . 4'', पश्चिम में 60' . 3''+13' . 3''+35 . 10=109 . 6, उत्तर में 72' . 0'' और दक्षिण में 75' . 6'' कुल क्षेत्रफल 8070 वर्ग फीट तथा प्लेन में ए० बी० सी० डी० ई० एफ० ए० अंकित ।

श्चार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बंगलौर

नारीख: 21-1-1987

प्ररूप आईं .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर दिनांक 4 जुलाई, 1987

निदेण सं० सी० श्राप्त-62/50145/86- 87--- श्रतः मुझे, श्राप्त भारदाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियमं अहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, मह विषयाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित अधार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक ही

और जिसकी सं० 5 है तथा जो बर्टन रोड काम, बंगलौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णक्प में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रिजस्ट्र करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख़ 4-7-1986

कां पूर्वीवित मत्यित के अचित बाजार मूल्य स काम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि उधाप्यक्षित सम्मीत का अचित बाजार मूल्य, उसके रूथ्यमान प्रतिकाल में, एसे रूथ्यमान प्रतिकाल का पण्छ प्रतिकात से बिधक हैं और अन्तर्भ (अंतरकार) और अन्तरिती (अतरित वां) के बीच एस अन्तर्भ के जिए एस पाया यका प्रतिकाल का निम्मालिखित उद्देश्य से उसत अन्तर्भ लिखित में वास्तविक अम है अर्थिक ही विश्वास गया हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी अब की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कार दोन के अन्तरक के दाधित्व में कामी कारने या उसमें बचने में समिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियी का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं (किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुस्रण मो, मी, उक्त अधिनियस की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--- (1) भेसर्स बुडब्रेयर एस्टेट लिए, रिजस्टर्ड कार्यालय— देव पाला-643207 तिमलनाडु व श्रष्डमितिस-ट्रेटिव कार्यालय, संर 6, गंगाधर चेट्टी रोड, बंगलौर-42 उसके डायरेक्ट श्री पीए जेर जोसेफ प्रतिक्रित

(ग्रन्त ∙क)

(2) श्री बी० म्रा ० भाजेश, मुपुत्र ची० के० राजा भाम सं० 37/1, बेल्लिगंटन रोड, बंगलीर-560025

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हुं।

उन्नर सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध के नहेंद्रों भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीहर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यां
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 कि के शिक्ष उन्त क्यावर कमाधित है कि शिक्ष व्यवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किस् जा सकरों।

स्पष्टिकारणः — इसमे प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्ता प्रिकारणा के क्रम्याय , . . ज. मा परिकारणा ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

(बस्तावेज सं० 954/86-87 तारीख 4-7-1986)।

बंगलीर सिटी कारपोरेणन के डिवीजन सं० 61 में, श्रव सं० 5, बर्टन रोड कास के काम्पोनिट ब्लाक का एक भाग तथा पहले सं० 5, 5/11 व 5/12, बर्टन रोड कास. के पते से पिरिचित तथा 13,339 वर्ग फीट नाएने वाली वह सारी क्कित भूमि जिसकी सीमाएँ हैं: ---

उत्तर में—स्घर तथा पिसल सं० 5/12-1, वर्टन रोड काम की सीमा-दीवारों औं लंग 5, वर्टन रोड कास की वाड ।

दक्षिण---पिसा सं ० ४, ६ व ७, बर्टन रोड कास की श्राच ण दीवारों ।

पूरव---मेमर्स टी० टी० कृष्णामाचारी एण्ड संन्स (पी) लि० की ग्रावरण दीवारो ।

तथा 4-7-1986 के बिकी पत के श्रधिक विस्तार में वर्णित ।

धार० भा*रद्वाज* सक्षम प्राधिकारी

भड़ायक आपक श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्भन रेज-बंगली/

तारीख : 20-1-1987

शक्य थार्ड . हर . एन . इस ् -----

बायकर ब्रिंगियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बारव स्ट्रकाड

भाषांत्रय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० ग्रार०-62/50191/86- 87— ग्रतः मुझे, ग्रार भारद्वाज,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात (जिसे इसमें इसके प्रश्वात (जिसे इसमें 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 1, है तथा जो इण्डस्ट्रियल सबब, यणवन्त-पुर, बंगलौर मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारील 4-9-86

को पूर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कम को प्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मृह्म यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृथा, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिफल के पंडह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और गंतरिता (अन्तारित्या) के बीच एक अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फन्म, निम्नसिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण विविद्य ये प्रास्त-विक क्य में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के अभीन कर गर्न के जन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को भिल्का करि/शा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवाद्ध प्रकट नहीं किया वया था या किया वाना जाहिए था, कियाल में सुनिधा के सिष्धः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. के एस प्रकाश 2 के एस रमेश 3. श्रीमित जयम्मा 4 श्रीमित कॉनम्मा 5. 5. श्रीमित रंगनायकम्मा 6. श्रीमित लक्ष्मी देवी 7. कुमारी सीता लक्ष्मी 8. कुमारी भारती 9. कुमारी शाभा 10. श्रीमित सरोजम्मा 11. के एस मोहन 12. के एस सुदर्शन 13. के एम श्रीनिवासन प्रमाद 14 श्रीमित भान्या 15. श्रीमित लक्ष्मी देवी 16 कुमारी सरस्वित

17. कुमारी क्ष्कमणि 18. कुमारी पदमावती
19. वेंकटनागेन्द्र विनय सुपुत्र श्री जे० वेंकटेण
20. कुमारी राधिका सुपुत्री श्री जे० वेंकटेण
21. के वेंकटलक्ष्ममा पत्नि श्री के०
निवासन मभी श्री के० श्री निवासन के सुपुत्र
सुपुत्रियां हैं जो श्री के० एस० प्रकाण, पायर आफ
श्रटानी होल्डर स० 408, 12 मईन, राजमहल
विलास एक्सटेंशन, बंगलींर-80 द्वारा प्रतिनिधित
है (क्रमांक 1 से 10)।

सभी श्री के ० श्री निवासन के पुत्र पुत्रियां हैं जो श्री के एस० मोहन, पावर श्राफ श्रटानी होल्डर, सं 1, IH कास नेहरू नगर, बंगलाँग-20 द्वारा प्रतिनिधित हैं। (क्रमांक 11 से 21)।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. ईश्वर बन्द भण्डारी, सुपुत्र श्री उगमराज भण्डारी जामा सस्जिद रोड, बंगलौर-2 2. श्रीमित छोटी बाई भण्डारी, पितन श्री उम राज भण्डारी, रंगास्वामी टेपल स्ट्रीट, बंगलौर-53 3. श्रीमित पुष्पा बाई भण्डारी, पितन श्री संबर लाल भण्डारी रंग स्वामी टेपल स्ट्रीट, बंगलौर 1 4. श्रीमित कंचन कुमारी, पितन श्री जवाहरलाल भण्डारी 5. मास्टर मुकेण कुमार भण्डारी सभी ईश्वर चन्द भण्डारी, पावर श्राफ श्रेटार्नी होल्डर, रंग स्वामी टेपल स्ट्रीट, बंगलौर-53 से प्रतिनिधित है। (क्रमांक 1 से 5)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथानत सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि वा तेत्संबंधी व्यक्तियों वह स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपन में प्रकादन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकों ने।

स्पच्छीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1874 तारीख 4-9-1986)

इण्डस्ट्रियल सबर्ब, यशवन्तपुर, र्बगलौर में स्थित सं ० 1, संख्यत इण्डस्ट्रियल प्लाट का बह सभी अंश बभाग जो पूरव से पिण्चिम 140 श्रीर उत्तर से दक्षिण, पूर्वी बाजू में 350 तथा पिश्चिमी बाजू में 336 मापता ई तथा जिसकी सीमाऐं हैं ---

उत्तर—सर्विस रोड

दक्षिण में--साइट सं 1/ए

पूरव में--रिक्त भूमि

पश्चिम में---टी० बी० भूमि

तथा दिनांक 27-8-1986 के बिकी पन्न में श्रधिक विस्तार से वर्णित है) ।

ग्रार भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजनरेंज, बंगलौर

-तारीख 20-1-1987 मोहर

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 20 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० आर०-62/50141/86-87— श्रतः मुझे, आर भारदाज,

नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,060/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 757 ई तथा जो बिन्नमंगला स्टेज इंदिरा नगर बंगलौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्णहप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजी-नगर, बंगलौर में रगिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख 8-7-1986

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अप्ती करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भाररतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उन्न अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

- (1) श्रीमित सौँमिलाबाई जैतालाल, पित्न श्री रंटछोर जिवराज, सं० 757, बिन्नमंगला, 1 स्टेज, इंदिरा-नगर, बंगलौर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित भागवती एल छात्रिया, पत्नि श्री लक्ष्मण दास जी छात्रिरया, सं 406, 12 कास, सदाशिष-नगर, बंगलौर। (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह- बद्ध किसी अन्य य्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पर्फटोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

बिन्न मंगला 1 स्टेज, इंदिरा नगर, बंगलार, सिविल स्टेशन में स्थित है सं० 757 संख्यावली भवन के साथ भूमि युक्त स्थावर संम्पत्ति का वह सभी श्रंण श्रांर भाग तथा पूरब से पिक्चिम तक $65\ 1/4\ 64\ 1/4\$ फीट, उत्तर से दक्षिण तक $63\ \frac{1}{2}\pm60$ फीट कुल मिलाकर 4051 वर्ग फीट श्रथचा 376.44 वर्ग मीटर नाप बाला जिसकी सीमाऐं हैं --

पूरब में—साईट सं 756 पर भवन पश्चिम में—मार्ग उत्तर में—मार्ग

दक्षिण में— साईट मं० 758

तथा जो दिनांक 8-7-1986 के बिकी कर पत्न में श्रधिक विस्तार से वर्णित है ।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

तारीख . 20-1-1987 **मोहर** : प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-धं (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बंगलौर

बंगलौर, दिनांक 20 जनवरी 1987

निवेण सं० सी० श्रार० 62/50159/86-87--श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० मुनिसपल सं० है पथा जो 4 मेइन, जयमहल एक्सटेंगन बेंगलूर में स्थित है (ग्नौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 27-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मृझे यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के **वा**यित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती श्रलमेलू, सपत्नी श्री सुब्बरायन, सं० 4, 4,मेइन जयमहल एक्सटेशन, बेंगलूर । (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्म बैटान बाचस लिमिटेड, सं० 734, श्रण्णामालाई, मद्रास-600002

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यानित व्यानित व्यक्ति से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

4, मेइन जयमहल एक्सटेन्शन, बेंगलूर में स्थित मुनिभिपल सं० 4, (मिटी इम्प्रूबमेंट ट्रस्ट बोर्ड सं० 116 व 117, से ग्रलग किए गए मंशोधित सं० 64 व 65 वाले (भूतल्ला व पहला तल्ला महित भूमि व भवन युक्त सम्पति का वह सभी ग्रंश व भाग जिसका सीमाएं है:—

पूरदा में : मार्ग

पंण्चिम में : खासगी सम्पति

उत्तरमें : मार्गश्रौर

दक्षिण में : मुनिमपल सं० 4 वाली सम्पति जो बी०

श्रार० कृष्णामृति की है।

तथा पूरव से पश्चिम तक 90 फीट, उत्तर से दक्षिण तक वर्ग फीट है।

श्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 20-1-1987

प्रकप बाइ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० सी० श्रार० 62/50168/86-87--ग्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 72/1-8 है तथा जो किनिनोंहाम रोड, डिविजन नं० 44 बेंगलूर-52 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में विणित है) रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए त्य गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि सिक्त में नास्त मिन्तरण से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की, वाबत, उक्त जिलियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के आए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट गृहीं किया गया भा या किया गाना चाहिए था, क्रियान गरें ज़ित्रभा के निए;

(1) श्री हजेल फिलोमिला गोवास, मार्फत श्री जे० पी० एच० गोवास, मादापुर पोस्ट, इग्गोबूल इस्टेट नार्थं कुर्ग।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री गजानन्द मिट्टल, राजेश मिट्टल मुकेश मिट्टल, दीपक मिभल, पंकज मिभल, नं० 19420, ए० कास, 9वां लेन बंसत नगर, बंगलूर—

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ४---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विसामों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागिकत है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नेसा है:

<u> इन्स्</u>ची

 \cdot सब सम्पति है जिसका सं \circ 72/1-8(पुराना <math>72/1-8

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बेगलूर

अतः अग, उत्कत्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्कर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

तारीख: 10-2-1987

प्रकल नार्षाः हो. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 फरवरी 1987

निदेश मं० मी० भ्रार० 62/50198/86-87—यतः मुझे, श्रार० भारहाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 69/1 है तथा जो समपंगित्यमास्वामी टेम्पल स्ट्रीट, किनगहाम रोड काम, बंगलूर-560052 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय णिवाजीनगर में नारीख 16-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से मुक्त अन्तरण लिखित यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन ना अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के जिए;

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1

- (1) श्रीमती श्रारती पी० कोठारी 29, 'माधना' एन गमाडिया रोड, बस्बई-400026 । (श्रन्तरक)
 -) 1. श्रीमती इला जे० मेहता 2. श्री किरित राम मेहता पंचणीला श्रपार्टमेंट, 4 फलीर, गांधीनगर, बेंगलूर-560009 । (श्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांध्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबख्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में व्यक्ति पास करें।

स्पष्टीकरणः — - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ, होगा जो अस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

(दस्तावेज सं० 1448 तारीख 16~9-1986) सब गंगाती है जिसका सं 69/1, संगंगीरामास्वामी टेंग्ल स्ट्रीट, कानगहाम रोड काम, बेंगलुर-560052 ।

> यार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रःक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 6-2-1987

त्रक्त वार्षः हो . एत . एस . -------

नावकर मिश्रीनयन, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-थं (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन, रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 फरवरी 1987

निदेश मं० सी० श्रार० 62/50146/86-87--श्रतः मृत्ते, श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16/11 है तथा जो बेन्सन श्रास रोइ, कार्पोरेणन डिविजन नं० 46, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) सिस्ट्रीकरण ग्रिश्चियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधन रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गांधीनगर में तारीख़ 2-7-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का आरण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक लए से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुर्इ िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिम करें लिए।

ाद अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्री जार विरु राज सपुत्न टार गोविन्द राज मुदलियार 131, व्हीलर रोड, काक्स टाउन वंगलुर-560005 ।

(ग्रन्तरक)

(2) बिश्नि किसेट प्रपार्टमेटम 11/14, नन्दीदुर्ग रोड, बंगलूर-560046 ।
रीप्रजेंट बाई मनेजिंग पार्टनर, (1) गंगाधर ए० हुलियप्पा, (2) ज्यदीप एउ० शाह 415, फ़स्ट कास, एच० ए० एल० 11 स्टेज, बंगलूर-560038 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जब्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्षत स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 702 नारीख 2-7-1986) सब संपत्ती है जिसका सं० 16/11, (पुराना 16/ए-6) बैन्सन क्राम रोड़, ग्रब बिन्नि क्रेसेंट, कार्पोरेणन डिबिजन नं० 46, बंगलूर-560046 ।

उत्तर में 134', पूर्व में 79', दक्षिण में 111' 6"

श्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक: 11-2-1987

प्रस्थ्य बाह्री, टी. एन. एक. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अभीन स्थाना

नारत सरकार

कार्याक्षमः, बद्दानक नामकर बाजुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी 1987 मिदेश सं० सी० श्रार० 62/50156/86-87---यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बावकर विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परवास 'उन्त विभिन्निम कहा नवा है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 86 है, तथा जो ग्रटायर गांध, बालमट्टा वार्ड नं० 16, बेंगलूर सीटी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में तारीख 1-7-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापबॉक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के समझ प्रतिफल से बाजार बाजार का सिक्त से बाजार प्रतिफल के समझ प्रतिफल से बाजार (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तब सम्बर्ध मंस्तिक कर में कथित नहीं कि सा गया है ---

- (क) बंतरण वं हुई किली बाव की वावत, रूपका बंधिश्वयम के बंधीन कर वंने के अन्तरक वे दायित्व में कुनी करने था उससे वचने थे सविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी नाम या किसी धन या वस्म बास्तियों की ज़िल्ह भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का)।) या उचत अधिनियम, या धन-क्रार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना वाहिए था, स्थिमने में सुक्थिया के सिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 8--6GI/87

(1) श्रो बी श्री मी श्रेष्य संपुत्र श्री बी श्रिष्य करिप्या रिटायर्ड द्वार श्री श्री वास लेन, फलनीयर, मंगलूर ।

(भ्रन्तरकः)

(2) म ० मंगला एंटरप्राजीस, रेप० बाई श्री बी० गणपति सोमयाजी नं० 10, मिलाग्रेस सेंटर मंगलुर-1।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना चारी करके प्वॉक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त रंपनित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्रप :---

- (क) इत त्वना के रावपण में प्रकातन की तारिव नं 45 दिन की जगींच या तत्संत्री व्यक्तियों क स्वना की तामील से 30 दिन की जबिक्ष, जो भं स्विथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ष स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति डवाया.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य व्यक्ति द्वारा वशेहस्ताकारी के पास जिसी में किए जा सकती।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो अवध विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया नवा हैं।

वन्त्रची

(दस्तावेज 511/86-87 तारीख 1-7-1986)।
संपत्ती जमीन श्रीर बिलर्डिंग हैल्ड ग्रान मुलि (वार्ग)
रेट, नं० 86, श्रसावर विलेज, ब्लाक नं० 7, बलमट्टा
वार्ड नं० 16, मंगलूर सिटी कार्पोरेशन में स्थित है मर्यार्ग
व्लीथ एरिया 2500 स्केष्यर फिट है ग्रीर जिम संपत्ती का
पूरा विवरण ऋय पत्र तारीख 1-7-86 का शेड्यूल में
दिखाया है।

ग्राप्त भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक : 23-2-87

प्ररूप आइ. टी. एन . एस् . -----

नावकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनोक 23 फरवरी 1987

भौर जिसकी सं० 180 है तथा जो कसबा ग्राम, कादुर, कादुर तालूक में स्थित है (भीर इसके उपाबद ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रित्रट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन रितर्ट्रीकर्ता के दार्यालय कादुर में तारीख 7-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाखार भूखा, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर्क का क्ष्मिक है और बंतरिक (अंसरकों) और बंतरिती (जम्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्क के लिए तब पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिचित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भवाइण सं हुइ⁴ जिस्ती शास की बावद उचक विचित्रण में वचीन कह बोने से वन्तरक के वायरण में कनी कहने वा उसके वचने में संविधा के जिए; कहु-(म)
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अवस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :---

- (1) मेसर्स स्टेन्डर्ड टाइल कम्पनी रेप्रेसेन्टेड वार्ध श्री बी० एन० शंकर, नं० 2014, हाई पाइंट 45, पैलेस रोड़, बंगलूर ।
 - (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स स्टेन्डर्ड टिलरी रेप्रेसेन्टेड बाई श्री एम० श्रब्बेझर, पोस्ट बाक्स नं० 10, कादुर-577548। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जायबाह्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारी से 45 दिन की अविष या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना को राजंपक मों प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निवित्त मों किए जा सकोगें।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जी उनसं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुखी

(वस्तावेज सं० 1301/86-87 तारीख 7-7-1986) सब संपत्ती जमीन का रिसर्वे नं० 180, कसवा ग्राम, कंडूर, कंडूर तालूक, चिकमंगलूर जिला में स्थित है, मेमिरिंग 5 एकरेस, 10 गुन्टास, कन्टैमिंग फैक्ट्री मैन बिल्डिंग, टाइल्ड कनस्ट्रक्शन घौर जिस संपत्ती का पूरा विवरण, कम पन्न तारीख 7-7-86 के शेड्यूल में विखाया है।

ग्रार० भारदाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज बंगलूर

विनांक: 23-2-1987

प्रांस्प आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

क्रिन्सिय, सहाय्क नायकर नायुक्त (निरीजन) स्रजैन रेंग, संगलुर

बंगलूर, विनांक 24 फरवरी, 1987

निवेश सं० 1729/86-87--यतः मुझे ग्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 418/1 है, तथा जो करटोरिम सालसिट गोवा में स्थित है (ग्रीर इस से उपावत श्रनुसूचि में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर रिगस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सालसिट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारी ख 4-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (था) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मारिया लेटिसिया मरिह्ना ग्रेसिएस क्लोर
 - 2. श्री सिमाहो डिफातिमा ब्रगांजा इ मेनेजिस ।
 - 3. श्रीमती मारिया सेलिना फिलोमिना मेनेजिस सुकलेम, करटोरिम, सालसिट गोवा । (मन्सरक)
- (2) मेसर्स दुर्गा बिलडर्स पेडरिह्नो बिल्डिंग, जोस इसासियो डि लोगालो रोड, रेलबे गेंट के पास मारगोवा, गोवा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में आहे भी बाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

(बस्तावेज मं० 219/86-87 तारीख 4-7-1986) सिंब रसिटक मंपली का नाम गोगाली-फोंडेगिल सर्वेपड नं० 418/1, करटोरिम सालसिट गवेवा में स्थित है ग्रीर जिस संपत्ती जिला गोवा, उप-जिला सालसीट, विलेज पंचायती करटोरिम में है। में रमेंट 78, 175 स्कोयर मीटर्स है, जिसका पूरा विवरण कय पन्न विनांक 3-7-1986 का इशियुल में विखागा है।

मारे भारतात सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर भाषुकत (निरीक्षण) भजेंग रेंज, बंगलूर

विनांक: 24-2-1987

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजीन रेंः, अंगलूर बंगलूर, विनांक 24 फरवरी, 1987 निवेश सं० डि० ग्रार० 1778/86-87--यतः मुझे म्रार० भारद्वाण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रज्यों से अधिक है

म्रांर िमकी मं० 51, 51ए, 51वी, 51 सी है, तथाजो वास्को-डागामा गोवा में स्थित है (प्रौर इस से उपाबद्ध मनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर रिन्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में धारा 269 ए० बी० के म्रान्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के पास रिजस्ट्री किया गया है ग्रौर रिनस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के भ्राधीन सारीख 30-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से मूक्त अन्तरण जिलित वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अगरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अब: अब, उसत जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) मेसर्स भ्रालकन कन्स्ट्रकणन्स (गोवा) प्रा० लि० वेलए बिलडिंग पणजी, गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स दा मपूसा श्ररबन कोपरेटिव बंक लि० रेप० बं० श्री एस० सि० डिसीथा जनरल मेनेजर रिजस्ट्रड कार्यालय नंदादीप मपूसा, गोवा-403 507 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यध्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिट्स बुध किसी अन्य व्यक्ति इधारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

(तस्ताज सं० 1376/86-87 तारीख 30-7-1987 मत्र संपत्ती का नाम 'डयांडो', दुखाना सं० 11, 12 13, 14, 15, ग्रीर 16, काममें मेंटर, बिलंडिंग 'ए' ग्रांड फ्लोर में हैं । जिस संपत्ती का सर्वे मं० 51, 51ए, 51बी, ग्रीर 51सी, का पि० टी० सीट नं० 88, वास्को-डागामा मुनिसिपालिटि, मरमुगाए तालूक ग्रांर उप-जिला का निमिटस में, श्रडमेगरिंग 268.58 स्ववेयर मीटर है । जिह्स संपत्ती का पूरा विवरण सेल ग्रग्नीमेंट विनाक 21-6-1986 का शेड्यूल में दिखाया है ।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ब्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगसूर

दिनांक : 24-2-1987

मोहर 🌣

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

<mark>श्रर्जन रें</mark>ज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निर्देश सं० सि० श्रार० 62/50161/86-87--यतः मुझे श्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्राँर िसकी सं० 28 डी० नया नं० 30 मिलार रोड़, सिविल स्टेशन, बंगलूर में स्थित हैं, ((श्राँर इसमें उपाबड श्रनुसूचि में श्राँर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्राँर रजिस्ट्रीकर्ता के कायिश्य सिवाजीनगर वंगलूर में रिक्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के, श्रधीम तारीख 17-7-1986

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे सहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्ट्रिक हुए से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसने बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री बालण्णन, श्री एन० के० सुक्रमणियम नं० 31, मिहलरस रोड़, बंगलूर। (धन्तरक)
- (2) 1. जे० जाविव श्रह्मद, 2. जे० श्रनताप श्रहमद, नं० 210/6, जब्बर बिलडिंगस यशवंतपुर, बंगलोर-22 । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया डिं।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 989/86-87 तारगंख 17-7-1986) सब संपत्ती का जमीन और बिलंडिंग बेरिंग पुराना नं० 28-डी और नया नं० 30 मिस्लर रोड़, पेस्ट कास, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित हैं। जिसका पूरा विवरण क्य पत्र तारीख 16-7-1986 में विया है।

> स्रार॰ भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

विमांक : 27-2-1987

प्रकर नाई वो एन एतं -----

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायकत (निराँक्शक) अर्जन रेंज,

बंगसूर, दिनांक 27 फरवरी 1987

मिवेश र्सं० सी० श्रार० 62/50162/86-87---- यतः मुझे श्रार० भारदाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 301 है, तथा जो सिनवर लेक टेरेम भ्रापारमेंटस, रिचमंड रोड़, बंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिल्स्ट्रिकरण श्रधिनियम 1908 (1998 का 16) के श्रधीन तारीख 23-7-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने के। कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स प्रापर्टी लिमिटेड, नं० 135, विपलानी रेशवेडारी बसु रोड़, कलकत्ता-1।

(भ्रन्तरक)

(2) माशोक चटर्जी, नं० 6/1, टोस लेन, रिचमंड टैन, बंगलूर-27 ।

(भन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्त में किए जा सकरेग।

स्थव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो जक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1037/86-87 तारीख 23-7-1986) मब संपत्ती का नाम 'सिलवर लेक टेरेस प्रपारटमेंद्स' जिसकी तीसरा श्रंतस्त पे पलाट नं० 301, प्रेमिसस मं० 55, रिचमंड रोड़, बंगलूर में स्थित हैं। जिसकी विस्तीर्ण 1440 सुकार्यस फीट है भौर जिस संपत्ती का पूरा विवरण दिनांक 23-7-1986 क्रय पत्त का शेड्यूल' में दिया हैं।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज, बंगसूर

विनांक : 27-2-1987

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 27 फरवरी 1987 निदेश सं० सी० झार० 62/50208/86-87---म्रतः मुझे, झार० भारद्वाज

बायक र विधिनियम, 1961 1961 का 43) (विते इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रौर जिस्की सं 10, पुराना नं 22/28, सुब्रमणिय-स्वामी टेम्पल स्ट्रीट, विश्वेश्वर पुरम, बेगलूर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबक ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25 सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति थे जिन्त शावार घूरूव ते कुन के अवसाय प्रतिकास को सिए अंबरित की नद्दं हुँ और मुक्ते यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थापबॉक्त सम्पत्ति के उचित शावार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के किए तथ पाया नया वस प्रतिकास निम्मतिष्ठित दृष्टिय से उक्त संतरम विविद्ध में पास्त्रिक कप से सामस सहीं किया कक्का है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित कावित्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती पार्वती,
 - जै० के० एल० चन्द्रमेखर,
 मं० 10, सुन्नमणिस्वनी टेंपल स्ट्रीट,
 विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर-4 ।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स गाक्रिया ब्रदर्स, नं० 87, फ़स्ट पलोर, नौडेंग्वरी टेंपल स्ट्रीट, बेंगलूर । कनसिस्टिंग :
 - 1. किरण कुमार के० गाडिया।
 - 2. सुदर्शन के० गाडिया,
 - 3. श्रघय कुमारके० गाडिया।
 - 4. श्रीमती कविता के० गाडिया।
 - 5. श्रीमती शोभा एस० गाउँया ।
 - 6. श्रीमती रंजन ए० गाडिया। नं० 16, पित श्राया, II क्रास, शंकरपुरम, बेंगसूर-4।

(अस्तरक)

- (3) 1. श्री शंकर नारायण ऐशाल,
 - 2. श्री पी० ए० गोपाल कृष्णण्यर शेट्टी।
 - डा० एच० एन० नागेन्द्र प्रसाद,
 नं० 10, सुन्नमण्य स्वामी टेंपल स्ट्रीट,
 विष्वेष्वरपुरम, बेंगलूर— 4 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करण हूं।

उक्त सम्पत्ति है अर्थन है संबंध में कोई भी बाक्रोप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्समंधी व्यक्तियों पर सूचना की तार्शस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारता अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष इ ना को उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 1689/86-87 ता० 25-9-86)
सव सम्पत्ति जिसकी कारपोरेशन नं० 10 (पुरामा
नं० 22/28) सुब्रमण्यस्वामी टेंपल स्ट्रीट, कारपोरेशन
डिवीजम 47, विश्वेश्वरपुरम, बेंगलूर में स्थित है। जिसकी
सम्पत्ति में मैं हाउस भीर हैंस चार शाप्स काली जंगा
है जिसकी संपत्ति का पूरा विवरण ऋय पत्र सा० 25-986 शेंडूल में विखाया गया है।

श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 27-2-1987

प्रकृत मार्च . डी. यन . यस .------

कावकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्थान

नारव तहकार

कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 2 मार्च, 1987 निर्देण सं० सी० ग्रार० 62/50137/86/87---- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 52/1-ए है तथा जो कोनेना श्रग्रहार बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बेंगलूर दक्षिण तालुक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8 जुलाई 1986

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिक्त के जिए जन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त जन्तरण सिवित में वास्तविक रूप हे क्ष्रीचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) वेसी कियी वार्य वा कियी वंग का बन्य शास्तिकीं को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अदेशियम, गा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाधनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था विकास में प्रिकास के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री के० बी० मुनिवेंकट रे**ड्डी**, पुत्न श्री स्व० पटेल बसप्पा, नं० 1, कोनेना श्रग्रहार, बेंगलूर। (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स ब्लेज एण्ड संट्रेरल (प्रा०) लिमिटेड, नं० 154, माजन्ट रोड, मद्रास-2 । रिप्रेजेंटेड बाई : ज्वाइंट मनेजिंग डायरेक्टर श्री लिलत एम० बिजलानि । (श्रन्तरिती)

को बहु बुचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उथत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर श्रूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी जबिभ नाई में समाप्त होती हो, से भीतर प्रांत्त स्विन्यों में से किसी व्यक्ति हुनाड़ा;
- (क) इस सूचना को राज्यम में प्रकासन की तारीज के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित्यव्य किसी बन्य स्थावत इवारा नथोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए आ बुकोंगे।

स्वाकरणः च्हत्मे प्रयुक्त कथ्यो गौर प्वां का, वां उत्तव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, ब्रही वर्ष होगा, वो उस संख्याय में विभा गंका

भ्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1774/86-87 ता० 8-7-86) सब सम्पत्ति सर्वे नं० 52/1-ए, कोनेना श्रग्रहार, बेंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित का विस्तीर्ण दो एकड़ और छत्तीस गुटांस है जिसका पूरा विवरण ऋय पत्न ता० 21-1-85 के गोड्यूल में दिखाया है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 2-3-1987

प्रकृष आर्थः श्री. एतः एसः ------

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के क्यीन स्वना भारत सरकार

कार्याक्य, सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 मार्च 987

निदेश सं० सी० प्रार०-62/50170/86-87--- म्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 372 है तथा जो 4था ब्लाक कोरमंगल बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17 जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के डक्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विक्वास अरन के कारण है कि प्रधाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार सल्य, उसके डक्यमान प्रतिफाल से, ऐसे डक्यमान प्रतिफाल का उन्तर के बार अर्थित बाजार मल्य, उसके डक्यमान प्रतिफाल से, ऐसे डक्यमान प्रतिफाल का पन्तर प्रतिकात से अर्थिक है और अंतरक (अंसरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के तीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्मतिस्ति उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिस्तित में बास्त-विकास क्ष्म से काथत नहीं किया गया है अन्तर क्ष्म से काथत नहीं किया गया है अन्तर क्ष्म से काथत नहीं किया गया है अन्तर स्तारिक प्रस्ति का काथत नहीं किया गया है अन्तर स्तारिक स

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के वायित्व में कभी करने या उनसे बचने में स्थिधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

 (1) 1 श्रीमती गीता राव पत्नी श्री सुरेन्द्र लक्ष्मीनारायण राव ।
 2. श्री सुरेन्द्र लक्ष्मीनारायण राव, नं० 54, चेमियर्स रोड,

(भ्रन्तरक)

(2) 1: श्री भ्रजीत कुमार रखेंजा पुत्र श्री जे० एन० रखेंजा
2. श्रीमती नीरज रखेंजा पत्नी श्री भ्रजीत कुमार रखेंजा, नं० 372, 4था ब्लाक, I क्रास, \$
8-ए, मैंन कोरमंगल ले-श्राउट, बेंगलूर-5600034 ।

मद्रास-600028 I

(ग्रन्तरिती)

को वह शुक्रमा चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्चन के सिक्ष कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की जबीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सृथना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकन स्थावर मम्पत्ति में किस बर्ध किसी जन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनयम के अध्याक 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गगा है।

अनुस्थी

(दस्तावेज सं० 2027/86-87 ता० 17-7-86)
ये संपत्ति जो कि भूमि और दो मंजिल का बिल्डिंग है जिसका नं० 372, IV ब्लाक, 1 कास, 8वां ए मैन कोरमंगला ले-ब्राउट, बेंगलूर-34 में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीब : 2-3-1987

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, पूना

पूना-1, दिनांक 16 फरवरी 1987

निवेश सं० 37 ईई०/2786/86-87--- प्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गथा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर रापित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 118 सब प्लाट नं० 7/2, फाइनल प्लाट नं० 558, टी० पी० स्कीम नं० 1, है तथा जो पूना में स्थित है (भ्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त अर्जन रेंज, श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए, बी के श्रधीन तारीख 22 श्रगस्त, 1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तीयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृतिथा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :—— (1) श्री चन्दूलाल बालचन्द गांधी,1180/7/2, शिवाजी नगर, पूणे-5।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुन्दर लाल रावजी शाह श्रौर ग्रन्य वो, 1170/12, शिवाजी नगर पूणे— 5।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भेर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिद ह⁴, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रमांक 37 ईई०/2186/86-87 जो 22-8-86 को सहायक ध्रायकर घ्रायुक्त निरीक्षण, धर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> भंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-2-1987

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 17 फरवरी 1987 निदेश सं० 37ईई/6251/86-87—यतः मुझे, ग्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मोरारजी मुलराय खटाक लान्ड, श्रवौले ता० बसई है तथा जो श्रवौले त. बसई में |स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में , श्रायकर श्रिष्टिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिष्टन, तारीख 19-10-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्स, उसके दश्यमान प्रतिफल है, एस अस्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अखरण सं हुए किसी बाय की बायदा, उक्त जॉपनियम के जणीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मंक्रमी करने या उससे बचने मं सुविधा के लिए, कहिं/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अमिस्त्यों धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदिती द्वारा प्रकट नहीं किया को, चिन्हों मारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या गया का वा किया जाना बाहिए था छिपाने औं श्रीवधा से लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कं, में, उक्त अधिषयम की धारा 269-व की लपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तिकों, अधीत है— (1) श्री प्रनलाल डोसी श्रौर श्रन्य रूपम डिस्ट्री-ब्युटर्स, 4 मंजला नाईन सिनेमा लेमिंगटन रोड़, बम्बई-7।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स जोगोना एण्ड डियालोना लैन्डं डेवलपर्स श्रौर बिल्डर्स 101 गुंदेचा चबर्स एन० एम० रोड, बम्बई-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जनिथ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति ह्वारा, अधोहस्ताक्षरी र पार विकास में किसा का सकते ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में देया नया है।

वन्स्ची

जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता ऋ० 37ईई/6251/86-87 जो 19 ग्रक्तूबर 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17-2-1987

मोहर ३

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, पूना पूना दिनांक 24 फरवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/5682/86-87---यतः मुझे,

श्रंजनी कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/। रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० जमीन बिल्डिंग के साथ में जो 'विलवाडि वर्कस'' नाम से पहचाना जाता है जो विठ्ठलवाडि, रेलवे स्टेशन, उल्हासनगर के पास है । तथा जो उल्हास नगर स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से थिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, तारीख 2~10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंस्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिशा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) ध्रपार प्रा० लि० मेकर्स चेम्बर्स III, पहला मंजला, जमन लाल बजाज मार्ग, नरिमन पाइंट बम्बई-21

(ग्रन्तरक)

(2) युनिटेक लि० युनिटेक हाऊस, 6 कम्यूनिटी सेंटर, साकेत, नई दिल्ली-17 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए जा सकरें।

मनसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क॰ 37ईई/5682/86-87 जो 3-10-1986 को सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 24-2-87

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-1, दिनांक 17 फरवरी 1987

निदेश सं० 37ईई /3054/86-87-यतः मुझे, श्रंजनी कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० एच० नं० 2010, गफारबेंग स्ट्रीट, पूणे-7 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूचि में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, बी के श्रधीन, तारीख 26 सितम्बर, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इक्स्यमण्न प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सविधाः के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम भी धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन जिम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं भर्स पी० ह्वी० महाडकर एण्ड सन्स ए० एफ० पी०नं० 38/16 एरंडवणा, पूर्ण-4

(भ्रन्तरक)

(2) मैससं कुमार कं० पार्टनर श्री ह्वी० के० जैन 783, भवानीपेठ, पूर्ण-42 ।

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्शिक अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कमांक 37ईई/3054/86–87 जो 26-9-1986 को सहायक श्रायकर श्राय्क्त निरीक्षण धर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक :17-2-1987

प्रकृष बाह् . टी. एन. एव.-----

मायकर मीर्थानयम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना-1, दिनांक 2 मार्च 1987

निदेश सं० 37ईई/3200/86-87-यतः मुझे, श्री ग्रंजनी कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुस्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 193, 14 ए, बोट क्लब रोड, पूने हैं तथा जो पूना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, बी के अधिन, तारीख 3 अक्तूबर, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्वसमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उसके द्वसमान प्रतिकल से, एसे अन्यसान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया अतिकस, निम्नलिखित उद्वोच्य से उक्त सन्तरण निवित्त में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है ::—

- (क) बन्तरण ते सुद्दं किती शाव की वावता, उस्त वीभीनयभ के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसने अपने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसे फिसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कः २७४ अधिनियम, 1957 (1957 कः २०४ अधिनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, प्राचनियम, चिमाने में सुविधा भी विद्या

नतः थव, उच्च नियमित्रम की धारा 269-ग सै नमुस्तरम में, में, उच्च निधिनियम की धारा 269-मु की उपधारा (1) के निधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र क्रिस्ट (1) श्रीमती नानकी शा सदारंगानी घौर इतर 'इडन-हौल', डा० एनी बेझंट रोड, बरली मुंबई ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुरुषोतम वि० रहेजा चिफ प्रमोटर श्राफ रिह्नर-ऋस्ट श्रपार्टमेंट्स, को० श्रो० हार्जिसग सोसाईटी लि० 14 ए, बोट क्लब रोड, पूणे-1 । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

स्कत सम्मरित के वर्षम के सम्बन्ध में कोई नी आक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/3200/(86-87 जो 3 श्रक्तूबर, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 2/3/87

प्रकप बार्षं , टी., एन., एस.,। हर----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सञ्चयक नायकर नायुक्त (विद्रीक्षण)

धर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 17 फरवरी 1987 निदेश सं० 37ईई/3934/86-87-- श्रतः मुझे, अंजनी कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके पक्ष्वात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

और जिसकी सं०सर्वे नं० 170/121/112 और 357 हिस्सा नं० 1 उत्तान है तथा जो उत्तान जिला थाना में स्थित है(और इससे उपाबद्व ब्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधि-कारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रें ज में, भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कखा के भ्रधीन, तारीख 30-8-1986

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाचार शृज्य, उसके कारमान प्रतिकृत से, एसे कारमान प्रतिकृतः का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बौर अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एोसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-कस निज्निसिचित सब्देश्य से अक्त बंतरण सिचित में बास्तविक अप से कथित न**हीं किया क्या है ए**—

- (क) बन्बरण में हुई कियी जान की वावत, सकत अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा क लिए; और/या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य कास्तिया को, जिन्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धनकर क्रियानवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बाकिया बाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा वे सिए।

अक्षः बव, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के वनुसरण मं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थत् :---

- (1) श्री शामराव सुन्दर राव बालकर और ग्रन्य, रत्ना-सागर, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26
 - (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स मेरी मूबमेंट्स और इक्विपमेंट्स प्रा० लि०, 83, नरीमान भवन, 227, नरीमान पाईण्ट, बम्बई-21 (भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चनाकी तामील से 30 विन की अविधि, जो और मनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वासर्वामें।

श्रफाकिरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उक्त विभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा चो उस अभ्याय में विया नवादैः

अनुसूची

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क॰-37ई $\frac{1}{2}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{3$ 30 ग्रगस्त, 1986 को सहायक श्रायकर निरीक्षण श्रर्जन रेंज. पूनाके दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रें ज, पूना

तारीख: 17-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 25 फरवरी 1987

निवेश सं० 37ईई/3631/86-87---श्रतः मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और पिजसकी सं० फ्लेट नं० 3/4, बोट क्लब गार्डन्स, 13 बोट क्लब रोड, पूना -1 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपा बद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) धर्जन-रेंज श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन तारीख 17-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रीतम सिंह और इतर 101, परमार चेम्बर्स, वासवानी चौक, पूना-1

(ग्रन्तरक)

(2) श्रमीर साजन 405/2 श्ररदेशीर हरानी रोड, पूना-1

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजेपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुत्वी

जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/3631/86-87 जो 17 श्रक्तूबर, 86 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज के दफ्तर में लिखा गया है।

> अन्जनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

सारीख: 25-2-1987

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 फरवरी 1987

निदेश सं 2 37ईई/3231/86-87-- ग्रतः प्मुझे, अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 6, विलेज—वाणेर, तालुका हवेली, डि०— पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, तारीख 4-10-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से एसे द्ध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के जबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—— 10—6GI/87

- (1) श्री विलास चं गांधी, 1215/4, शिवाजी नगर, पूना-4 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमेश एम 2 ठक्कर 14, सहानी सुजान पार्क, कोंडवा रोड, पूना-4

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

स्व संपत्ति

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37ईई/3231/86-87 जो 4-10-1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सड़ायक ग्रायक र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज, पूना

तारीख: 26-2-1987

प्ररूप आहा. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज, पूना

पूना, दिनांक 24 फरवरी, 1987

निदेश संद्य 37ईई/3202/86-87— श्रतः मुझे, अंजर्नः कमारः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ छ. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6, मिटी सर्वे नं० 3/6 और एरंडवणे पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेंज, प्रायकर प्रधिन्त्यम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन, तारीख 23-10-86 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्याप्त करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निसित उद्द्वरिय से उक्त अन्तरण कि खद बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनिशा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिरुद्दें, अर्थात् :---- (1) श्री मधुकर बार गुप्ते और इतर, मंगल ज्योति 3/6, एरंडवणे, पूना-4

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम०/एस० प्राबीन गुप्ते और एसोसिएशन विष्णु दर्शन, 11वी2/3, शिवाजी नगर, पूना । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिख्ति में किए जा सकर्गे।
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्रष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/3202/86-87 जो 23 ग्रास्तूबर, 1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> अंजनी कुमार सक्षम प्रायिकारी महायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रेंज, पूना

नारीख : 24-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना[.]

पूना-1, विनां रू 25 फरवरी 1987

निदेश मं 37ईई/2228/87— श्रतः मुझे, श्रं^तनी कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सम्बंध परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहविश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी मं० ग्राफिस नं० 5, स्कीप फलोर, हाउस नं० 2416, ईस्ट स्ट्रीट, पूगे है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची मं ग्राँर पूर्ग रूप से विणित है), रिक्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर धिनियम, 1961 की धारा 269 ए वी के ग्रधीन, तारीख 23-8-1986

की पूर्वोक्त सभ्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आप या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविशा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) मेंसर्स मकचाना बदर्स एण्ड कस्पनी, 441, सोमवार पेठ, पूना-1

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति राधिका छण्णा मण्टेकर श्रीर इतर 263 कसबा पेठ, पूणे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका स्वया है।

अनुसूची

जैसा कि रिकस्ट्रीकृत ऋ० मं० 37ईई/2228/86-87 जो 23-8-1986, को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंब के दफ्तर में लिखा गया है।

> ं मंत्रेनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रैंज, पूना

तारीख: 25-2-1987

प्रकेष बार्च. टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 24 फरवरी 1987

निदेश सं० 37ईई/16/86-87--- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विक्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मुख्य 1,00,000/- राज्य से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं सर्वे नं० 43, हिस्सा नं 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, भीर 11 से 18, भर गांव, मौज करम बाली, तह० पेन, जिला-रायगढ़ है तथा जो रायगढ़ में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकृत ग्रिक्षकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क खं के श्रिधीन, तारीख 15-7-1986

को पूर्व स्थापि के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरममान शिक्क को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे अस्मान प्रतिफल का पेक्ट प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण में लिए तम बाग गवा प्रतिफल निम्निविच उद्देश्य से उसत मन्तरण मिनिविच में बालाविक रूप से कांचत नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आय की वावसः, जनतः नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्च आस्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिष्;

अतः अर्थे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री एस पी नसरपानी, निकोर बाला श्रीर धान एग्रो फार्म, 701, लब्डोल रायल लेन, जुहू नाथ रोड, बम्बई-49

(मन्तरक)

(2) मैंसर्स कला निकेतन 95, महर्षि कर्वे रोड, बम्बई-20 (श्वन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भात के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से जिल्ही व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्यी

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत क० सं० 37ईई/16/86-87 जो जुलाई, 15, 1986 को सहायक श्रायकर श्रायु त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्चंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंग, पूना

तारीख: 24-2-1987

ब्रारूप बार्ड.टी. एन. एस्. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाब्बल (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज, पूना

विनांक 24 फरवरी 1987

निदेश मं० 37ईई/32/86-87— श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त भीधिनियम' कहा गया है'), की भाग 1969-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर िसकी मं० सर्वे नं० 9/5ए० णिर्डी ता० कोपर गांव, िला-ग्रहमदनगर है तथा जो शिर्डी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मं ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन-रेंग में ,ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, तारीख 2-8-1986

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में शास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है मे—

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, क्वल अधिनियम के अभीन कर वीने के अन्तरक की दावित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी धाम या किसी धन वा जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिवा के किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-घ की उपधार (1) के वधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, वस्ति :--- (1) श्री जहांगीर एच० श्रुनर्जाभाई लाट नं०1, सोनजी श्रहीर लेन, गवलिया टान्क, बम्बई-36

(ग्रन्तरक)

(2) श्री फिरो ग एफ मेहता श्रौर न्यू प्रमोटर्स शाफ प्रपोज्ड प्रा० लि० कम्पनी बेलले बिल्डिंग, बेल लेन पोटं बम्बई-23

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

बक्त बन्धित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाकोर 🏎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/32/86-87 जो 2 प्रगस्त, 1986 को सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंधनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रंपन रेंज, पूना

तारीख: 24-2-1987

प्रस्य गाई. टी. एन. एस. =======

भायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अधीन स्थान

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० 37ईई/6278/86-87—— श्रतः मुझे, श्रंजनी-कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार भूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी मं० नया सर्वे नं० 125, एण्ड 128, निल्ले कार गांव है तथा जो निल्मोर में स्थित है (र्श्वार इसमे उपात्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्य से वर्णित है)

रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रें., श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, तारीख 19-10-1986

को धूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मृत्य , उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे छ्रयमान प्रतिफल छा पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंवरण से जिए तब बाबा नया प्रतिक छा भिन्निवित उच्चेक्त से उच्छ अन्तरण विक्रित में अञ्चितिक छम से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपन अधिनियम, पर धनकर अधिनियम, पर धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्स्रिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में दिवा के जिन्हें;

अत: अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण गे. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अधीन :-- (1) श्रीमती सीवाबाई रामधन पेंढारी ग्रौर ग्रन्थ नेहरू रोड, नल्ला सोपाटा ता० वसई সি० थाना ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री मतस्यालाल मगनलाल मोरा 45 नागदबी स्ट्रीट बम्बई 3,

(भ्रन्तरिती)

को यह कृष्ता डाडी करके पूर्वोक्त क्रम्तिस वे वर्तन से विष् कार्यवाहियां करता हो।

त्रवस सम्परित के वर्षन के सम्धन्य में कोई भी काखेद∴--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्भ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकी।

स्थाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सम्बाँ बौर पदाँ का, का उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रिक्ट्रिकत कि० सं० 37ईई/6278/86-87— जो 12-2-1987 को महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> मंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंच, पूना

तारीख 12-2-1987 मोहर: प्रकृष् कार्याः, हार्षः, द्वाः, द्वाः, ः

जायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) को अधीन स्चना

मारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 फरवरी, 1987

ृ निदेश सं० 3जी०/247/86-87— घ्रतः मुझे, घ्रंजनी कुमार,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभें इसके प्रवात 'उक्त लिभिनियम' कहा गया है), की भाग 269- ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० रेवेन्यू सर्वे नं० 166, 167, श्रौर मीही सर्वे नं० 736(1) 737(2) श्रौर 731, इगतपुरी तह०--इगतपुरी जिला--नामिक है तथा जो इगत पुरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-8-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य संकम को क्रयमाल प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई आदि मुमें यह विक्तास

करने का कारण है कि यथापृत्रों कत सम्हित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान शितफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मुनारण से हुई किसी मान की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीम कर दोने के जन्सरक के दाजित्व में क्यी करने या उससे अभने में स्थिश के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती दनारा प्रकट नहीं कि विवास या या किया जाना चाहिए था, कियाने समाना के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (*) को अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मैंसर्म एम० पी० कारपोरेशन श्रीर भ्रन्य टाटा हाउस, वाडभाई रोड, बम्बई-23

(अन्तरक)

(2) मैं सर्वे महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लि०, गेटवे बिल्डिंग, ऋपोलो, बन्दर रोड, बम्बई-31

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्षम् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस त्याना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की नवीं या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिकरण ---- इसमं प्रमुक्त वाब्दां और पदों का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा थी उस वध्याय में दिवा स्था हैं।

अनुसूची

जमा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37जी०/249/86-87 जो सब-र्राजस्ट्रार बम्बई के श्राफिस में तारीख 14-8-1986 को दर्ज किया अगया है ।

> श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख 26-2-1987 मोहर : प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.-----

कामकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 26 फरवरी, 1987

निदेण सं० 37-जी०/244/86-87-म्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 8480 श्रीर 8481 शोलापुर हैं तथा जो शोलापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर श्रीर जो पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908का 16) के अधीन, तारीख 30-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भाररतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उन्तर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) शोलापुर शिक्षिंग एण्ड ोतिंग मिल्स लि०, हास कोर्ट रिसीवर, श्री डॉ० बी० खोड, सोलापुर । (अन्तरक)
- (2) चेयरमेन विष्णु गणपत खाते जूनी मिल हाउसिंग सोसाइटी, सोलापुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पाचि रिणः —— इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत क० सं० 37जी०/244/86- 87 जो 30-6-1986 को सब रजिस्ट्रार सोलापुर के श्राफिस में लिखा गया है।

श्चंजनी कमारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

तारीख: 26-2-1987

प्ररूप बाइं.टी.्एन.एस. ∞------

. जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जनरेंज, पूना

पूना दिनांक 3 मार्च, 1987

ृनिदेश सं० 37ईई/3235/87-87-- प्रतः मुझे, श्रंजनी -कुमार,

भायकर अधिनियम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 69, हिस्सा नं० 9/93 कोथर , पूना है तथा जो पूना में स्थिन है (श्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रौर श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, श्रायकर श्रिधिन्यम 1961 की धारा 269 ए० बी० के श्रधीन, तारीख 4-10-1986

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाशार मूल्य से कम के स्थमान श्रितफल के लिए अंतरित की गर् है और मूफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त जिथ-नियम के अधीन अर दोने के अंतरक के दायित्व में कारी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया आना शाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए

कतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

- (1) भागी रथी बाई ग० भेलके, 32, कोथरुड गाँव, पूना-29 (ग्रन्तरक)
- (2) एम० एस० श्रंकुर डिवलपर्स 729, गुरुवार पेठ, बायुक्रपा, पूना-2

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त अधि-नियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अ**न्**भूची

जसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/3235/86-87 जो 4-10-1986 को सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> ांजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) क्योन रेंज, पूना

तारीख: 3-3-1987

मोहर:

11-6GI/87

प्रकृप बाद्र की पुर पुरा -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आय्वक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 2 मार्च, 1987

निवेश सं० 37ईई/7240/86-87--- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी सं० 803 घौर 804 गुक्रवार पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (घौरर इसमे उपाबद्ध घनुसूची में घौर पूर्णक्ष से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, महायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रें ज घायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 ए० बी० के ध्रिधीन, तारीख 12-7-1986

को प्रांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) बाँद अन्तरित (अंतरितियां) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित की वाम्सित का प्राप्त हैं वाम्सित कर से किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी पन या बन्य जास्तियों की, विन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थातुः---

- (1) महादेव मा० खेडकर 803, शुक्र वार पे ठ, पूना-2 2. श्रीमति णशिकला म. राजगुर 638-बी०, रेड ब्रीक्स चौल, एन० एम० जोशी रोड, बम्बई-28 (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजेश ज० लोहाटी, 1189, कस्वा पेठ, पूना-99 (ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिभ साद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ण) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-के में पीरभाधित हीं, वहीं जर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

नम्स्ची

जैसा कि र्राजस्ट्रीकृत कि० सं० 37ईई/7240/86-87 जो 12 जुलाई 1986 को सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

> श्रंपनी कुमार सक्षम प्राधिकाणी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख: 2-3-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयकत (पिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 3 मार्च, 1987

यनवेण सं० 37ईई/4699/86-87--श्रत: मृझे, श्रंजनी कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1162/4 ए० शांबुर्डी, शिवाजी नगर, पूना है तथा जो पूना में स्थित हैं (भौर इससे उपा-बढ़ श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रायकर भिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख ए० बी० के भ्रधीन, तारीख 6-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल के एसे इस्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विस्नतिवित उद्देश है उस्त अन्तरण विश्वत वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुई किसी नाय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के संवरक के वर्गियत मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिआ के लिए;

भत: अब, उप्त अभिनियम, की धारा 269-ए की बन्तरक मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) की अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमिति सुमन चौधरी, 649, ब्लाक भ्रो० न्यू० भ्रलि-पुर, कलकत्ता-ए-700053

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एस० श्री साई बिरुडर्स, 1145 सदाशिव पेठ, पूना-30

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना अपनी करके पूर्विक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मीं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित मीं किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37ईई/4699/86-87 जो 6-12-1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना के बफ्तर में लिखा गया है।

श्चंत्रनी कुमार सक्षम प्राधिकार्श सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रें ज. पूका

तारीख: 3-3-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरवरी 1987

निदेण सं० 37जी०/248/86-87— श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संवतथा जो निरुष्ठे मारे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधकारी के कार्यालय, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-7-1986

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कि संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उस्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आथ की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

शतः अज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण भं, मं, अक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (१) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्∴—

- (1) मेसर्स ग्रमी कन्स्ट्रक्शन्सन कम्पनी, 602, शारदा चेम्वर्स, 15, न्यू 2 मरीन लाईन्स, बम्बई-20 (ग्रन्तरक)
- (2) ग्राई० डी० बी० एम्पलायज कोग्रा० हाउसिंग सोसाइटी लि०। मार्फत श्राई० डी०बी० ग्राई० मित्तल कोर्ट दूसरा माला, नरीमान पवाईण्ट, बम्बई-21

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरें।

स्पर्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ध्रम्यूची

जैसा कि रिजस्ट्रीकृत ऋ० सं० 37जी०/248/86-87 जो तारीख 23-7-1986 को सब रिजस्ट्रार बम्बई के ध्राफिस में लिखा गया है।

> श्रंजनी कुमार मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, पूना

नारीख: 27-2-1987

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश सं० 37ईई/5462/86-87-- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 109, 110, श्रौर सर्वे नं० 112, 104, 105, 107, श्रौर 108, विलेज, मिजवांड, जिला—थाना है तथा जो मिजवांडा में स्थित है (श्रौर इसप उपावद्ध श्रन्भूची में श्रौर पूर्णका में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रें ज, श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, नारीख 3-10-1986 क्ये पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत

नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर ब्रेमें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) बो प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∹--- (1) चौगुले एण्ड कम्पनी (हिंद), प्रा० लि०, मल्होत्रा, हाउस, जी० पी० श्रो० के सामने बालचन्द हीराचन्द मार्ग, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) जी ० राम कन्स्प्रकणन कम्पनी, 501, कामर्स हाउस, नागिन दास मार्ग रोड, बम्बई-23

(भ्रन्तरिती) .

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगें।

स्पव्योक्षरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया हैं।

अनुसुची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत कि सं० $37 \frac{$}{5} \frac{$}{5} 462 / 86 - 87$ जो 3 - 10 - 1986 को महायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

नारीख : 27-2-1987

एक्ष्य बार्' ह हो . प्र_ट प्रस्_{वन्य}

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बधीन स्थान

सारत सङ्काड कार्याचय , सङ्गयक नायकर नायुक्त (निरक्किन) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना ,दिनांक 27 फरवरी, 1987

निदेश सं० 37ईई/5101/86-87-- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे तं० 355 हिस्सा नं० 9, 19, 23, 16, 12, 8, 356-12, 1,357-हिस्सा नं०-17, 7, 3, 13, तहसील बसई, जिला थाना है तथा जो बसई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाप्त स्नुसूची में श्रौर पूर्णक्य से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिपक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में ग्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, तारीख 20-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय वाया अदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एंसी किसी बाय या जिली भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अब-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपानं भे मृजिधा है लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री गोबिन्द जीवन गवाड भ्रौर 6 श्रन्य स्राग्री ता० बसई, जि०-थाना ।

(भ्रन्तरक)

(2) माल इस्टेट एण्ड प्रापरटीज प्रा० लि०, 15, यो निधि, एम० बी० रोड, बन्क श्राफ बड़ोदा, णांताऋ व बम्बई-54

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त राम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस इंशारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गण है।

अम्सूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कः० 37ईई / 5101 / 86-87 20-9-1986 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) रैंज,पूना के दक्तर में लिखा गया है।

> श्रंानी कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

नारीख : 27-2-1987

प्रकृष् भाइं दी पुन् । पुस् पुन्नवन्तरम्

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकपु नायुक्त (विद्रामक)

भ्रजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 फरषरी 1987

निदेश सं० 37ईई/3752/86-87-- श्रतः मुझे, श्रंजनी कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उनत निधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्तम प्राधिकारी की यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मृत्य 1,00,000/- रु..से अधिका है

श्रौर जिसकी सं० एम० नं० 195/196, विलेल, चिचल्डा, तह० हवेली, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रौर इससे उपापद श्रानुसूची में श्रौर पूर्णक्प से विणत है), रिजस्ट्रीकत श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रें श्री श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन, तारीख 21-10-86

को पूर्वेक्षित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, देने क्यमान प्रतिफल का क्यह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-जल, निम्नतिवित उव्योध्य से उक्त बन्तरण लिवित मे बास्तविक जय में कथित नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्स वृश्वित्वम की अधीन कर बोने को सन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उसने अपने में सुविधा के दिव्य; मुं≛/या
- िसी पोसी किसी बागू वा किसी धन वा बन्य व्यक्तिकों को जिन्हों भारतीय बाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम वा वक्कर व्यक्तिविवयम, 1957 (1957 का 27) के ब्रुक्तिवार्थ वन्तिही क्वारा प्रकट नहीं किया सवा या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित अधिकतयों, अर्थात् :-- (1) श्री सुन्दर लाल झार महा, 1170/62, शिवाजी नगर पूना-5

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० पूरा कन्स्ट्रक्शनस प्रा० लि०, 619 सदा शिब पेठ, हीरा मोती हाल, नजदीक, विश्राम बाडा, पूना-30

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप 🌫

- (क) पत ज्वा के राज्यक में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीस से 30 दिन की वबींथ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इक ब्रुवा के राजपण में प्रकाशन की तारीचं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध कि की कन्य व्यक्ति इवारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकतें।

स्पच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्त विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगी, जो उस अध्याय में बिया गय हैं।

अनुसूची

जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत सं० क० 37ईई/ 3752/86-87 जो 21-10-1986 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रंजनी कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, पूना

तारीख: 26-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचन।

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, **अं**गलीर

बंगलौर, दिनांक 16 जनवरी, 1987

निदेश मं सी० श्रार० 62/डी० श्रार० 1777/86-87/ए० सी० न्यू०/बी०—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वात्र, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार स्ल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं काट ए-8, 9, 10 व 12 है तथा जो ताल यात्रों तिस्वसडी नालूको, इलहास, गोषा में स्थित है (ग्रांग इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रांग पूर्ण रुप से विणत है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बंगलीय में रिगस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-7-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि मभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में एक एक्यमान प्रान्तित का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिश्तिकों) के जीच एसे अन्तरण के निए तम पामा नमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण संहुइ किसी बाम की बावता, उक्त किम-नियम को नभीन कर दोने के बंतरक के दावित्व में कभी करने या उसले वचने में तुविधा की किए; और/३।
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन वा क्या वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिनित्यम, 1922 (1922 को 11) था उस्क विश्वित्यम, या धन- वर अप्रिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जैतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. कियाने में कृषिधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारत (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1 क भ्रान्ड फ़ासिस्को पालो, मोजा, मचाडो श्रनियास फ़ॉसिस्को सोजा मचाडो, सुपुत्र स्व० क्लोडियो टियोपिलो, डिसीना मघोडो । ख. मारियो लूर्दन प्राक्सेडेन बेवेनुटा ई मचाडो प्रलियाम मारियो मार्टिन्स मचाडो, सुपुत्नी स्व० मिगेल जोश्रा माटिन्स, दोनों घर सं० 131, गौबसावज्रजो, नापूका बोर्डज, गोग्रा मैं निषासी । 2 क विन्सेंट म्रलवारो मोजा मचाडो, श्रलियास श्रलपारो मोजा मचाडो, मुपुत स्व० क्लोडियो टियोपिफमो डिसोजा मचाडो ख. श्रजेल सो जा मचाडो सुप्ती मेन्यूल बोर्गेस, दोनों 'प्रेमवेरा' विल्डिंग, पुराने क्ला, ग्रकादमी के बाजू, पणजी, तिस्वाडी ताल्लुका, गोवा के निधासी । 3क गुईलहर्मे पर्पेटिग्रो हैमिल्टन सोजा मचाडो, सुपुत्र स्व व क्लोडियो टियोपिसो डिमोजा मचाडो । ख मारिया अंटोलंट पियेडाडे द कासेकाओ डिसोजा मचाडो सुपुत्नी वास्तजार डिसोजा, दोनों पी स्रो० सं० 40460, नैरोबी के निवासी 4क. एनासोजा मचाडो ई कास्टा मार्टिन्स, सुपुत्री स्व० क्लाडियो टियोफ़िलो डिसोजा मचाडो । ख. कार्लोस डिकास्टा मार्टिन्स, सुपुत्र एमिलियो विकोस्टा मार्टिन्स, दोनों श्रप्रसोल्ना, माल्सेत, गोवा के निवासी । 5क मारिया एल्सा सोजा मचाडो ई मेनेजस ई०,सू० ्लाडियो टियोपिसो डिसोजा मचाडो खः डी फ्रांसिस्को मेने नस, सुपुत्र क्रिस्तोवम द मेने जस दोनों पणजी, गोवा, तिस्वाडी, तालुक के निवासी 6क. लिलिया पियदाडेलोर्डस मार्टिन्स ई परेरा सुपुत्र स्व० मिग्युएल जोम्ना मार्टिन्स । खाफ़ौस्सिको वीयर फरेरा, सुपुत्र स्व०डा० ग्रालिक्सो फरेरा, दोनों उटोर्डी, मजोडी, साल्सेत, गोचा के नियासी 7क. लुयिजा फ़िसोमिना लुईंस मार्दिन्स ई फनीडिश सुपुत्नी स्व० मिन्यूल जोग्रो मार्टिन्स । खा पालो बैलान फर्नाडीस, सुपुत्र डा० कास्टासियों फर्नाडीस दोनों सं 17/1, सर्पेठाईन स्ट्रीट, रिचमण्ड रोड, बंगलूर मैं निचासी। 8क एवेलीन लूसी मचाडो गोडिन, सुपुत्नी स्व०फ़ांसिस्को मैन्यल सोजा मचाडो खा स्टेन्ले फ़ांसिस गोडिन, सुपुन्न स्व० ई नजरत गोडिन । 9क. लूमिया यूलालियामचाडो ई० प्र गाँका, सूपूर्वी विन्सेंट गेक्रियल सो ा मचाडो, गाव-सावडहो, मपूसा, बार्डे गताल्लुक, गोघा। 10क वास्को मचाडो ब्रगो⊅ा, सुपुत्र स्व० मैन्युल जेवी द ब्रगाजा ख. विगी मेनेजस ई ब्रगाजा, सुपुत्नी श्रंटो-निन्हो, एफ द रोजेरियो, मेनेजस, दोनों गावसाव-ड्डो, मापूकाइ बार्डेज, गोत्रा के नियासी । 11क ईक्षो मचाडो बगाः।, सुपुत्र स्व० मन्युल जैवियर क्रमात्रा, ख. पमेला डिमोजा क्रमाता, सुपुक्षी जोश्रा फ़ांसिस्को डिसोजा, दोनों गानसवजडो मापूका, बार्डेजा, गोषा के निवासी । 12क. मारिया एल्सा मचाडो ई क्रगाजा , सुपुत्नी स्व० त्रिन्सेंट ग्रेबियल

सोजा मचाडो ख. भ्रस्सुन्काभ्रोद क्रगाजा, सुपुत्र स्व० भ्रन्ड्रेएफ व्रगाजा, दोनों मापूका, गोवा के निवासी 13क. मारिया कासेकाग्रो जेवियर डिमे-ल्लो मोजा मचाडो, सुपूत्री फार्सिस्को जैवियर डिमे ल्लो, परिन लियानाडों डिसोजा मचाडो, डानर्डम तालगात्रो, तिस्वाडी तालुका, गोवा । 14क. युमे-लियाना फर्नाडीम ई मार्टिन्स, सुबुक्षी मिग्यू एला फनडिसि भ्रीर पत्नि स्व० जोस फ्रांसिस्को मार्टिन्स कराजास्रोम, क्रिकाडी ताल्लुक, गंवा 15क काईटानो माटिन्य, सुपुत्र जोग फ़ॉसिस्को मार्टिन्स । ख. मौरिसिया धमरालई० माटिन्स, सुपूत्री अमीडी श्रमराल, दोनों कराजलेम, तिस्वाडी, ताल्लुका, गोवा के निवासी। 16क. क्यरोबिनो मार्टिन्स, सुपूत स्व० जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स ख. लाविनिया लोपस सुप्रती कार्मोलोपस, दोनों फ्लेट सं 3, 1,फ्लोर "मेरिगोल्डॅ दिल्डिंग, सेंट इनेज, पणजी, गोवा के निवासी । 17. मिग्युएल जोग्रा मार्टिन्स, सुपूत्र स्व० जोस फ़ॉसिस्को मार्टिन्स, लैण्डलार्ड, कारा**जाले**म तिस्वाडी तालुक, गोवा । 18. फर्नाडी लार्डस मार्टिन्स सुपुत्र स्व० जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स, लैण्डलार्ड, का जालेम, तिस्वाडी, तालुक, गोवा । 19. फांसिस्को जेवियर मार्टिन्स, सुपुत स्थ० जोस फ्रांसिस्को मार्टिन्स काराजालेम, तिस्वाडी तालुक, गोवा 20. श्रंटोनिया मार्टिन्स, सुपुत्र स्व० जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स, लैण्ड लार्ड, कराजालेम, तिस्वाडी तालुक, गोवा । 21 मरिक्विन्हास मार्टिन्स ई कारवालहो, सुपुत्नी जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स ख. ग्ररविन्द कारवास्हो, सूपूत पालो **क्**लेमेंटा कारवास्हो, कासा**जि**म, मर्मगोग्ना ताल्लुका, गोवा। 22क. ऐलिस मार्टिन्स ई लोपस सुपुत्री स्व० फ़ांसिस्को े मार्टिन्स ख. श्रास्कर लोपस सुपुत्र जोस लोपस, दोनों चिनचनि, सा तस्त, गोवा के निवासी । 23क लार्डस मार्टिन्स ई इयास, सुपूती जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स ख. रात्फ डयास, सूपूत चार्स्स डयास, दोनों बान्द्रा, बम्बई के निवासी । 24. फार्तिमा मार्टिन्स, सुपुत्री स्व॰ जोस फ़ांसिस्को मार्टिन्स, कराजालेम, तिस्वाडी तालुक, गोवा के निवासी 25. श्राल्कन रियल एस्टेटस प्रा० लि० पंजीऋत कार्यालय, वेल्हो बिल्डिंग, पणजी, गोवा।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स वी० एन सलगावकर एण्ड अक्ष्म (प्रो०) लि० सलगावकर हाउस, एफ० एल० गोम्स, रोड, पी०बी० सं० 14, वास्को-डी-गामा, गोम्ना ।

(भ्रन्तरित्ती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) क्ष्य सूचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की संविध, को भी
 जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्ड
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना को राजपण में अकाकन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास चित्रिक में किए था स्केंचे 1

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रथम्य बन्दों बीर पदों का, को उक्त विभीनयम के बन्धाय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बन्धाय में विका ववा हैं।

अनुसूची

(दस्तावेष सं॰ 1375/86-87 तारीख 30-7-86)

तालगावो ग्राम में जिला गोवा, उप-जिला इस्हास तिस्वाडी सालुका नाम्लैगावो ग्राम पंचायत की सीमाऐं के ग्रन्दर स्थित काट सं० ए० है 8, ए-9, ए 10, ए-12, की संपत्ति का वह समर ग्रंश व भाग जो 2500 वर्ग मीटर नाप वाली है ग्रीर दिनांक 7-6-1986 के करार पन्न के साथ संलग्न ग्रनुसूची में ग्रीर ग्रधि-विस्तार से वर्णित है।

भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज बंगलीर

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति ⊁ेअर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं। 1<u>द</u>्द12—6GI/87

तारीख: 16--1987

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th December 1986

No. A. 32014/1/86-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following regular Section Officers of the CSS Cadre of the UPSC to officiate as Dosk Officers on adhoc basis for the period indicated against each or until further orders, which ever is earlier:—

S1.	Name		 		Period
1,	N.K. Dhingra		,		25-11-86 to 14-01-87
2.	Y.P.Dabas				26-11-86 to 09-01-87
3.	Anil Kumar				26-11-86 to 09-01-87
4.	O.P.Kautia				26-11-86 to 09-01-87
5.	Hukam Chand				26-11-86 to 09-01-87
6.	Puran Chand (SC	')			26-11-86 to 09-01-87
7.	T. Lugun (ST)				26-11-86 to 09-01-87
8.	Smt. P. Kautia (S	SC)			11-10-86 to 31-12-86
9.	K.V. Mathew				10-11-86 to 31-12-86
10.	Krishan Lal I	-			26-11-86 to 31-12-86
11.	S.K. Arora		 	•	10-11-86 to 31-12-86

The 29th January 1987

No. A,32014/1/86-Admn.III(i).—The President is pleased to appoint Smt, Bharati Sridhar and Shri Jarnail Singh regular Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officinte as Section Officer on ad-hoc basis w.e.f. 22-1-87 for a period of 45 days or until further orders, whichever is earlier.

The 6th February 1987

No. A.12025(ii)/1/85-Admn.III.—Consequent on his having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officer on the basis of Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1985 vide Department of Personnel & Training O.M. No. 5/8/86-CS(I) dated 28th October, 1986, the President is pleased to appoint Shri Surinder Kumar (Rank-49) a Stenographer Grade 'B' of the Ministry of Finance, Department of Revenue to officiate as Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 30-1-87 until further orders.

2. This appointment shall be subject to the decision of the court case pending before the Central Administrativ. Thebunal, New Delhi-Mahesh Kumar Vs. U.O.I. T. No. 420/85

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BURFAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 9th March 1987

No. A-31014/13/86-AD.I(DPC).—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Sr. Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Grade-II) in the pay scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi on regular basis with effect from 28-1-1987.

D. P. BHALLA, Admn. Officer (E) /C.B.L.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi-110011, the 10th March 1987

No. 11/5/84-Ad.1.—In continuation of this office notifications of even number dated 29-7-1986, the President is pleased to appoint by promotion, the undermentioned Assistant Director of Census Operations/Assistant Director of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Conuss Operations in the office as mentioned against their nameson a purely temporary and adhoc basis for a further period of 4 months w.e.f. 1-3-1987 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

	Sl. No.	Name of Officer		Office in which working/Headquar- ters
•	1.	Shri C.D. Bhatt, ADCO	•	Directorate of Census Operations (DCO), Chandigarh UT, Chandigarh,
	2.	Shri S.L. Bahl, ADCO		DCO, Haryana, Chandigarh.
	3.	Shri D.N. Mahosh, ADCO(T)		DCO, Bihar, Patna
	4.	Shri M. Nagappan, ADCO(T)	•	DCO, Tamil Nadu, Madras.
	5.	Shri D.P. Khobargade ADCO(I ⁻) .	DCO, Meghalaya, Shillong,

The 12th March 1987

No. 11/91/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Sagar, un officer of the Union Territory cadre of the Indian Administrative Services and presently holding the rost of Administrator, Union Territory of Lakshadweep, as Director of Census Operations, Lakshadweep in an exoflicio capacity w.e.f. the afternoon of 9th July, 1985, until further orders.

The Headquarters of Shri Sngar will be at Cochin.
V. S. VLRMA, Registrar General, India.

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 4th March 1987

No 7(67)/8769.—In continuation to this Office Notification No. AD-8/1808 dated 2-6-1986, the ad-hoc appointment of Shri N. S. Pillai as Administrative Officer in the Scale of Pay Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 is hereby extended for a period of 6 months from 2-12-1986 or till such time the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES—I

New Delhi-110002, the 9th February 1987

No. Admn.-1/O.O. No. 289.—In accordance with the decision contained in Comptroller & Auditor General's Office letter No. 1569-G.E.1/37-84 dated 20-11-84 and as clarified vide his letter No. 351-N-III/57-84/dated 29-1-87 of the Director of Audit, Central Revenue-I. New Delhi is pleased to order pro forma promotion under NBR of Shri B. P. Gupta and Sh. R. P. Parashar. Section Officer of this office to the grade of Assistant Audit Officer (Group B-Gazetted) in the time scale of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-1040 with effect from 1-3-1984 (FN) until further orders.

(Sd) III.FGIBIF Dy. Director of Audit (ADMN).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 5th March 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/3444.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint the following Section Officers (Audit) as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted Post carrying the scale of pay

- in a temporary and of Rs. 2000-60-2300-E.B.-75-3200/-) officiating capacity with effect from the forenoon of 5-3-1987.
 - 1. Shri Kalyan Das.
 - 2. Shri Bhupal Chandra Chaudhury.

Their promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the Central Administrative Tribunal, Calcutta,

The Officers will have to exercise option within one month, in terms of para 2(b) of Government of India, M.H.A. O.M. dated 26-9-1981, for either to fix their pay under F.R. 22(a) (i) on the date of promotion and then under F.R. 22 from the date of payt incompany in the large part of F.R. the date of next increment in the lower post or under F.R. 22C on the date of promotion straightway.

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNT DEPARTMENT OFFICE OF THE CNTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 5th March 1987

No. AN/I/1150/1/Vol. VII.—On the basis of the results of the Civil Services (Main) Examination, 1985 held by the Union Public Service Commission, the President is plased to appoint the following individuals as the Probationers in the Indian Defence Accounts service, with effect from the dates shown against their names :-

SI. No.	Name	Date of appointment
1.	Kum. Rasika Bhargaya	. 25-08-86 (FN)
2.	Shri Sanjeev Kumar	. 02-01-87 (FN)
3.	Shri Rabi Narayan Dash .	. 25-08-86 (FN)
4	Shri Shiy Murari Sahai.	. 29-12-86 (AN)
5.	Shri Jagjit Singh Arya	08-09-86 (FN)
6.	Shri Avinash Dikshit	. 29-12-86 (FN)
7.	Kum, Anuradha Srivastava.	. 22-12-86 (FN)
8.	Shri S. Srinivas Prasad .	. 05-01-87 (FN)
9.	Shri Rakesh Sehgal	. 29-12-86 (FN)
10.	TO A TO COMPANY	. 29-12-86 (FN)
11.	Shri Saroi Kumar	15-12-86 (AN)
	Shri Mal Singh	. 18-12-86 (FN)

No. AN/I/1173/1/Vol.III.—The President is pleased to appoint Shri K. Radhakrishnan, an officer of the Indian Defence Accounts Service, presently on deputation as Controller nence Accounts service, presently on deputation as Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, New Delhi, to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (scale Rs. 2000-125/2-2250) (pre-revised) of the Service, with effect from 1st January, 1986 under 'Next Below Rule' and until further

No. AN-I/1173/1/Vol.III.—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (scale Rs. 2000-125/2-2250) (pre-revised) of that Service, with effect from the dates shown against their names, and until further orders :-

Name of the Officer Date SI. No. S/Shri

1. P. R. SIVASUBRAMANIAN 01-01-86 (FN). 2. A. M. SRIVASTAVA 01-02-86 (FN). 3. V. K. BHANDARKAR 25-02-86 (FN).

4. NATARAJAN GOPALAN 09-05-86 (FN).

D. K. CHET SINGH, Additional Controller General of Defence Accounts (Administration)

CONSULATE GENERAL OF INDIA

New York, the 23rd December 1986

No. NYCG/Adm/586(7)/86.—On transfer from the Consulate General of India, Chicago Shri P. A. Nazareth re-linquished charge of the post of Consul General of India, Chicago on the afternoon of 25 August, 1986 and assumed charge of the post of Consul General of India, New York on the afternoon of 2nd September, 1986.

A. BEURIA Consul & Head of Chancery

MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 2nd March 1987

No. 3/87/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals against existing vacancies, without effect on seniority in grades and on dates shown against

- 1. Shri Shiba Pada Chowdhury, Offg. Assistant, Offg. Assistant Staff Officer From 4-2-87 (AN) until further orders.
- 2. Shri Sisir Kumar Sur, Offg. Assistant Offg. Assistant Staff Officer From 4-2-87 (AN) until further orders.
- 02. The above promotions shall abide by the result of th appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
- 03. The above officers will be on probation for two years w.e.f. 4-2-87.
- 04. Shri Sisir Kumar Sur assumed the higher duties as ASO w.e.f. 4-2-87, Shri Shiba Pada Chowdhury assumed the higher duties as ASO w.e.f. 5-2-87.
- 05. The promotion of Shri Sisir Kumar Sur is purely in an officiating capacity.

No. 4/87/A/E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, the following Officers retired from service w.e.f. 28-2-87 (AN):—

- (1) Shri N. K. Chakraborty, Offg. Assistant Staff Officer, (Subs. and Pmt. U.D.C.).
- (2) Shri Sankar Lal Mondal, Offg. Assistant Staff Officer, (Subs. and Pmt. Asstt).
- (3) Shri Rabindra Lal Chowdhury. Offg. Assistant Staff Officer, (Subs. and Pmt. Asstt.).

S. DASGUPTA DDGOF/ADMIN. for Director General Ordnance Factories.

Calcutta-700001, the 3rd March 1987

No. 5/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri G. Chatterjee, DDGOF Level I (Subst & Pmt. ADG/GM Gr.II/Dy. G.M.) refired from service with effect from 28th Feb. 1987 (AN), holiday. His name has been struck off from the strength of IOFS with effect from the same date.

> M. A. ALAHAN Jt. Director (G). for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta-1, the 4th March 1987

No. 6/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri P. K. Gupta, Offg. Jt. Director (Subst. & Permt. Dy. Director) retired from service with effect from 28th February, 1987/AN (Holiday).

M. A. ALAHAN Jt. Director (G).

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd March 1987

No. A-19018(768);/84-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri C. V. Sastry, Small Industry Promotion Officer (Industrial Management and Training) Small Industries Service Institute, Cuttack as Assistant Director (Grade I) (Industrial Management and Training) at Small Industries Service Institute, Goa with effect from the forenoon of 27-1-1987 until further orders.

The 5th March 1987

No. 12(484)/65-Admn.(G)Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri Kamal Kapoor, Deputy Director (Industrial Management and Training) Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi as Director (Grade II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Karnal on adhoc basis with effect from the afternoon of 3-2-1987 until further orders.

No. A-19018(550)/81-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri N. K. Bhatnagar, Director (Gr.II) (Production Index) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 31-1-1967.

The 10th March 1987

No. 12(623)/69-Admn.(G) Vol.II.—On attaining the age of superannuation, Shri B. M. Sharma, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management and Training), Small Industries Service Institute, Indore from Government service with effect from the afternoon of 31-1-1987.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 27th February 1987

No. A-11/(1043).—Shri Sadhu Ram, permanent Junior Progress Officer and officiating as Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the Directorate General of Supplies and Disposals is retired from Government service under the provisions of clause (j) of Rule 56 of Fundamental Rules with effect from the forenoon of 26th February 1987.

V. SAKHRIE Dy. Director (Admn.) For Director General of Supplies & Disposals.

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 4th March 1987

No. A-17011/20/71-A. 6.—The President is pleased to appoint Shri M. Gangaraju, Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of the Engineering Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Director of Inspection (Grade I of the Indian Inspection Service. Group 'A') in the scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 28th January, 1987 until further orders.

2. The appointment of Shri M. Gangaraju as Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') is subject to the outcome of the three LPs bearing Nos. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by the Union of India in Delhi High Court and Writ Petition Nos. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Anand, Deputy Director of Inspection, in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are still pending in Delhi High Court,

3. Shri M. Gangaraju who was on deputation in Tamil Nadu Small Industries Development Corporation Limited., Madras relinquished charge of the post of Additional Manager (Marketing) in that office on the afternoon of 1986 and assumed charge of the post of Director of Inspection at Headquarters, DGS&D., New Delhi on the forenoon of 28th January, 1987. He proceeded on 33 days Earned Leaves from 22-12-86 to 23-01-1987.

The 10th March 1987

No. A-17011/312/86/A-6.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. K. Aggarwal as Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the Engineering Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 2nd February, 1987 and until further orders.

2. Shri R. K. Aggarwal assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in this office at Headquarters on 2-2-1987 (FN).

3. Shri Aggarwal will remain on probation for a period of two years.

R. P. SHAHI Dy. Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 2nd March 1987

No. 1624B/A-19011(2-DB)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri Devanoori Bhanumurty to the fost of Geophysicist (Sr.) (Insttn.) in the G.S.I., on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity w.e.f. 1-1-87 (FN), until further orders.

The 9th March 1987

No. 1745B/A-19012/(2-AKG)/86-19B.—The President is pleased to appoint Shri Anup Kr. Ghosh Asstt. Geophysicist (Insttn.), G.S.I., to the post of Geophysicist (Jr.) (Insttn.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity w.c.f. 26-11-86 (FN), until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

Calcutta-16, the 4th March 1987

No. 1656B/A-32013/1-Sr.DDG(Oprn.)/86-19A.—The President is pleased to appoint Shri B. M. Hukku, Deputy Director General (Geology), Geological Survey of India, on promotion as Senior Deputy Director General (Operation) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2500—125/2—2750/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th January, 1987, until further orders.

N. K. MUKHERJEE Sr. Dy. Director General (Oprn.)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th March 1987

No. A-19011/58/86-Estt.A.PP.—On his retirement after attaining the age of superannuation Shri S. N. Chattopadhya. Chief Ore Dressing Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st March, 1987 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 5th March 1987

No. A.19012/(17)/85/Estt.ACol. II.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Mrs. M. N. Gnikwad, Asstt. Research Officer (OD) Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 20th February, 1987.

The 6th March 1987

No. A-19011(353)/84-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Alok Bihari Panigrahi has been appointed to officiate in the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines with effect from the foregoes of 10th Enhancement 1007 with effect from the forenoon of 19th February, 1987.

> G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer, for Controller General.

Nagpur, the 4th March 1987

No. A.19012(217)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri A. K. Ghoshal, Senior Technical Assistant (G), Indian Bureau Ghoshal, Senior Technical Assistant (G), of Mines has been appointed to officiate in the post of Assistant Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 30-1-1987.

The 10th March 1987

No. A.19012(218)/85-Estt.A.—The Controller Indian Bureau of Mines is pleased to accept the resignation of Capt. Radha Krishna Bhatt, Assistant Administrative of Capt. Radha Krishna Bhatt, Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 20th February, 1987. Accordingly, the name of Capt. Radha Krishna Bhatt is struck off from the strength of this Department w.e.f. 21-2-1987 (F/N).

> P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines.

SURVEYOR OF INDIA

Dehra Dun, the 10th March 1987

No. EI-15/P.F.—The resignation tendered by Shri Sudhir Kumar Sharma from the post of Officer Surveyor in Survey of India with a view to enable him to join the post of Assistant Lecturer in Engineering and Surveying in the Forest Rangers College, Balaghat (a Branch of Forest Research Institute & Colleges, Dhradun) is hereby accepted with effect from the afternoon of 31st October, 1980.

> G. C. AGARWAL Major-General Surveyor General of India.

MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 9th March 1987

No. A.38019/II/83-E.I.—Shri S. Raghavendran, Director, Office of the Director General of Meteorology, New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service on 31-1-1987 on attaining the age of superannuation.

> SAHA Director (Establishment) for Director General of Meteorology

New Delhi-3, the 5th March 1987

No. A.12039/3/86-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of the dates indicated against their names and until further orders:

- 1. Shri M. K. Gupta-24-9-1986.
- 2. Shri Satish Bhatia-24-9-1986.
- 3. Shri D. P. Mishra-25-9-1986.

No. A.12039/3/86-E.I.—The President is pleased to appoint the following as Meteorologist Grade II in the India Meteorological Department in a temporary capacity effect from the forenoon of the dates indicated against their names and until further orders:-

S/Shri

- S. L. Singh—24-9-1986.
 V. K. Gupta—24-9-1986.
 Dr. A. K. Shukla—24-9-1986.
 M. Rajeevan—25-9-1986.

- S. K. Roy Bhowmik—24-9-1986. Shri G. Sudhakar Rao—25-9-1986. Akhilesh Gupta—25-9-1986.
- G. Srinivasan-24-9-1986.
- 9. P. K. Nandankar-26-9-1986.

S. D. S. ABBI Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th February 1987

No. 1(2)/86-S. II.—The Director General, All India Radiois pleased to appoint the following Head Clerks/Accountant/ Sr. Storekeeper to the post of Administrative Officer in All India Radio on regular basis in the pay scale of Rs. 2000-60 2300-EB-75-3200 with effect from the dates shown against each.

S. Name No.	Station where I posted as Admn. Officer	Date of appointment as Admn. Officer
S/Shri		
1. A.N. Majumdar	A.I.R., Nagpur	18-11-86 (A.N.)
2. B.K. Biswas	A.I.R., Kurseong	30-9-86 (F.N.)
3. R.M. Rastogi	A.I.R. Varanasi	14-8-86 (A.N.)
	away from Head-	
[발명화] 한 설 중 역	quarter.	

2. The above mentioned persons have assumed the charge as Administrative Officers on the dates mentioned against each under column 4 above.

> ASHUTOSH PURI. Deputy Director of Administration For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 006, the 5th March 1987

No. 2/4/68-Est.I.—Consequent on attaining the age superannuation Shri S. P. Chandramohan relinqui superannuation Shri S. P. Chandramohan relinquished charge of the post of production Manager in Films Division, Bombay in the afternoon of 28th February, 1987.

> V. R. PESWANI Asstt. Admiinstrative Officer. for Chief Producer.

CENTRAL RESEARCH INSTITUTE, KASAULI (DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SÉRVICES)

New Delhi, the 11th March 1987

No. 25-22/68-Admn.—On attaining the age of superannuation, Shri Pritam Singh, permanent Stores Officer, in the Central Research Institute, Kasauli, retired from Service with effect from the 28th February, 1987 afternoon.

> S. N. SAXENA Director.

MINISTRY OF AGRICULTURE & CO-OPERATION (OFFICE OF THE CENTRAL INSTITUTE OF COASTAL ENGINEERING FOR FISHERY)

Bangalore-52, the 4th March 1987

No. A-19(15)/2/2/87-CEF.—Shri C. S. Sripada Rao Pmt. Section Officer, Office of the Accountant General (A&E), Karnataka, Bangalore is appointed as Administrative Officer in the Central Institute of Coastal Engineering for Fishery, Bangalore in the scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200 on the recommendation of Union Public Service Commission on deputation basis on the terms and conditions mentioned in the offer of appointment letter No. A.35(17)/87-CEF dated 27-1-1987 with effect from 4-3-1987 forenoon until further orders.

N. P. BHAKTA Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400085, the 6th March 1987

Ref. No. DPS/41/2/85-Adm./9932.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shrikant Bhikaji Sawant, a permanent Store-keeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000—60—23(a)—LB—75—3200—100—3500 from 27-1-1987 (FN) to 27-2-1987 (AN) in the same Directorate vice Shri M. Raju, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI Adm. Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 3rd March 1987

No. A. 32013/6/86-E.I.—The President is pleased to appoint S/Shri F. C. Sharma and B. K. Joshi, Senior Scientific Officers presently working as Dy. Director (Research and Development) in the scale of Rs. 1500—1800/- in the Civil Aviation Department, on regular basis, from 30-1-1987 (AN), until further orders.

P. S. RADHA KRISHNA Deputy Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 12th January 1987

No. A.19011/37/86-EH(A).—On attaining the age of superannuation Shri J. S. Tuli, Director of Administration (a CSS Selection Grade Officer) on deputation to National Airports Authority, stands retired from this office w.e.f. 31-12-1986.

M. BHATTACHARIFT Dy. Director of Administration

CENTRAL FXCISE COLLECTORATE

Indore, the 11th March 1987

No. 3/87.—The following Superintendents of Central I/x-cise Grade 'B' of Central Excise Collectorate, Indore having attained the age of superannuation retired from Governmen, service on the dates as shown against each:—

S. No., Name of the Officer and Date

S/Shri

- 1. Niranjan Singh-28-2-87 (AN)
- 2. R. S. Reel-28-2-87 (AN).

No. 4/87.—Shri K. M. Abraham, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Indore Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service on 31-1-1987 in the afternoon.

S. V. RAMAKRISHNAN Collector

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 9th March 1987

No. 3-768/86-CH(Estt).—Shri Janak Ram Verma is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, North Central Region, Bhopal with his Headquarters at State Unit Office, Raipur w.e.f. 15-12-1986 (FN), till further orders.

No. 3-766/86-CH(Estt).—Miss Anuradha Bhatia is appointed as Asstt. Hydrogeologist. G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with her Headquarter at North Central Region, Bhopal w.e.f. 20-1-87 (FN), till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 5th March 1987

No. 32/3/85-EC11.—On attaining the age of superformation, the following officers of CPWD belonging to the CE&MES Group 'A' and working as EE(E) in the office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names:—

S. Name of the No. Officer	Date of requirement	Last posting station and designation
S/Shri		
1. T.N. Kachroo	30-9-86 (AN)	SW VI (Elect.),
i i		New Delhi.
2. P.D. Chowdhary .	31-10-86 (AN)	EE(E), PWD
	•	(Elect.), DAZ-II
		New Delhi.
 K. Balakrishnan 	30-11-86 (AN)	EE(E), Trivandrum
1		Cent. Elect. Divn.
		Trivandrum.
4. A.G. Chatterjee .	30-11-86 (AN)	EE(E), Calcutta
		Central Fleet, Divn.
		III, Calcutta.

No. 32/3/85-ECII.—On attaining the age of Superannuation the following officers of CPWD belonging to CES Group 'A' and working as Executive Engineer (Civil) in the office mentioned against each have retired from Govt, service with effect from the dates indicated against their names:—

S. No	Name of the Officer	Date of retirement	Last posting Station and designation
1	2	3	4
,	S/Shri		
١.	K. G. Gupta .	30-9-86 (AN)	SW (Food), New Delhi.
2.	A. C. Malhotra .	31-10-86 (AN)	EE(C), D.C.C.I., Now Delhi.

I 2	3	4
3. S.L. Gupta.	. 31-1-87 (AN)	EE(C), PWD Divn. III Dolhi Admn. New Dolhi
4. P.L. Antony	31-1-87 (AN)	Valuation Officer, Cochin.
5. A.K. Banerje	28-2-87 (AN)	Valuation Officer- VIII Calcutta.
6. D. Barman .	. 28-2-87 (AN)	SW, Assam Cent. Circle Gauhati.
7. Baldev Suri	. 28-2-87 (AN)	EE (Trgn). New Delhi,

USHA NIGAM

Dy, Director of Administration

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s, Resneh International Private Limited

New Delhi, the 17th February 1987

No. 11931/5547.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the the name of M/s. Resuch International Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

T. P. SHAM!
Asstt. Registrar of Companies
Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhal Medical Rehabilitation House Private Ltd.

New Delhi, the 3rd March 1987

No. 14729/2442.—Notice is hereby given pursuant to subection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bhai Medical Rehabilitation House Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Asstt. Registrar of Companies
Delhi and Haryan:

Ernakulam, the 6th March 1987

No. 1759/Liq/560(4)/1334/87.—Whereas Apana Savings Loan Corporation Private Limited (In Liquidation) having its registered office at Kunnamkulam, Trichur is being wound up

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts (return) required to be made by the Liuidator has not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiry of three months from the date of this notice the name of Apana Saving I can Corporation Private Limited will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

V. A. VIJAYAN MENON Registrar of Companies Kerala

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 28th January 1987

Ref. No. 19/1986-87.-Whereas, I,

T. GORAKNATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective housing a fair market value avacation.

ns the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land with structures situated at Vengalapuram. Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adoni on 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Adoni Tin Industries, represented by the Managing Partner. Shri T. G. Suryanarayana S/o Shri T. G. Prahlada Setti, R/o M. No. 19/419, Municipal Main Road, Adoni (Kurnool District).

(Transferor)

(2) M/s, T. G. I. Quick Foods Ltd., Represented by the Managing Director, Shri T. G. Lakshminath, S/o Shri T. G. Vasantha Gupta, R/o D. No. 19/439/1. Victoria Pet, Adoni (Kurnool District).

(Transferee)

(4) M/s. Adoni Tin Industries, represented by the Managing Partner, Shri T. G. Suryanarayana S/o Shri T. G. Prahalada Setti, C/o M. No. 19/419, Municipal Main Road, Adoni (Kurnool District).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respentive nersons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2-01 acres i.e., 0.8134 hectares (9755.34 sq. yds i.e., 8160 sq. mts.) out of the extent of 5-65 acres i.e. 2.29 hectares in Survey No. 139, Village: Vengalapuram, Faluk: Adoni, District: Kurnool, Andhra Pradesh.

In the above land there are four mud type construction of houses as detained below:

- Land measuring 2-01 acres i.e. 0.8134 hectares located in survey No. 139, Village: Vengalapuram, Tq. Adoni, Dist. Kurnool.
- Adoni, Dist. Kurnool.

 2. One mud house stituated within the above land total area 240.73 sq. fts. i.e. 74.62 Sq. Mtrs.

 3. One mud house situated within the above land total area 301.56 sq. fts. i.e., 93.48 sq. mtrs.

 4. One mud house situated within the above land total area 263.31 sq. fts. i.e., 81.62 sq. mts.

 5. One mud house situated within the above land total area 387 sq. fts. i.e. 11.99 sq. mtrs.

- area 387 sq. fts. i.e., 11.99 sq. mtrs.

All these above houses are situated in the above schedule land at Survey No. 139 and the door number mentioned on the main gate XIX Ward, Door No. 63 and present 16 Ward, Door No. 59, registered by the Sub-Registrar, Adoni-vide document No. 2071/86.

> T. GORAKNATHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad /A. P.

Date: 28-1-1987

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 10th March 1987

Ref. No. 20/1986-87.—Whereas, I,

Ref. No. 20/1986-87.—Whereas, I, F. GORAKNATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. site situated at D. No. 7-5-6, Visakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 7/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namely:—
13—6 GI/86

(1) Shrimati Mandalika Kamala Kumari W/o Shri M. Vishnu Murthy, R/o D. No. 16-1-12, Maharanipeta, Visakhapatnam-530002.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Constructions, Repesented by Managing Partner, Shri J. L. Tatiya S/o late Muralidhar, R/o D. No. 18-1-65/8, K. G. H. Down Road, Visakhapatnam 530002.

(Traneferec)

(4) M/s. Amar Construction,
A Real Estate Dealing in residential flats,
Visakhapatnam,
represented by Shri Amar Singh & 9 others.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant site admeasuring 1306.66 sq. yds. (1092.5 sq. mtrs.) in Block No. 39, T. S. No. 1008, situated at Pandurangapuram Lay Out, near to D. No. 7-5-6 of Waltair Ward, Rama Krishna Beach Road, Visakhapatnam, registered vide document No. 5795 of 1986 dated 15-9-1986 before the Joint Sub-Registrar, Visakhapatnam (A. P.).

T. GORAKNATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 10-3-1987 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 19th February 1987

Ref. No. CHD/21/86-87.—Whereas, I,
M. N. A. CHAUDHARY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tux Act, (1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
House No. 307, Sector 35-A situated at Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigarh in August, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeskid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. B. K. Kaushal s/o Sh. N. R. Kaushal and Mrs. Raj Kaushal w/o Sh. B. K. Kaushal, R/o House No. 340, Sector 35A, Chandigarh, (Transferor)
- (2) Shri Hari Singh soo Shri Gian Singh, r/o House No. 3133, Sector 21-D, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 307, Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 712 of August, 1986 of Sub-Registrar, Chandigarh).

M. N. A. CHAUDHARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 24th September 1986

Ref. No. L. C. 804/86-87.—Whereas, I, H. V. UPADHYAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Palarivattom (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappally on 5-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid averaged the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Dr. Francis Manjooran and Mrs. Alice w/o Dr. Francis Manjooran,
 Mukthiar Agent Shri George Pulickal, Lulickan House, House No. 12/1398, panayappilli, Cochin-5.
- (Transferor)

 (2) Dr. Peter John, M.D. & Mrs. Dr. Anne John,
 Vila Veed, Kakkottumoola, Mayyanad, Quilon.
 P. O. Box 2267, ARAMCO, DHAHRAN,
 SAUDI ARABIA.

(Traneferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

33,818 cents of land with building in Sy. No. 130/19A and 130/19AB as detailed in the Doc. No. 2482 dated 5-7-86 of Sub-registry Office, Edappilli.

H. V. UPADHYAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 24-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NARAYANI NILAYAM, WARRIAM ROAD ANAND BAZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 24th September 1986

Rel. L. C. No. 805/86-87.—Whereas, I, H. V. UPADHYAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Shertalai North (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Alleppey on 2-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mi. Ajaikumar Morarka, R/o 28/333, Panampilli Nagar, Cochin-16.

(Transferor)

(2) Shii P. J. Joseph, Partner for M/s. Matha Coconu Complex, Pattara Bunglow, Muhamma P.O. Alleppey. (Transferee) M/s. Matha Coconut Complex,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.3 Acres of land in Shertallai North Village in Sy, Nos. as detailed in the Doc. No. 2146 of sub-registry Office, Alleppey.

> H. V. UPADHYAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-9-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 16th Febuary 1987

Ref. No. C.A. 24/86-87/Sl.-1279.—Whoreas, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. — and bearing No. 16/1, situated at Dr. U.N. Brahmachari Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u./s. 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 24 dated 2-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Dil Ranjan Josse, Chittaranjan Josse, Monoranjan Josse, & Smt. Kalyani Devi Josse.

(Transferor) (2) M/s. D. & D. Co-operative Housing Society Ltd. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as wiven in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that two storied brick built-dwelling house with one storied out houses together with the piece or parcel of revenue redeemed land there on containing an area of one bigha tour cottahs 2 chittacks 35 sft. more or less lying at premises No. 16/1, Dr. U.N. Brahmachari Street, Calcutta. Registered before the Competent Authority, I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No. C. A. 24 dated 2-7-386 2-7-86,

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 16-2-1987

(1) M/S. Jardine Henderson Ltd.

(Transferor)

(2) M/S. Nandanan Estate Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

> > Calcutta, the 27th February 1987

Ref. No. AC-77/R-II/Cal/86-87.--Whereas, I, I, K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Penn Rd. Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u.s. 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 9191/86 dated 11-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

12420 sft. situated at 4, Penn Rd., Cal. More Particularly described in deed no 9191 dt. 11-7-86 registered by the R. A. Cal.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

J. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 27-2-1987

(1) British Airways Public Ltd. Co.

(2) Tejpur Vanijya Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Calcutta, the 27th February 1987

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AC-78/R-II/Cal/86-87.—Whereas, J, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 32A, situated at New Rd., Ca. tand more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred, and conjectured with the Computent

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the soid Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EE/94/R-II /Cal./86-87 dated 30-7-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided 1-4th share in the land building measuring an area 1B. 5K 7ch. 32 sft. situated at 32A, New-Rd, Cal. more particularly described in deed no. 37EE/94/R-II/Cal./86-87 registered by the competent Authority on 30-7-86.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 27-2-1987

(1) Renox Commercial Limited.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Surendra Nath Sen.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 16th Febuary 1987

Ref. No. AC-79/R-II/Cal./86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Raja Santosh Rd. Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with Rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 37EE/84/86-87 dated 257-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2294 sft. situated at 8, Raja santosh Rd, Calcutta. More particularly described in deed no. 37EE/84/86-87 registered by the Competent Authority on 25-7-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 27-2-1987

- (1) Mr. Sushil Krishanlal Marwah.
- (Transferor)
- (2) Universal Lug age Mfg. Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th Febuary 1986

Ref. No. AR-III/37EE/41208/86-87.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 12, Marwah Indl. House, Marwah Estate, Saki

Vihar Rd, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

14---6 G1/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, Marwah Indl. House, Marwah Estate, Saki Vihar Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/41208/86-87 dated 1-7-1986

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 10-2-1987

Scal:

(1) Smt. Shakuntala G. Prabhudesai & Ors (Transferor)

(2) M/s. S. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th Febuary 1986

Ref. No. AR-III/37EE/40620/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 95, H. No. 2 (p) ward Nos. P-2067 to 2069 Goregaon(E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfereed and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land bearing S. No. 95, H. No. 2 (p) ward Nos. P-2067 to 2069 Goregaon (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/40620/86-87 dated 1-7-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-2-1987

- (1) Shri Manmohan Narendarsingh Walia
- (Transferor)
- (2) M/s Shri Jalaram Const. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR-III/37EE/40747/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Lend bearing CTS No. 396, 396/1 to 396/59 and S. No. 194(p) H. No. 31, 31A, 31B, 31AC and 31AD, Bhandup.

Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing CTS No. 396, 396/1 to 396/59 and No. 194(p) H. No. 31, 31A, 31B, 31AC and 31AD, Bhandup, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/40747/86-87 dated 1-7-1986.

> A. PRASAD Competent Authors Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1987

Scal:

(1) M/s. Basant Vikus Developers.

(Transferor)

(2) L. C. Bakhru HUF.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.III/37EE/40175/86-87.—Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 1, 1st floor Vasant Vihar Commercial Centre.
Near Basant Talkies, Chembur, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inconey or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this sold Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 1, 1st floor Vasant Vihar Commercial Centre, Near Basant Talkies, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/40175/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-2-1987

(1) Mu's Loonkar Builders

(Transferor)

(2) Smt. Kusumben A. Vadodaria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.III/37EE/40907/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 518, 5th floor Swastik Chambers, Swastik Mill Compound Near Jumbo Ice-Cream, Jn. of CTS Road & Sion Trombay Road Chembur, Bombay-71 situated at Bombay 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 518, 5th floor Swastik Chambers, Swastik Mill compound Near Jumbo Ice-Cream, Jn. of CTS Road Sion Trombay Rd. Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/40907/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1987

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Margarate Salis

(Transferor)

(2) Smt. Kalpana Ramesh Damani

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41063/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Tenament No. A-24/93, Ground floor, Asbestes roofing tenament wise in one line eight tenament, Rajawadi Co-op. Socy. Vidyavihar (F), Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION S—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. A-24/93, Ground Fl. Asbestos roofing tenaments in one line eight tenaments, Rajawadi Co-op. Society, Vidyavihar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41063/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1987

FORM ITNS----

(1) Shri Damodar Alias D. V. Patil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Saket Developers

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR. IΠ/37EE4/41203/86-87.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

piece or parcel of land S. No. 33/2, CTS No. 65, 66, 67, 71, 82, 84, S. No. 35 CTS No. 86, Mulund, Bombay situated

nt Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a-given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 33/2, CTS No. 65, 66, 67, 71, 82, 84 and S. No. 35 CTS No. 86, at Revenue Village Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41203/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-2-1987

- (1) Shri R. S. Patil & others
- (2) M/s Saket Developers

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.LII/37EE/41204/86-87.—Whereas, I.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing land S. No. 33/2 CTS No. 65, 66, 67, 71, 83, 84 S. No. 25/3(p) 26/6(p) CTS No. 135 Mulund, Bombay situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 33/2, CTS No. 65.66, 67, 71, 83, 84 S. No. 26/3(p) 26/6(p) C.T.P. No. 135 at Revenue Village Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FE/41204/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-2-1987

- (1) Shri Bharat R. Patil & Ors.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Saket Developers

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41205/86-87,---Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot of land bearing S. No. 33/2 CTS No. 65, 66, 67, 71
83 & 84 S. No. 34/5, 34/9, 34/12, CTS Nos. 72, 81 S. No.
37 CTS No. 87 Mulund, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

15-6GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and S. No. 33/2 CTS No. 65, 66, 67, 71, 83, 84 S. No. 34/5, 34/9, 34/12, 72, 81 and S. No. 37 CTS No. 87, At revenue Village, Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III. 37EF/410535/86-87 dated 1-7-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date + 10-2-1987 Seal :

(1) (Tamil Evangelical Lutheran Chorch) Sri G. R. Samuel and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. V. Govindaraj, No. 2nd street, Ram Nagar, Thalakarai Village, Tiruppur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 1/July/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. S. Nos. 99/79 & 230 in Karaipudur village situated at

Coimbatoro

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tiruppur in

July, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Ircome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in S. F. Nos. 99, 79 & 230 Karaipudur village Palladam Taluk.

(Tiruppur Doc. No. 1530/86).

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
"Sivasakthi Building" (II floor)
31, G. N. Chetty Road, T. Nagar Madras-600 006.

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

Date: 27/2/1987

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 2/July/86.—Whereas, I. A. R. REDDY.

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 25/614 New No. 25/110 situated at Sukrawarper Street, Coimbatore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Coimbatore on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- ral facilitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-fax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

 Srl G. Thangavel,
 D. No. 25/35, Pattu Nulkarar Lane of Thyagikumaran Street, Colmbatore.

(Transferor)

(2) Smt. R. Geetha, 411-A Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULF

Land and Building New No. 25/110 & 111 Sukrawarpet Street, Coimbatore. (Coimbatore Doc No. 3564/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II
> "Sivasakthi Building" (II floor)
> 31, G. N. Chetty Road, T. Nagar Madras-600 006.

Date: 27-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOUR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 3/July/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Agrl. land R. S. No. 256, 257 270 situated at
Kalikkanaichanpalayam Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been registered under the registeration Act, 1908 (16 of
1988) in the office of the registering officer at Coimbatore
(Document No. 3568/86) in July 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri S. A. Raghavan,
 Perumal Koil Street,
 Sundapalayam (P.O.)
 Veera Kerulam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri P. Kathirvelu, Kalaikkanaickapalavam, Sundappalayam, Coimbatore-641007

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Kalikkanaickanpalayam Coimbatore (Coimbatore Doc No. 3568/86),

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
"Sivasakthi Building" (II floor)
31, G. N. Chetty Road, T. Nagar
Madras-600 006.

Date: 27-2-1987

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

•Ref. No. 6/July/86.—Whereas, I, A. R. REDDÝ.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 17, Bishop Wellors Avenue West, Mylapore situated at Madras-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transefrred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at at Mylapore Doc. No. 1089/86 in July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been est which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :---

(1) State Bank of India, Manager, Sri S. Ganesn, 22, Rajaji Salai Madrus-1.

(Transferor)

(2) The Christian Medical College Vellore Association, Vellore, Tamilnadu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 17, Bishop Wellore Avenue, West, Mylapore Madras-4.
(Mylapore Doc. No. 1089/86).

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> "Sivasakthi Building" (II floor)
> 31, G. N. Chetty Road, T. Nagar Madras-600 006.

Date: 27/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 8/July, 86.—Wheras, 1.

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1. Lattice Bridge Road, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Adyar Doc. No. 2110/86 in July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair morket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Princess Thiruvathira
 Thirunal Lakshmi Bayi,
 1, Lattice Bridge Road, Adyar,
 Madras-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Doga Pushpa Venamma, and Others, 16/1733, Ramamurthy Nagar, Nellore (A.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 1, Lattice Bridge Road, Madras-20. (Adyar Doc. No. 2110/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
"Sivasakthi Building" (II floor)
31, G. N. Chetty Road, T. Nagar
Madras-600 006.

Date: 27-2-198.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 27th February 1987

Ref. No. 9/July/86.—Whreas, I, A. R. REDDY,

A. R. REDDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 128/3(B) and 129/2 Karapakam Village situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar Doc No. 2128/86 on July 1986

at Adyar Doc No. 2128/80 on July 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of transfer with the chi ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ayyappan Poly Industries No. 17, 1st Street II Cross Karpagam Avenue, Madras-28.

(Transferor)

(2) Dalmina Laminators Ltd., 130, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 128/3(B) and 129/2 Karapakkam Vilage

(Adyar Doc. No. 2120/86).

A. R. REDDY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
"Sivasakthi Building" (II floor)
31, G. N. Chetty Road, T. Nagar Madras-17

Date: 27/2/1987

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ "SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 11/July/86.—Whereas, I, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 151/1B Mount Road Madras-2

situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 872/86 on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Gemini Pictures, Circuit P. Ltd., 601, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri S. C. M. Jamaldeen and Others, 150/125 4th Floor Cisions Complex Montieth Road, Egmore Madras-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Land and Building at No. 151/1B Mount Road, Madras-(Madras Central Doc No. 872/86),

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax
> Acquisition Range-II
>
> "Sivasakthi Building" (II floor)
>
> 31, G. N. Chetty Road, T. Nagur Madras-600 006.

Date: 27-2-1987

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Alfred Swaminathan and Sukumaraswaminthan, 'Ballymote' Yercaud, Salem District

(Transferor)

(2) The Hindustan Times Ltd., "The Hindustan Times House" 18-20, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR
MADRAS-17

Madras, the 27th February 1987

Ref. No. 12/July/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A IVth floor Anna Salai Madras-2 situated at D. No. 705, Madras-2. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thausandlights Doc. No. 312/86 on July 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely:—
16—6 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Flat No. A 1V floor D. No. 705 Anna Salai Madras-2.
(Doc. No. 312/86 Thousandlights)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
"Sivasakthi Building" (II floor)
31, G. N. Chetty Road, T. Nagar
Madras-600 006.

Date: 27-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKHAR BUILDING", (IIND FLOOR) 31. G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras-17, the 2nd March 1987

Ref. No. 3/July/86.— Whereas, 1, A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 160, Thambu Chetty Street, George Town, Madras-1
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at

Madas North (Doc. No. 2367/86) on 14-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occurrently stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (ii of 1922) or the sall Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. G. Kausalya Ammal and Others, 210, Thambu Cheffy Street, Madras-600001.

(Transferor)

(2) Sri M. G. H. Hustain and 3 Others, No. 3, Post Office Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 160, Thambu Chetty Street, Georeg Town, Madras-1.

(Doc. No. 2367/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date . 2-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF, TAX

ACQUISITION RANGE-I "SIVASAKHAR BUILDING", (IIND FLOOR) 31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR MADRAS-17

Madras-17, the 2nd March 1987

Ref. No. 4/July/86.—Whereas. 1, A. R. REDDY,

A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 7. Badriah Garden Lanc, Madras-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogisteration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Sowearpet (Doc. No. 530/86) on 21-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration (herefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Himmatmal Mardia and 3 Others, No. 16, Alagappa Road, Pursawalkam, Madias-84.

(Transferor)

(2) Shri Tejraj Goutamehand Surana Trust, 27, Kandappa Mudali Street, Madras-600 079.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Badriah Garden Lane. Madras-3.

(Doc. No. 530/86)

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd March 1987

No. 1704/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Nos. 376/1 to 404 & 472 and Nos. 32, 35, 37, 39/2, 40, 42 situated at Udevar and Kesagudi Village, Sakaleshpur Tajuk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1608) in the Office of the Registering Office at Sakaleshpur on 7-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. N. S. Palamyappa, alias Shri S. Palamyappa, Udevar Estate, Sakaleshpur Taluk, Hassan Dist.

(Transferor)

 Shrimati Candida M. N. Rebello Mayala, W/o Sri. A. J. V. Rebello, Falmix, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 384/86-87

Dated 7-7-86]

All that property surveyed under Nos. 376/1 to 404 and 472 in Udevarar Village and Nos. 32, 35, 37, 39/2, 40, 42 situated at Kesagudi village, Sakaleshpur Taluk, Hassan District.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No. 61/50160/86'87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 59 (New No. 59: D3) situated at Yadavagiri I Main Road, Devaraja Mohalla, Mysore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at Mysore on 28-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri B. Krishna Raja Bhatta S/o Shri B. Lakshminarayana Bhatia, R/o 59, New No. D3, Yadavagini I Main Road, Devaraja Mohalla, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri K. Raghavendra Rao S/o Shri Krishna Rao, R/o No. 348, Old Bandikeri Oil Mill Road. Krishna Raja Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1759]

Dated 28-7-1986]

All that property bearing No. 59 (New No. 59D3) situated in Yudavagiri I Main Road, Oevaraja Mohalla, Mysore. Morefully described in the Schedule to the sale deed dt. 25-4-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-1-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th January 1987

C. R. No. 62/50174/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHA'ROWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3 (old No. 273) situated at Rajmahal Vilas Extension, Bangalore-560 080

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandh-

inagar on 25-8-1986

for an apparent co-sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri Mohinder Singh Kohli, R/o No. 88/2, Coles Road Cross, Frazer Town, Bangalore-560 005.
 - 2. Shri Inderjit Singh Kohli, R/o 88/2 Coles Road Cross, Frazer Town, Bangalore-560 005.
 - Shri Narinder Singh Kohli, R/o No. 35, Cline Road, Kook Town, Bangalore-560 005.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ashok H, Jagtiani, R/o No. 81, I Ploor, 9th Cross, R. M. V. Extn.
 - Bangalore-560 080.

 2. Shri Rajkumar H. Jagtiani, R/o
 Lake View, II Floor, 86/33, R. M. V. Extn.,
 Bangalore-560 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1341

Dated 25-8-1986]

All that piece and Parcel of land together with the residentaial buildings there on comprising of ground and first floor bearing corporation No. 3 (old No. 273) Rajmahal vilas Extension, Bangalore-560 080 situated in the 15th Main Road in Corporation Division No. 45, Bangalore, measuring on the North to South by 70' (21.34 metres) and East to West by 42' (12.80 metres) with a total area of 2.940 sq. ft. equivalent to 273.24 Sq. metres & monre fully described in the Schedule to the sale deed dt. 21-8-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 27-1-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th January 1987

R. No. 62/50215/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 5 and 6 (old Nos. 12 and 12A) situated at Magarath Road (Ashok Nagar) Division No. 60, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 22-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sweta Estates Private Limited by its only two Directors

1. Sri Santosh Kumar Agarwal, 2. Sri Om Prakash Saxena, 10, CAMAC Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shri Syed Hussain,

2. Mrs. Aisha Hussain,
(1) and (2) at No. 46, Nandidurg Road, Jayamahal Extension, Bangalore.

Mr. Syed Rahman Ali,

Mrs. Hina Rahman,
(3) & (4) at No. M/11, 4th Main, 6th Cross, Jayamahal Extension, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 1666/86-87 Dated 22-9-86]
All that Piece and Parcel of the land being a building site with incomplete construction thereof bearing Municiral Nos. 5 and 6 (old Nos. 12 and 12-A) Magarath Road, (Ashoknagar), in corporation Division No. 60, Bangalore measuring on the north 60', Sonth 61', East 87' and West 75' 3" total site area 4908 Sq. ft. and morefully described in the Schedule to the sale deed dt. 22-9-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 27-1-1987

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th January 1987

Ref. C. R. No. 62/50203/86-87/ACQ/B.-Whereus, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4A situated at No. 19, I Main Road, Jayamahal Extension, Bangalore-560 046

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 26-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Vidyut Sinhji, 2. David Sinhji,

 - 3. Aroon Sinhji, 4. Meera Sinhji,

Sl. No. 2 to 4 all represented by Sl. No. 1 & Ni-No. 1 represented by his duly constituted attorney Smt. Jagath Kumari, 20, Main Rd., Bangalore 560046. and Shivom Enterprises,

Rep. by its Portner Mr. Ramesh Patel

(Transferor)

(2) 1. Mr. Jaswant Mull Dugar and 2. Mr. Sanjay Dugar, No. 19, Edward Road, Bangalore-560 052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lm-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1630/86-87

Dated 26-5-86}

All that piece and parcel of immovable property being vacant site bearing No. 4A situate in No. 19, I Main Road. Jayamahal Extension, Bangalore-560046, known as 'Beaufort' measuring a total entent of 4850 Sq. ft. or 425.4971 Sq. metres & morefully described in the Schedule to the sale deed dt. 26-5-86,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 27-1-1987

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th January 1987

Ref. C. R. No. 62/50165/86-87/ACQ|B,—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 150, situated at Infantry Road, Bangalore-560 001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 31-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Anko Construction Private Limited Rep. by Anand Lal Chand Sanghir, 10, Pareko Vora Chambers, II Floor, 66, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-23.

Transferor(S)

(2) 1. Aurangzeb, Mrs. Neluber Zeb,
 Junaid Zeb
 Ambareen Zeb

 Ambaica Zeb
 Shazia Zeb
 Nadia Zeb
 Rep. by F & G Mr. Aurang Zcb,
 No. 1, Cleveland Road, Frazer Town, Bangalore-560 005.

Transferee(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1093/86-87 Dated 31-7-86] All that piece and parcel of land building and other constructions there on being the eastern Portion of the property bearing corporation No. 150, situated in infantry Road, in corporation division No. 72, civil Station, Bangalore, bounded on the north by Infantry Road, measuring on that side 110' 9", on the east by property bearing No. 149, Infantry Road, measuring on that side 155'9". The total site area of the Schedule 'B' Property is 17337 Sq. ft. & morefully described in the schedules to the sale deed dt. 31-786.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

17-6 GI/87

Date: 27-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th January 1987

No. DR.1775/86-87/ACQ/B.-Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Matriz Predial No. 85 situated at St. Inez Village of Taleigao, Gou,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under registered with the Competent Authority u/s 269 AB in his office at Bangalore-560 001 on 2-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt.; Lourdina Mascarenhas E. Pereira 2. Abcl Alvaro Pereira

 - 3. Mario Pereira
 - Domingos Pereira
 Romaldina Pereira
 All (Sl. Nos. 1 to 5) residing at Kerant, Caranzalem, Goa.

(Transferor)

- (2) M/s. Halona Builders, Represented by its partners— 1. Stalin D'Souza, S/o Francisco D'Souza. Caranzalem,
 - Goa. 2. Dr. Lawrence D'Costa, S/o Peter D'Costa, Sirlim,
 - Margo. 3. Paul Coutinho, S/o Joseph Coutinho, Caranzalem, Goa.
 - 4. Mclwin D'Souza. S/o Francisco D'Souza, Caranzalem, Goa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the ancresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1342/86-87 Dated 2-7-1986].

All that plot 'D' measuring 2839 sq. mtrs. of the property consisting of a paddy field, known as "ROGULEM" or "QUIEN MOROD", situated at St. Inez, Village of teleigao, registered under Matriz Predial No. 85 and more fully described in the Schedules-I, II, III and IV to the agreement dated 3-5-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 19-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

No. DR.1776/37EE/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Survey No. 88/5 situated at Navelim Village, Salcete Taluka, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registered with the Competent Authority u/s 269 AB in his office at Bangalore-560 001 on 23-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in late proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subconsideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :-

(1) Manuel Antonio Cruz Coutinho, S/o late Constantinho Coutinho, Darjeeling, West Bengal.

(Transferor)

(2) 1. Saikh Hidayat, S/o S. A. Latif, Belsol Apartments, A/2, Aquem Alto, Margao,

> Damodar Pandurang Bhatikar, S/o Pandurang Bhatikar, Villa Mahabaleshwar, Murida. Fatorda, Margao-403601, Goa.

(Transferee) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned

- (a) by any of the aforciaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1776/86-87 Dated 23-7-1986]. The piece of land ZOROD or ZORODY surveyed under No. 88/5, situated at Navelim, Salcete, Goa, admeasuring about 5150 sq. mtrs, and more fully described in the agreement of sale dated 6-5-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. K. S. Alamelu, W/o Shri Subbaraayan, No. 4, 4th Main, Jayamahal Extension, Bangalorc.

(Transferor)

(2) M/s, Titan Watches Limited, 'Sona Towers', 71, Miller Road, Bangalore-560 052.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

No. R.1789/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Municipal No. 4 situated at 4th Main Jayamahal Extension,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his

office at Bangalore-560 001 on 28-8-1986.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2326/86-87 Dated 28-8-1986]. All that piece and parcel of property being land and building thereon consisting of ground floor and first floor, bearing Municipal No. 4 (bifurcated from City Improvement Trust Board Nos. 116 and 117 and revised Nos. 64 and 65) situated in 4th Main, Jayamahal Extension. Bangalore, und bounded:

On the East by : Road.

On the West By: Private property
On the North by: Road; and
On the South by: Property bearing Municipal No. 3

belonging to B. R. Krishnamoorthy.
and measuring East to West 90 feet and North to South 45 feet.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No.62/50164/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Municipal Corporation No. 3 situated at Prime Street, Richmond Town, Bangalore-25 in the Corporation Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 31-7-1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Paul D'Souza, S/o Shri John D'Souza, No. 3, Prime Street, Richmond Town, Bangalore-560 025.

(Transferor)

(2) Mrs. Farhana, W/o Shri Sayed Jabbar, No. 9, Ruby Lodge Flat No. 9, 2nd Floor, Reynold Road, Bombay-400 008.

(Transferee)

(3) Shri Paul D'Souza, S/o Shri John D'Souza, No. 3, Prime Street, Richmond Town, Bangalore-25.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1084/86-87 Dated 31-7-1986].

All that piece and parcel of the land together with dwel-An that piece and parcer of the failst together with dwelling house and other constructions standing thereon bearing Municipal Corporation No. 3, situated at Prime Street, Richmond Town, Bangalore-25, within Corporation Division No. 61 and which is bounded on the:

North by: Prime Street

South by: Private property
East by: Private property
West by: Col. Sachdev's property and Rhenius Street.
and more fully described in the deed of sale dated 31-7-

Measuring on the cast by 109ft.4inc, west by 60ft.3inch, plus 13ft.3inch, plus 35ft.10inch =109ft.6inch, North by 72ft. 0inch and South by 75ft.6inch. Total area 8070 sq. ft. and marked ABCDEFA in the Plan.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No. 62/50145/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. BHARDWAJ,

R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5, Brunton Road Cross, 61, Division of the Corporation of City Bangalore situated at Brunton Road Cross, Banga-

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 4-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Woodbrair Estate Limited Regd. Office at Devarshala-643207, Tamil Nadu & Administrative Office at No. 6, Gangadhara Chetty Road, Bangalore Pin Code-560 042. Rep. by its Director, Shri P. J. Joseph.

(Transferor)

(2) Shri V. R. Rajesh, S/o V. K. Rajaram, No. 37/1, Wellington Road, Bangalore-560 025.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 954/86-87 Dated 4-7-1986].

All that the vacant lands formerly known as Nos. 5, 5/11 and 5/12, Brunton Road Cross, and now forming a part of composite block bearing No. 5, Brunton Road Cross & measuring 13,339 sq. ft, on the 61st Division of the Corporation of the City of Bangalore and bounded on the.

North by: House and boundary wall of premises No. 5/12-1- Brunton Road cross and fencing of No. 5. Brunton Road Cross. South by: Compound walls of premises Nos. 4.6 & 7. Brunton Road Cross. East by : Brunton Cross Road. West by : Compound Walls of M/s, T. T. Krishamachara & Sons (P) Limited. and more fully described in the deed of sale dated 4-7-1985.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 20-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No. 62/50191/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Industrial plot bearing No. 1 situated at Industrial Suburb.

Yeshwantpur, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore on 4-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

S/Shri

- (1) 1. K. S. Prakash 2. K. S. Ramesh 3. Smt. Jayamma

 - Smt. Kanthamma Smt, Ranganayakamma
 - Smt. K. Lakshmidevi Miss. Seethalakshmi

 - Miss Bharathi
 - Miss Shobha
 - 10. Smt. Sarojamma All are sons & daughters of Shri K. Srinivasalu, Rep. by Shri K. S. Prakash,

Power of Attorney Holder, No. 408, 12th Main, Rajmahal Vilas Extn.,

Bangalore-80. (Sl. Nos. 1 to 10)

- 11. K. S. Mohan
- 12. K. S. 13. K. S. Sudarshan Srinivasa Prasad
- 14. Smt. Bhagya 15. Smt. Lakshmi Devi
- 16. Miss Saraswathi 17. Miss Rukmani 18. Miss Padmavathi
- - Venkatanagendra Vinay

Venkatanagendra Vinay S/o Sri J. Venkatesh

20. Miss Radhika
S/o Sri J. Venkatesh

21. K. Venkatalakshmamma
W/o Shri K. Srinivasalu
All are sons & daughters of
Shri K. Srinivasalu
Rep. by Shri K. S. Mohan,
Power of Attorney Holder
No. 1, III Cross,
Nehrunagar,
Bangalore-20.

Bangalore-20. (Sl. Nos. 11 to 21)

(Transferor)

(2) 1. Shri Eswarchand Bhandari, S/o Sri Ugamraj Bhandari, Jumma Masjid Road, Bangalore-2.

Smt. Choti Bai Bhandari, W/o Sri Ugamraj Bhandari, Rangaswamy Temple Bangalore-53.

Smt. Pushpa Bal Bhandari, W/o Sri Bhawarlal Bhandari, Rangaswamy Temple, Bangalore-53.

Smt. Kanchan Kumari
W/o Sri Jawaharlal Bhandari
Master Mukesh Kumar Bhandari,
S/o Bhawarlal Bhandari
All are represented by
Shri Eswarchand Bhandari, Power of Attorney Holder, Rangaswamy Temple Street, Bangalore-53 (Sl. Nos. 1 to 5)

(Transferee)

Ojections if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1874 Dated 4-9-1986]
All that piece and parcel of Industrial piot bearing No. 1
located at Industrial Suburb, Yeshwantpur. Bangalore measuring East to West 140 & North to South on Eastern side
350ft. & on western side 336ft. and bounded on the
North by: Service Road.
South by: Site No. 1/A.
East by: Vacant land.
West by: T. B. Land.

and more fully described in the sale deed dated 27-8-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date: 20-1-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No. 62/50141/86-87/ACQB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and being land and building bearing No. 757, situated at Binnamangala I Stage, Indirangar, Bangalore-560038 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 8-7-1986

Snivajinagar, Bangaiore on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties the property have the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) Mrs. Sousilabhai Jethalal w/o Sri Rantchor Zivraj. No. 757, Binnamangala I Stage, Indiranagar, Bangalore-560038. (Transferor)
- (2) Mrs. Bhagwanti L. Chhabria w/o Sri Lachmandas G. Chhabria, No. 406, 12th Cross, Sadashivnagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 886/86-87 Dated 8-7-1986).

All that piece and parcel of immoveable property being and with building bearing No. 757, situated at Binnamangala I Stage, Indiranagar, Bangalore-560038, Civil Station, bounded on the measuring East to West 65 1/4-64 1/4 ft. & North to South 63 1/2-60 ft in all measuring a total extent of 4052 sq. ft. or 376.44 sq. metres.

East by-Building on site No. 756 West by—Boad
North by—Road
South by—Site No. 758
and more fully described in the sale of deed dated 8-7-1986.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-1-1987

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Alamelu, w/o Shri Subbraayan, No. 4, 4th Main, Jayamahal Extension, Bangalore.

(2) M/s. Titan Watches Limited. Regd. Office at LLA Buildings, No. 735, Annasalai, Madras-600002.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th January 1987

C.R. No. 62/50159/86-87/ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. being land & building bearing Municipal No. 4 situated at 4th Main, Jayamahal Extension, Baugalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 22-7-1986 Gandhinagar, Bangaiore on 22-1-1900 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the such that the such th the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons. namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chanter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1048/1986 Dated 22-7-86).

All that piece and parcel of property being land and building thereon consisting of ground floor and first floor, bearing Municipal No. 4 (bifurcated from City Improvement Trust Board Nos. 116 and 117 and revised Nos. 64 and 65) situated in 4th Main, Jayamahal Extension, Bangalore and bounded

On the East by-Road

On the West by—Private property
On the North by—Road; and
On the South by—Property bearing Municipal No. 3

belonging to B. R. Krishnamoorthy. and measuring East to West 90 ft. and North to South 45 ft. total area of the site 4050 sq. ft.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 20-1-1987

Seal:

18---6 GI/87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th February 1987

C.R. No. 62/50168/86-87|ACQ|B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 72¹⁷1-8, situated at cunningham Road, Divisions No. 44. Bangalore-52.

Bangalore-52.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Hazel Philonena Goveas w/o Mr. T. P. H. Goveas, Madapur Post, I ggodlu Estate, North coorg.

(Transferor)

(2) (1) Gajand Mittal (2) Rajesh Mittal

(2) Mukesh Mittal
(4) Deepak Mittal
(5) Pankaj Mittal
No. 19 & 20, II Cross, 8th Main, Vasanthuagar, Bangalore-52.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Decument No. 1150 Dated 1-8-1986).

All that piece and parcel of land with a dwelling unit bearing corporations No. 72/1-8 (formerly 72/1-3 previously B2 in No. 72) cunningham Road, Division No. 44, Bangalore measuring 5705 sq. ft. and more fully described in the schedule to the sale deed dt. 1-8-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1987

Scal;

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th February 1987

C.R. No. 62/50198/86-87|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to relieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 69/1, situated at Sampangiramaswamy Temple Street,

Cunningham Road Cross, Bangalore-560052.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar Bangalore on 16-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquialtion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Arti P. Kothari, 29, "Sadhana", 29, "Sadhana", N. Gamadia Road, Bombay-400026.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Ila J. Mehta (2) Shri Kirit M. Mehta Panchasheel Apartment, V Floor, Gandhinagar. Bangalore-560009.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) 'y any other person interested in the said immov-nole property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1448/86-87 Dated 16-9-1986).

All that property bearing No. 69/1, Sampangiramaswamy Temple Street, Cunningham Road Cross, Bangalore-560052 and more fully described in the Schedule to the sale deed dated 3-9-1986

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-2-1987

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th February 1987

C.R. No. 62/50146/86-87|ACQ|B,-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 16/11 situated at Benson Cross Road,

Cross Road, Corporation

Division No. 46 Bangalore-560046.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar on 2-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay text under the said Act, in respect of any accome arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri G. V. Raj S/o T. Govindaraj Mudaliar, 131, Wheeler Road, Cox Town, Bangalore-560005.

(Transferor)

(2) Binny Crescent Apartments 11/14, Nandidurg Road, 11/14, Nandidurg Road, Bangalore-560046 Rep. by Managing Partner (1) Sri Gangadhar A. Huliyappa (2) Jagdip N. Shah 415, 1 Cross, HAL II Stage, Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 702 Dated 2-7-86).

All that Piece and Parcel of land being the vacant site bearing Municipal No. 16/11 (formerly 16/A-6) Benson Cross Road, now known as Binny Crescent, corporation Division No. 46, Bangalore-560046 measuring on the North 134, on the cost 79 one the South 111'6" & on the West 75'. and more fully described in the schedule to the sale deed dt. 2-7-86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-2-1987

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 23rd February 1987

C.R. No. 62/50156/86-87|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 86 situated at Attavar Village, Balmatta Ward No. 16,

Mangalore City

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

B. C. Mandanna,
 S/o Sri B. M. Cariappa
 Retd. R. T. O. Vas Lane, Falnir,
 Mangalore.

(Transferor)

(2) M. s. Mangala Enterprises Rep. by Sri B. Ganapathi, Somayaji, No. 10, Milagres Centre, Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 511/86-87 Dated 1-7-86).

Property land & Building held on Muli (Warg) right situated in No. 86, Attavar Village in Block No. 7, Balmatta Ward No. 16, of Mangalore City Corporation, measuring plenth area 2500 sq. ft. and more fully described in the schedule to sale deed dated 1-7-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 23-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mi/s. Standard Tile Company, Rop by Sri. V N. Shankar, No. 2014, High Point, 45, Palace Road, Bangalore-560001.

(2) M/s. Standard Tilery, Rep. by M. Tboobacker, Post Box No 10, Kadur-577548. (Transferor)

Transferec(s)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 23rd February 1987

Ref. No. 1611/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Resurvey No. 180, situated at Kasaba Grama, Kadur, Kadur Jaluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kadur on 7-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the conceniment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disloced by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under entered on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1301/86-87 Dated 7-7-86)
All that piece and parcel of land in Resurvey No. 180, situated at Basaba Grama, Kadur, Kadur Taluk, Chickmagalur Dist. measuring 5 acres, 10 guntas containing Factory main building, tiled construction and more fully described in the schedule to the Sale deed dated 7-7-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 16-1-1987

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 24th February 1987

Ref. No. 1729/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 418/1, situated at Curtorim, Calcete, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salcete on 4-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Mrs. Maria Leticia Marinha Gracias Flor allas Maria Leticia Marinha Aspulqueta Gracias Flor Menezes.
 Mr. Simao De Fatima Braganza E Menezes,
 Mrs. Maria Celina Philomena Menezes,
 - 3. Mrs. Marla Celina Philomena Menezes. Suklem, Curtorim, Calcete, Gon.

(Transferor)

(2) M/s. Durga Builders, Pedrinho Building, Jose Inacio de Loyda Road, Near Railway Gate, Margao, Goa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION: -- The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 219/86-87 Dated 4-7-86)
All that Rustic property known as 'Gogali' or 'Fondegali',
surveyed under No. 418/1, situated at Curtorim, Salcete, Gao
within the limits of village Panchayat of Curtorim, SubDistrict of Salcete, District of Goa measuring 78,175 sq. mts.
and more fully described in the schedule to the sale deed
dated 3-7-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 24-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 24th February 1987

Ref. No. DR. 1778/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey chalta No. 51, 51A, 51B and 51C of P.T. Sheet No. 88, situated at Vasco-da-Gama, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 30-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason has not been transfer as agreed to between the reason to the said instru

ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Aleon Constructions (Goa) Pvt Ltd., Veltco Building, Panaji, Goa.
- (Transferor)

 (2) M/s. The Mapusa Urban Co-operative Bank Ltd.

 Rep. by Mr. S. C. D'ouza,

 General Manager,

 Regd. Office at 'Nanda-De ep',

 Mapusa, Goa-403507.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1376/86-87 Dated 30-7-1986)

All that landed property known as 'Dando' Shop Nos. 11, 12, 13, 14, 15 and 16 on the Ground floor of building No A "Commerce Centre", in survey No 51, 51A, 51B and 51C of P.T. Sheet No. 88, situated at Vasco-da-Gama, within the limits of the Municipality of Vasco-da-Gama, 'Taluka and Sub-District of Mormugao, admeasuring 268.58 sq. mts. and more fully described in the schedule to the agreement for sale dated 21-6-86.

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 24-2-1987

٧

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th February 1987

C.R. No. 62/50161/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28-D, New No 30, situated at Miller Road, First Cross, Civil Station, Bangalore

situated at Miller Road, First Cross, Civil Station, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 17-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any knoome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19-6 GI/87

 Shri N. S. Balakrishnan, By P.A. Holder Sri N. K. Subramaniam, No. 31, Millers Road, Bangalore.

Transferor(8)

J. Javced Ahmed
 J. Altaf Ahmed
 Both residing at No. 210/6, Jabbar Buildings, Yeshwanthpur, Bangalore-22

Transferee(s)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 989/86-87 Dated 17-7-1986)
All that piece and parcel of land together with Construction standing thereon, bearing old No. 28-D and New No 30, situated at Miller Road, First Cross, Civil station, Bangalore and more fully described in the schedule to the sale deed dated 16-7-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 27-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th February 1987

C.R. No. 62/50162/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 301, Silver Lake Terrace Apartments situated at Richmond Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under he Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 23-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Varma Properties (P) Ltd., No. 135, Biplabi Rashbehari Basu Road, Calcutta-1.

(Transferor

(2) Ashok Chatterjee No. 6/1, Rose Lane Richmond Town, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undessigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1037/86-87

Dated 23-7-1986)

All that flat on the third floor of and being Flat No. 301 in the building known as 'Silver Lake Terrace Apartments on premises No. 55, Rachmond Road Bangalore admeasuring 1440 sq. ft. and more fully described in the schedule to the sale deed dated 23-7-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangaloro

Date: 27-2-1987

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th Februar 1987

C.R. No. 62/50208/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, (Old No. 22/28) situated at Subramanyaswamy Temple Street, Visveswarapuram, Bangalore-560004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore on 25-9-1986 for an apparent consideration which is less than the fair in the building known as 'Silver Lake Terrace Apartments on 1440 sq. ft. and more fully described in the schedule to the exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parvathi,
 Sri K. L. Chandrasekhar
 Both residing at No. 10, Subramanya Swamy Temple Street, Visveswarapuram,
 Bangalore-4.

(Transferor)

(2) M/s. Gadia Bos.,
No. 87, I Floor,
Chowdeswari Temple Street,
Bangalore
Consisting of—
S/Shri
1. Kiran Kumar K. Kadia

Kiran Kumar K. Kadia
 Sudarshan K. Gadia
 Ajay Kumar K. Gadia
 Smt. Kavitha K. Gadia

5. Smt. Shobha S. Gadia 6. Smt. Ranjan A. Gadia All are residing at No. 16, 'Shri Pitrachaya' II Cross, Shankarapuram, Bangalore-560004

(Transferce)

 1. Sri Shankaranarayana Aithal
 2. Sri P. A. Gopalakrishnaiah Setty &
 3. Dr. H. N. Nagendra Prasad
 No. 10, Subramanyaswamy Temple Street, Visveswarapuram, Bangalore-4.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

(Registered Document No. 1689/86-87 Da

Dated 25-9-1986)

Entire property bearing present Corporation No. 10, (Old No. 22/28) Subramanya Swamy Temple Street, Corporation Division 47, Visveswarapuram, Bangalore-4 consisting of main House, Out House, Four shops and vacant land and more fully described in the schedule to the sale deed dated 25-9-1986.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 27-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore-560001, the 2nd March 1987

C. R. No. 62/50137/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 52/1-A situated at Konena Agrahara, Bangalore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto' has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 8-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. B. Munivenkata Reddy, s/o Late Patel Basappa, No. 1, Konena Agrahara, Bangalore.

(Transferor)

(2) M/s. Blaze and Central (P.) Ltd., No. 154, Mount Road, Madras-2, represented by its Managing Director Mr. Lalith M. Bijalanc.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1774/86-87 Dated 8-7-1986] Land bearing Survey No. 52/1-A of Konena Agrahara, Bangalore South Taluk measuring two acres and thirty six Guntas and more fully described in the schedule to Sale deed dated 21-1-1985.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-3-1987 Seal:

pear

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 2nd March 1987

C. R. No. 62/50170/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 372, IV Block situated at Koramangala, Bangalore-34, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 17-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Geetha Rao W/o Sri Surendra Lakshmi Narayana Rao.
 Sri Surendra Lakshmi Narayana Rao, both residing at 54, Cheeriers Road, Madras-600 028.

(Transferor)

(2) J. Sri Ajeet Kumar Rakheja s/o Sri J. N. Rakheja.

Smt. Neerja Rakheja w/o
Ajeet Kumar Rakheja,
both residing at No. 372, IV Block, I Cross,
8th 'A' Main Koramangala Lay out,
Bangalore-560 034.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2027/86-87 Dated 17-7-1986]

The property consists of land and double Storeyed building (Ground and first floor) situated at No. 372, IV Block, I Cross, 8th 'A' Main Koramangala Lay out, Bangalore-560034.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-3-1987

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Chandulal Walchand Gandhi, 1180/7/2 Shivajinagar, Pune-5.

(Tránsferor)

(2) Shri Sunderlal Raoji Shah, Smt. Aruna Sunderlal Shah, Shri Sandeep Sunderlal Shah, 1170/12 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2186/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovas the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

CTS No. 1180, Sub Plot No. 7/2 Final Plot No. 558 T.P. Scheme No. 1 situated at Pune
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqu. Range,
Pune on 22nd August 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the profile has not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.
 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-

sons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 37EE/2186/1986-87 in the month of 22nd Aug. 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-2-1987

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6251/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the income tax houldness fair market value over the income of the in property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Morarji Mulraj Khatav Land, at Mouje Achole, Taluka Vasai

Residential Plots No. 1 to 244 situated at Mouje Achole (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range,
Pune on 19th October 1986
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the property of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Pranlal Doshi & Others, Rupam Distributors, 4th Floor, Naz Cinema, Lamington Road, Bombay-7.

(Transferor)

(2) M/s. Jogani and Dialani Land Developers, & Buiklers, 101, Gundecha Chambers, N. M. Road, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/6251/86-87 dt. 19th Oct. 1986).

ANJANI KUMAR 🧳 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :-

Date: 17-2-1987

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/ No. 37EE/5682/86-87.—Whereas, I, ANIANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

The land together with buildings known as "Vithalwadi Works" Near Vithalwadi Rly. Station, Ulhasnagar Area of 39,200 sq. yds. situated at Ulhasnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

& registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range,

Pune on 3-10-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Apar Private Limited, Maker Chambers III, 1st Floor, Jamnalal Bajaj Marg, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferor)

(2) Unitech Limited, Unitech House, 6 Community Centre, Saket, New Delhi-110 017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/5682/86-87 dt. 3-10-1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 24-2-1987

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/3054/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 2010 Gaqarbeg Street, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 26th Sept. 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

20-6 GI/87

 M/s. P. V. Mahadkar & Sons. F. P. No. 38/16 Erandwana, Pune-4.

(Transferor)

(2) M/s. Kumar Co. Partner Shri V. K. Jain, 783 Bhavani Peth, Pune-42.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3054/1986-87 in the month of 26th September 1986.

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 17-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 2nd March 1987

Ref. No. IAC ACQ/C-5/37EF/3200/1986-87,---Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 193, 14-A Bont Club Road, Pune

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 3rd October. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair register value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) Smt. Nanki Shamdas Sadarangani & Others. "Edn Hall" Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay.

(Transferor)

(2) Shei Purushotam Vishandas Raheja, Chief Promotor of River Crest Apartments, Co-operative Housing Society Ltd., 14-A Boat Club Road, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3200/1986-87 in the month of 3rd October, 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pune

Date: 2-3-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 17th February 1987

Ref. No. IAC ACQ. CA-5/37EE/3934/86-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Village Uttan, Tal. Vasai, Dist. Thane Bearing S. No. 178/121/112 and 357, Hissa No. 1 at Village Uttan situated at Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range Pune on 30th August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shamrao Sunderrao Valkar & Others, Ratna Sagar, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

(Transferor)
(2) M/s. Merry Movements & Equipments Pvt. Ltd.
83, Nariman Bhavan,
227 Nariman Point, Bombay-21.

(Transferce)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No. 37EH/3934/86-87 dt. 30-8-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1987

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3631/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat 3/4 Boat Club Gardens, 13 Boat Club Road, situated at Punc-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 17th October, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Pritam Singh & Another 101 Parmar Chambers, Vaswani Chowk, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Amir Sajan, 405/ 2 Ardeshir Irani Road, Pune -1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 713/86-87 Dated 17-10-86]

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3631/198627 in the month of 17th October 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Date: 25-2-1987

(1) Shri Vilaskumar Chandanmal Gandhi, 1215/4 Shivajinagar, Pune-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE PUNE

SIONER OF INCOME-TAX

Pune, the 26th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/3231/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding and bearing No.

Survey No. 6 of Village Barner, Tal. Haveli, Dist. Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 4th October 1986

Acqn. Range, Pune on 4th October 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Shri Ramesh M. Thakkar, 84 Sahney Sujan Park, Kondhwa Road, Punc-1.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3231/1986-87 in the month of 4th October 1986.)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range POONA

Date: 26-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/3202/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 6, City Survey No. 3/6 Erandwane, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 23rd October 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Madhukar Vasudeo Gupte & Others. Mangal Jyoti,
 3/6, Yerandawane, Punc-4.

(Transferor)

 M/s. Prabin Guptey & Associates, Vishnu Darshan, 1132/3, Shivajinagar, Punc.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/32021/1986-87 in the month of 3rd October 1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1987

Sear

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 25th February 1987

Ref. No. IAC, ACQ/CA-5/37EE/2228/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5, on skip floor, at H. No. 2416 East Street, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn Range. Pune on 23rd August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Makwana Bros. & Co. 441 Somwar Peth, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Radhika Krishna Ashtekar, Amol K Ashtekar, Atul K Ashtekar, Vipul K. Ashtekar, 263 Kusba Peth, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property is described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2228/1986-87 in the month of 23rd August, 1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
POONA

Date : 25-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1987

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/37EE/16/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Arav Monje Karambali, Tal. Pen, District Raigad S. No. 43. H. No. 1, 2, 3, 4, 5, 7, 9 & 11 to 18 situated at Pen District Raigad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered U/s 269AB of the said

Act in the office of the Competent Authority at IAC. Acqn. Range, Pune on 15th July, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Mr. Aspi Nussarwani Nikorawalla and M/s Yann Agro Farm, 701, Lovedale, Royal Lane, Juhu Tara Road, Bombay-49.

(Transferor)

(2) M/s. Kala Niketan, 95, Maharshi Karve Road, Bombay-400 020,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EH/16/86-87 dated 15th July, 1986.)

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-2-1987

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 24th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/32/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 9/5A of Shirdi, Tal. Kopargaon, District A'nagar situated at Shirdi, Tal. Kopargaon, District A'nagar situated at Shirdi, Tal. Kopargaon, has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acq Range, Pune on 2nd August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Jehangir H. Dhunjibhoy, Flat No. 1, Soniji Agiary Lane, Gowalia Tank, Bombay-400 036.

(2) Mr. Pheroze F. Mehta & Others, Promoters of proposed Pvt. Ltd. Co., Bell Bldg., Bell Lane, Fort, Bombay-400 023.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the hA.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37FE/32/86-87 dated 2-8-1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Dute: 24-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sitabai Rambhen Pendhari & Others, Nehru Road, Nala Sopara, Tal. Vasai, District Thane.

(2) Manukhlal Maganlal Vora, 45-Nagdevi Street, Bombay-3.

(Transferor) (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th February 1987

Ref. No. IAC/ACQI/CA-5/37EE/6278/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at Village Nilemore bearing New S. No. 125 & 128

situated at Nilemore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

IAC Acqn. Range, Pune on 19th October, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesall property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/6278/86-87 dated 19th October, 1986.)

ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 12-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/249/86-87. --Whereas, I. ANJANI KUMAR,

ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000:- and bearing No.

Revenue S. Nos. 166, 167 and C.S. No. 736(1), 736(2) and 739 at Igatpuri, Tal. Igatpuri, Dist. Nasik situated at Igatpuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority Act in the office of the Competent Authority at SR Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

no believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration that the consideration are the consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration are consideration and that the consideration are consideration and that the consideration are consideration are consideration. ion for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22-5 GI/87

- (1) M/s S. P. Corporation & Others, Tata House, Waudby Road, Bombay-400 023. (Transferor)
- (2) M/s Mahindra & Mahindra Ltd., Gateway Building, Appollo Bunder Road, Bombay-400 039.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay on 14-8-1986.).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 26-2-1986.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Punc. the 26th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G; 244/86-87. -Whereas, I, ANJANI KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Inconse-tax Act, 1961 (43 5, 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000 - and bearing
C.S. No. 8480 and 8481, Solapur situated at Solapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at SR. Solapur on 30-6-1986

at SR. Solapur on 30-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a roresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such fransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 M/s Solapur Spinning and Weaving Mills Ltd., High Court Receiver, Sri. D. B. Khade, Solapur.

(Transferor)

(2) Chairman, Vishnu Ganpat Kathe, Juni Mill Housing Society. Solapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale is registered in the Office of the Sub-Registrar, Solapur under document No. 2328/86 dated 30-6-1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-2-1987.

(1) Smt. Bhagiratibai Shankar Bhelke, 32 Kothrudgaon, Pune-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Ankur Developers, 721 Guruwar Peth, Bathe Kripa, Pune-2. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd March 1987

Ref. No. IAC/ACQ CA-5/37EE/3235/86-87.—Whereas, 1, ANJANI KUMAR,

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing S. No. 91, Hissa No. 1/13, kothered, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority

Act in the office of the Competent Authority
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 4th October, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been ruly stated in the said
instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ρay tax under the and Act, in respect of any income arming from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have thesame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3235/1986-87 in the month of 4th October, 1986.)

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd March 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1240/86-87.—Whereas, J. ANJANI KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

403 and 404 Shukrawar Peth, situated at Pune-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered U/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 12th Puly, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mahadeo Maruti Khedkar, 403 Shukrawar Peth, Punc-2 and Mrs. Shashikala Manohar Rajguru. 638-B Red Bricks Chawl, N. M. Joshi Road. Byculla, Bombay-28.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Jagannath Lahoti, 1189 Kasba Peth, Pone-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/1240 1986-87 in the month of 12th July 1986).

> ANJANI KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 2-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Suman Choudhari, 641 Block 'O' New Alipore, Calcutta-700 053.

(2) M/s Shri Sai Builders, 1145 Sadashiy Peth, Pune-30.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 3rd March 1987

Ref. No. IAC-ACQ/CA-5/37EE/4699/1986-87.—Whereas, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market Rs. 1,00,000/- and bearing value exceeding No. C.T.S. No. 1162/4A Bhamburda, Shivajinagar, Pune, situated at Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said

Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 6th Dec 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

23-6 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/4699/1986-87 in the month of 6th December 1986.

> ANJANI KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 3-3-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KQREGAON PARK

Punc-1, the 27th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/376/248|86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. B & D S. No. 52 and 59 Village Nile-more, Talukar Vasai, situated at Dist, Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority ut SR. Bombay on 23-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inklate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ami Construction Co., 602, Sharda Chambers, 15, New Marine Lines, Bombay-20.

(Transferor)

(2) 1.D.B. Employees Co-op. Hsg. Soc. Ltd., C/o 1.D.B.I. Mittal Court, 2nd Floor, Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property us described in the agreement to sale is registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay on 23-7-1986 under document No. 37G/248/86-87).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK

Pune-1, the 27th February 1987

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5|No. 37EE/5462/86-87.—Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 109, 110 & S. No. 112, 104, 105, 107 & 908 Village Majiwada, Dist. Thane, situated at Majiwade, Thane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC Acqn. Range on 3-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Chowgule & Co. (Hind) Pvt. Ltd. Malhotra House, Opp. G.P.O. Welchand Hirachand Marg, Bombay-400 001.

(Transferor)

(2) G. Ram Construction Co. 501, Commerce House, Nagindes Master Ed., Bombay-400 023,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE/5462/86-87 dated 3-10-1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-2-1987

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE 106/107, KOREGAON PARK

Pune-1, the 27th February 1987

Ref. No. IAS ACQ CA-5/No. 37EE|5101|86-87.—Vhereas, I.
NJANI KUMAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
o as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding
\(\text{S. } 1,00,000/-\) and bearing
\(\text{Nos. } 355, 356, 357, Hiss Nos., 9, 19, 23, 16, 12, 8, 12, 1
\) 7, 8, 3, 12 etc. Village Bolini, Tal. Vasai, Dist. Thane,
ituated at Bolini, Tal. Vasai,
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
as been transferred and registered u.'s 269AB of the said
cct in the office of the Competent Authority at
\(\text{AC, Acqn. Range on 20th September 1986,}
\) or an apparent consideration which is less than the fair
narket value of the aforesaid property, and I have reason
o believe that the fair market vlaue of the property as
foresaid exceeds the apparent consideration therefor by
nore than fifteen per cent of such apparent consideration
ind that the consideration for such transfer as agreed to betveen the parties has not been truly stated in the said instrunent of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Govind Jivan Gawad & 6 others, Aagari, Tal, Vasai, Dist. Thane.
- (Transferor)
- (2) Mak Estate & Propertyes Pvt, Ltd. 15, Yog Niti, S. V. Road, Near Bank of Earodafiz Santacruz (W), Bombay-400 054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 5101/86-87 dated 20th September 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-2-1987

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune, the 26th February 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5|37EE|3752|86-87.—Whereas, I, ANJANI 'KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 195 and 196 Village Chinchwad, Tal. Haveli, Dist. Pune, situated at Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 21st October 1986-for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sundarlal R. Shah, 1170-12 Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) M/s Poona Constructions Pvt. Ltd. 619 Sadashiv Peth, Hira-Moti Hall, 2nd floor, Near Vishrambag Wada, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/3752/1986-87 dated 21st October 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 26-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th January 1987

C. R. No. 62/DR.1777/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. A-8, 9, 10 & 12 situated at Talcigao Village, Tiswadi Taluka, Ilhas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent authority under Section 250AB in his efficient.

269AB, in his office at Bangalore on 30-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Name and address of the transferors: S/Shri
 - I. (a) Andre Francisco Paulo Souza Machado alias Francisco Souza Machado, S/o late Claudio Teofilo de Souza Machado.
 - (b) Maria Lourdes Praxedes Devenuta E Machado, alias Maria Martins Machado, D/o late Miguel Joao Martins. Both residents of House No. 131, Gaunsavaddo, Mapuca, Bardez Goa.

- (a) Vicente Alvaro Souza Machado alias Alvaro Souza Machado S/o late Claudio Teofilo de Souza Machado.
 - (b) Angela Souza Machado Di/o Manuel Borges, Both residing at 'Primavera' Building, next to the old Kala Academy, Panali, Tiswadi Taluka, Goa.
- (a) Guilherme Perpetuo Hamilton Souza Machado s/o late Claudio Teofilo de Souza Machado.
 - (b) Maria Antoinette Piedade De Conceicao De Souza Machado D/o Baltazar de Souza. Both residents of P.O. Box No. 40460,
- 4. (a) Enassouza Machado E Costa Martins, D/o late Claudio Teofilo de Souza Machado.
 - (b) Carlos De Costa Martins, s/o Emilio de Costa Marfins, Both residents of of Assolna, Salcete,
- 5. (a) Maria Elsa Souza Machado E Menezes, D/o late Claudio Tcofilo de Souza Machado.
 - (b) D. Francisco Menezes s/o D. Cristovam do Menezes. Both residents of Panaji, Goa, Tiswadi Taluka.
- 6. (a) Lilia Piedade Louides Martins E Pereira, D/o late Miguel Joao Martins,
 - (b) Francisco Vavier Pereira, S/o late Dr. Aleixo Pereira. Both residents of Utorda, Majorda, Salcete,
- 7. (a) Luiza Filomena Lourdes Martins E Fernandes D/o late Miguel Joao Martins.
 - (b) Paulo Bailon Fernandes

S/o Dr. Constancio Fernandes. Both residents of No. 17/1, Serpentine Street, Richmond Town, Bangalore.

- 8. (a) Evelyn Lucy Machado Godin Do late Fr ancisco Manuel Souza Machado.
 - (b) Lt. Col Stanley Francis Godin S/o late E. Nazareth Godin Both residents of A.S.C. Centre (South Agram), Bangalore Cantt., Bangalore.
- Lucia Eulalia Machado E. Brangança D/o Vincente Gabriel Souza Machado, Gaunsavaddo, Mapuca, Bardez Taluka, Gao.
- 10. (a) Vasco Machado Braganca S/o late Manuel Xavier de Branganca
 - (b) Virga Menezes E Branganca d/o Antoninho F. do Rozario Menezes. Both residents of Gaunsavaddo, Mapuca. Bardez, Goa.
- 11. (a) Ivo Machado Braganca s/o late Manuel Xavier Branganca.
 - (b) Pamela De Souza Braganca d/o late Joao Francisco de Souza Both residents of Gaunsavaddo, Mapuca, Bardez, Goa.

- 12. (a) Maria Elsa Machado E Braganca d/o late Vincente Gabriel Souza Machado
 - (b) Assuncao De Braganca s/o late Andre F. Braganca Both residents of Mapuca, Goa.
- Maria Conceicao Xavier De Melo Souza Machado D/o Francisco Xavier de mele w o Leonardo de Souza Machado, Dondrem, Taleigao, Tiswadi Taluka, Goa.
- 14. Umeliana Fernandes E. Martins D/o Miguel Fernandes & w/o late Jose Francisco Martins, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- 15. (a) Caetano Martins s/o late Jose Francisco Martins.
 - (b) Mauricia Amaral E Martins D/o Armando Amaral, both Resident of Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- 16. (a) Querobino Martins s/o late Jose Francisco Martins.
 - (b) Lavinia Lopes D/o Carmo Lopes
 Both residents of Flat No. 3, 1st Floor
 'Merrygold' Building, St. Inez, Panaji,
 Goa.
- Miguel Joao Martins s/o
 late Jose Francisco Martins
 Landlord, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- 18. Fernando Lourdes Martins s/o late Jose Francisco Martins, Landlord, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- Francisco Xaxier Martins s/o late oJse Francisco Martins, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- Antonio Martins s/o
 late Jose Francisco Martins,
 Landlord, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- 21. (a) Mariquinhas Martins E Carvalho D/o late Jose Francisco Martins,
 - (b) Trvind Carvalho s/o Paulo Clemente late Jose Francisco Martins, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- 22. (a) Alice Martins E Lopes D/o late Francisco Martins.
 - (b) Oscar Lopes s/o Joao Lopes.

 Both residents of Chinchinim, Salcete, Goa.
- 23. (a) Lourdes Martins E Dias D/o late Jose Francisco Martins.
 - (b) Ralph Dias s/o Charles Dias. Both r/o Bandra, Bombay, Maharashtra.
- Fatima Martins D/o Jate Jose Francisco Martins, Caranzalem, Tiswadi Taluka, Goa.
- Alcon Real Estates Private Limited, Registered Office at Velho Building, Panaji, Gca. (Transferor)

(2) M/s. V. M. Salgaocar & Bro. (P) Ltd., Salgaocar House, F. L. Gomes Road, P.B. No. 14, Vasco-da-Gama, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1375/86-87 dated 30-7-1986]

All that piece and parcel of the property plot Nos. A-8, A-9, A-10 and A-12 situated at Taleigao Village, with in the limits of the village panchayat of Taleigao, Taluka Tiswadi, Sub-District of Ilhas, District of Goa, Measuring 2500 Sq. Mis. and more fully described in the Schedule to the deed of agreement dated 7-6-1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-1-1987

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 2nd March 1987

No. IAC./ACQ/3/17/86-87.—Whereas I,

A. K. JAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. part of northern portion of field No. 227/1 Demand No. 18/8 located at Division No. 8 in Civil Lines, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of 1. T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority O/o the I.A.C. (Acq.) Nagpur or in this office at Nagpur on 28-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Bimlavati G. Khanna,

Dr. Surendrakumar Khanna,

3. Shri Anilkumar Khanna, Late Shri Parveshkumar Khanna, Throuh Smt. Bimalavati G. Khanna, All r/o Civil Lines, Nagpur.

(Transferor)

Smt. Shakuntala G. Pendharkar,
 Smt. Shubhada Y. Pendharkar,
 Smt. Uma Jayant Pendhurkar,
 Smt. Mrinalini S. Pendharkar,

 Smt. Charusheela A. Pendharkar, All r o plot No. C-20 M. I. D. Area, Dombivali, Distt. Thane, Now at Plot No. 78, Farmland, Ramdaspeth, Nagpur.

(Traneferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Northern portion of malik makhuja tield No. 227/I Demand No. 18/8, located at Division No. 8 in C.S.S. Area within the limits of the Nagpur Improvement Trust, Nagpur Municipal Corporation, Mouza Sitabuldi, Nagpur admeasuring about 36,000 sft.

> A. K. JAIN Competent Authority
> Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-3-1987